खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 27 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-268

संरा और विश्व व्यापार संगठन में जल्द सुधार की आवश्यकता : जयशंकर

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को न्यूयॉर्क में ब्राज़ील की अध्यक्षता वाले जी-20 विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक में संयुक्त राष्ट्र और उसके सहायक निकायों के सुधार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला में सुधार तथा बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली में सुधार पर भारत के विचारों पर प्रकाश डाला।

बैठक की अध्यक्षता ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने की और इसमें दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी उपस्थित रहे। डॉ. जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज न्यूयॉर्क में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में वैश्विक शासन सुधार विषय पर बात की। प्रतिनिधित्वपूर्ण, विश्वसनीय और प्रभावी बहुपक्षवाद सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुधारों की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला। इसमें दोनों श्रेणियों में यूएनएससी का विस्तार शामिल है। उन्होंने पोस्ट में कहा, मजबूत, व्यापक और प्रभावी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला की अनिवार्यता पर ध्यान दिया गया।

विकासशील विश्व की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंक (एमडीबी) में सुधार के लिए जी20 में भारत के प्रयासों के बारे में बात की।

अतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली के लिए संरक्षणवाद और बाजार-विकृत प्रथाओं की चुनौतियों को रेखांकित किया गया। नियम-आधारित, गैर-भेदभावपूर्ण और निष्पक्ष बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए डब्ल्यूटीओ में व्यापक सुधारों का आह्वान किया गया।

विदेश मंत्री ने याद दिलाया कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान महत्वपूर्ण प्रगति हुई थी, जिसमें नेताओं ने विकास और जलवायु वित्त का विस्तार करने का आह्वान किया था और एमडीबी को अपने दृष्टिकोण, प्रोत्साहन संरचनाओं, परिचालन दृष्टिकोण और वित्तीय क्षमताओं को परिष्कृत करने के लिए प्रोत्साहित किया था, ताकि उनके विकासात्मक प्रभाव को अधिकतम किया जा सके।

यूएन महासभा के मंच से फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने की भारत की वकालत

यूएनएससी में स्थायी सीट का किया समर्थन

न्यूयॉर्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल उन्होंने अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की जरूरत बताई और भारत को इसमें स्थायी सीट देने की वकालत की। गौरतलब है कि इससे पहले अमेरिका समेत कई प्रमुख राष्ट्र भी भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुके हैं।

अपने संबोधन में इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस, सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है और जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही अफ्रीका से भी दो देशों को इसमें प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। गौरतलब है कि अमेरिका भी भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने का समर्थन कर चुका है। बीते दिनों ही संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ने भी अपने एक बयान में कहा था कि भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट दी जानी चाहिए। ▶10पर

आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों का हश्र अफजल गुरु जैसा होगा : शाह

अब्दुल्ला और नेहरू जम्मू कश्मीर में 40 हजार हत्याओं के जिम्मेदार

जब कश्मीर में आतंकवाद हावी था, फारूक लंदन में छुट्टियां मना रहे थे

उधमपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि जो कोई भी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देगा, उसका हश्र संसद पर हमले के दोषी मोहम्मद अफजल गुरु जैसा होगा, जिसे नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में फांसी पर लटका दिया गया था। उन्होंने कहा कि यह अब्दुल्ला और नेहरू ही हैं जो जम्मू और कश्मीर में 40,000 लोगों की हत्या के जिम्मेदार हैं। उस समय फारूक अब्दुल्ला कहां थे? वह गर्मियों में लंदन में छुट्टियां मना रहे थे और महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे।

समाचार एजेंसी कश्मीर न्यूज ऑब्जर्वर (केएनओ) ने बताया कि श्री शाह ने उधमपुर जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला पर यह दावा करने के लिए निशाना साधा कि अफजल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी। श्रीर शाह ने कहा, फिर क्या बिरयानी खिलानी थी उसको। जो लोग आतंकवाद को बढ़ावा देंगे, उनका हश्र अफजल गुरु जैसा ही होगा। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से अनुच्छेद 370 की बहाली का दावा किए जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि राहुल की आने वाली पीढ़ियां भी अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं कर पाएंगी। यह पहली बार है कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव अनुच्छेद 370 और अलग झंडे के बिना हो रहे हैं। दो संविधानों की संस्कृति का अंत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनिश्चित किया है।

गृह मंत्री ने कहा, नेकां और राहुल बाबा द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली के बारे में दावे किए जा रहे हैं, लेकिन राहुल की कई पीढ़ियों में इन प्रावधानों को फिर से लागू करने की ताकत नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले 40 वर्षों के दौरान कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेकां ने आतंकवाद को बढ़ावा दिया, जिसके कारण 40 हजार लोग मारे गए और 3000 दिन कर्फ्यू भी लगा, इसके अलावा हर दिन हमले, बम धमाके होते रहें।

हालांकि, जब से श्री मोदी ने सत्ता संभाली है, पथराव और गोलीबारी बंद हो गयी हैं। तीनों पार्टियां जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से जीवित करना चाहती हैं, लेकिन मैं उमर अब्दुल्ला को बताना चाहता हूं कि आप जो भी चाहें, कश्मीर की धरती से आतंकवाद को हमेशा के लिए खत्म कर दिया जाएगा। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार होने के कारण किसी में भी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की ताकत नहीं है।

श्री शाह ने कहा, मैंने राहुल और उमर को दावा करते सुना कि वे राज्य का दर्जा लाएंगे, लेकिन मैं यह स्पष्ट कर दूं कि ▶10पर

लेबनान पर जारी इजराइली हमलों के बीच भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

भारतीय नागरिक जल्द से जल्द छोड़ दें लेबनान

बेरूत, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने एक एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द लेबनान छोड़ने की सलाह दी है। वहीं उन लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने और दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है, जिन्हें गंभीर हालात के बीच लेबनान में ही रहना है। इसके अलावा भारतीय नागरिकों से अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा न करने की अपील की गई है। लेबनान पर जारी इजराइली हमले के बीच भारतीय दूतावास ने यह एडवाइजरी जारी की है। अल जजीरा की गुरुवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में अब तक 620 लोग मारे जा चुके हैं।

बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने देर रात एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि 1 अगस्त, 2024 को जारी की गई सलाह के अनुसार और क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों और तनाव को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा न करने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने कहा, लेबनान में पहले से मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को यहां से जाने की सलाह दी जाती है। जो लोग किसी भी कारण से वहां रह जाते हैं, उन्हें अत्यधिक सावधानी बरतने, अपनी गतिविधियों को सीमित रखने और बेरूत में भारतीय दूतावास से हमारी ईमेल आईडी: cons.beirutmea.gov.in या इमरजेंसी फोन नंबर +96176860128 के माध्यम से संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है।इस बीच इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला जारी रखा है। ▶10पर

जम्मू कश्मीर की धरती से योगी आदित्यनाथ ने की हुंकार

भाजपा की वापसी यानी पीओके भारत का : योगी

जम्मू, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार में उतरे। योगी आदित्यनाथ ने रामगढ़ से उम्मीदवार देविंद्र कुमार मणियाल, विजयपुर से चंद्रप्रकाश गंगा, सांबा से सुरजीत सिंह, और आरएस पुरा से डॉ. नरिंदर सिंह रैना, सुचेतगढ़ से प्रो. घारूराम भगत, बिश्नाह से भाजपा उम्मीदवार राजीव भगत को जिताने की अपील की। आरएस पुरा की रैली में सीएम योगी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना भी रहे। योगी आदित्यनाथ ने मौसम खराब होने के कारण मोबाइल से संदेश देकर छंब से भाजपा प्रत्याशी राजीव शर्मा के लिए कमल खिलाने की अपील की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भी विकास व सुरक्षा के लिए भाजपा आवश्यक है। भाजपा की वापसी पर पीओके भारत का हिस्सा बनने वाला है।

यूपी के मुख्यमंत्री की रामगढ़ और आरएस पुरा में हुई जोरदार रैलियां

सीएम योगी ने रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में कहा कि यहां भाजपा की वापसी पर पीओके भारत का हिस्सा बनने वाला है। पाकिस्तान को लोकतंत्र बचाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर अलग होने की आवाज उठा रहा है। लोग कह रहे कि जम्मू-कश्मीर के चुनाव के साथ यदि मुर्शिदाबाद में भी चुनाव होता तो अच्छा संदेश जाता। बलूचिस्तान कह रहा है कि पाकिस्तान से हमारी कमेस्ट्री मिलती ही नहीं है, क्योंकि यह मानवता का कैंसर है और दुनिया को इससे मुक्ति मिलनी चाहिए।सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन, 60 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा, जीवन ज्योति, ▶7 पर

जो राम को लाए हैं, वो आरएसपुरा आए हैं

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

आरएस पुरा की चुनावी रैली में गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहा, महाराज जी! जहां आपका आगमन हुआ है, वहां से मात्र दो किमी. दूरी पर उनका एरिया शुरू होता है, जिन्हें आप चुनौती देते हो। भाजपा के शीर्षस्थ पदाधिकारी के मुख से जैसे ही यह शब्द निकले, पूरा आरएस पुरा योगी-योगी की जयकार से गूंज उठा। चुनावी जनसभा में उमड़ा जनसैलाब योगी के अभिवादन में खड़ा हो गया। योगी को देख आह्लादित जम्मू-कश्मीर के लोग कह उठे, जो राम को लाए हैं, वो आरएसपुरा आए हैं। सीएम योगी के निशाने पर पाकिस्तान भी रहा। उन्होंने एक तरफ देश में चल रहीं भाजपा की विकास योजनाओं को गिनाया तो वहीं पाकिस्तान को रोटी के लिए लड़ने वाला भीखमंगा भी कहा। बोले मानवता के कैंसर पाकिस्तान से दुनिया को मुक्ति मिलनी चाहिए। रामगढ़ और आरएस पुरा में योगी का यह बयान पाकिस्तान के हालातों को चुनौती देता दिखा। 2017 के पहले तक यूपी की छवि किस रूप में थी, यह किसी से छिपी नहीं है। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

घरेलू हिंसा से संरक्षण कानून हर धर्म की महिला पर है लागू

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा अधिनियम पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते कहा कि घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 हर महिला पर लागू होता है। चाहे उस महिला की धार्मिक संबद्धता और सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और एन कोटिस्वर की पीठ ने कहा कि 2005 में बना कानून हर महिला के अधिकार की रक्षा करता है। शीर्ष अदालत ने भरण-पोषण और मुआवजा देने से संबंधित मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली एक महिला द्वारा दायर अपील पर फैसला सुनाया। महिला ने अधिनियम की धारा 12 के तहत एक याचिका दायर की थी। इससे पहले एक मजिस्ट्रेट ने फरवरी 2015 में महिला को 12 हजार रुपए मासिक और एक लाख रुपए मुआवजा देने के उसके पति को निर्देश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महिला के पति ने 2015 के आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी। महिला के पति ने अधिनियम की धारा 25 के तहत मजिस्ट्रेट से आदेश में परिवर्तन करने की अपील की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद महिला के पति ने अपीलीय अदालत के सामने अपनी मांग रखी। इसे अपीलीय अदालत ने स्वीकार करते हुए दोनों पक्षों को अपने साक्ष्य लाकर मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने के लिए कहा। इसके बाद महिला ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी और मजिस्ट्रेट को पति की ओर से दायर आवेदन पर विचार करने का निर्देश दिया। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33⁰
न्यूनतम : 26⁰

ठोस परिणामों पर ध्यान दें वैज्ञानिक : धनखड़

अनुसंधान एवं विकास में योगदान दिखावटी या सतही नहीं होना चाहिए

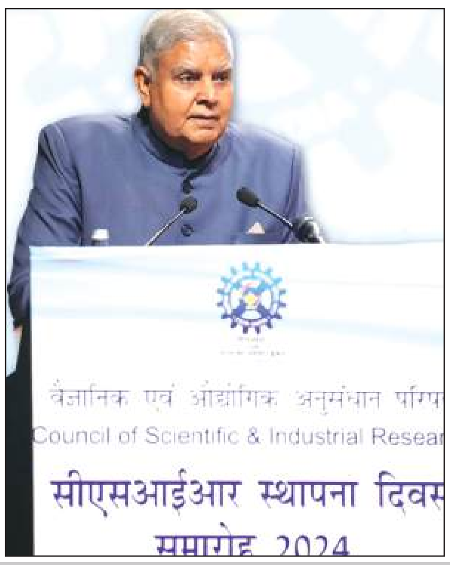

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कॉरपोरेट्स से अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि केवल वित्तीय संसाधनों की प्रतिबद्धता पर्याप्त नहीं है और किसी भी अनुसंधान का महत्व ठोस परिणामों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

श्री धनखड़ ने यहां 83वें सीए-सआईआर स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए करते हुए कहा कि अनुसंधान और विकास सॉफ्ट डिप्लोमेसी और राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि केवल वित्तीय संसाधनों पर गर्व नहीं किया जा सकता। अनुसंधान और विकास में निवेश को ठोस परिणामों से जोड़ा जाना चाहिए। श्री धनखड़ ने कहा, अनुसंधान एवं विकास में योगदान पर्याप्त होना चाहिए। परिणाम पर्याप्त होना चाहिए। दिखावटी या सतही नहीं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि अनुसंधान और विकास में निवेश स्थायी है। अनुसंधान और विकास इन दिनों सुरक्षा से इतना जुड़ गया है। यह निवेश राष्ट्र के लिए है। निवेश विकास और स्थिरता के लिए है। ▶10पर

मेरे सपनों से परे है जम्मू-कश्मीर की स्थिति

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के 83वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने 1990 में केंद्रीय मंत्री के रूप में श्रीनगर की अपनी यात्रा को याद किया, जब वे डल झील के पास एक होटल में रुके थे। उपराष्ट्रपति ने कहा, कश्मीर में सब कुछ नीरस था। इस दौरान सड़क पर 20 लोग भी नहीं दिख रहे थे। वहां निराशा और हताशा की स्थिति थी। लेकिन अब वो पर्यटकों से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा को पिछले साल बताया गया था कि दो करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए थे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वर्तमान स्थिति की तुलना 1990 के दशक से करते हुए कहा, आज देश के राज्य की स्थिति मेरे सपनों से परे है। मैंने कभी इसकी कल्पना नहीं की थी, मैंने आज के भारत की कल्पना नहीं की थी। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि 1990 का दशक ऐसा दौर था जब भारत को अपनी वित्तीय साख बनाए रखने के लिए स्विस बैंकों में अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था क्योंकि विदेशी मुद्रा भंडार 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक गिर गया था और विश्व बैंक एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी वित्तीय संस्थाओं ने सलाह के रूप में भारत को निर्देश जारी किए थे। ▶10पर

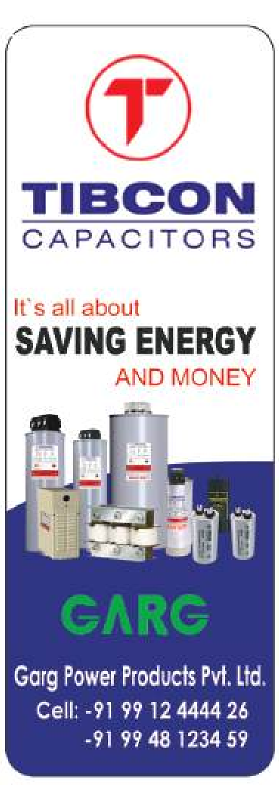

अमेरिका में फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया अज्ञात लोगों ने बीएपीएस टेंपल में की तोड़फोड़

वाशिंगटन, 26 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका में एक बार फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। इस बार कैलिफॉर्निया के सैक्रामेंटो में अज्ञात लोगों ने बीएपीएस हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की। पास की इमारत में जलापूर्ति करने वाले पाइपों को क्षतिग्रस्त कर दिया। मंदिर की दीवारों पर 'हिंदुओं वापस जाओ' के नारे लिख दिए। इस घटना से स्थानीय हिंदू और दक्षिण एशियाई समुदाय सदमे में है।

इस घटना से आहत बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने एक्स पर यह विवरण साझा किया। बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने कहा कि न्यूयॉर्क में बीएपीएस मंदिर में तोड़फोड़ के 10 दिन से भी कम समय में सैक्रामेंटो में कल रात हमारे मंदिर को हिंदू विरोधी नफरत से कलंकित किया गया। दीवारों पर लिखा गया-हिंदुओं वापस जाओ। हम नफरत के खिलाफ एकजुट हैं। शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं।

इस घटना पर सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय की टिप्पणी सामने आई है। सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा है कि बुधवार सुबह माथेर में एक हिंदू मंदिर में हुई संभावित घृणा अपराध की जांच की जा रही है। यह सब आर्मस्ट्रांग एवेन्यू के पास स्थित स्वामीनारायण मंदिर में हुआ। जांच के दौरान मंदिर के पार्किंग स्थल के प्रवेश द्वार और शामियाने पर भारत के प्रधानमंत्री के लिए अपशब्द और संदर्भित भित्तिचित्र मिले। पास की एक इमारत में पानी की आपूर्ति करने वाले पाइप भी काट दिए गए। पुलिस फिलहाल घटना में शामिल लोगों की तलाश कर रही है।

बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय का इसके लिए आभार जताया है। सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा है कि यह दुखद है। बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने कहा है कि घटना के बाद हिंदू समुदाय के लोग प्रार्थना समारोह में शामिल हुए। इस दौरान सद्भाव को बढ़ावा देने और असहिष्णुता के खिलाफ खड़े होने का संकल्प दोहराया गया।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में बस-ट्रक में टक्कर, तीन की मौत, 20 घायल

ढाका। बांग्लादेश में मानिकगंज के शिबलया उपजिला में आज सुबह ढाका-अरिचा राजमार्ग पर एक मिनी बस और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, बोरोंगाइल राजमार्ग पुलिस के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद इब्राहिम ने हादसे की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि सुबह करीब 6.30 बजे कपड़ा मजदूरों को ले जा रही मिनी बस विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गई। मिनी बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद ट्रक खाई में पलट गया। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल ले जाने के बाद दम तोड़ दिया।घायलों को इलाज के लिए शिबलया उपजिला स्वास्थ्य परिसर और मानिकगंज जिला अस्पताल ले जाया गया।

श्रीलंका के निर्वाचन आयोग ने आम चुनाव के लिए राजकोष से 11 अरब रुपए मांगे

कोलंबो। श्रीलंका के निर्वाचन आयोग ने देश के आगामी आम चुनाव कराने के लिए राजकोष से 11अरब रुपये मांगे हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार आधीरात राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने संसद को भंग करते हुए 14 नवंबर को संसदीय चुनाव कराने की घोषणा की। डेली मिरर ने खबर में निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष आरएमएलए रथनायके के हवाले से कहा कि आयोग कार्यालय ने राजकोष से आम चुनाव कराने के लिए 11 अरब रुपये की मांग की है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति को ही इस उद्देश्य के लिए राजकोष से धन का आवंटन करने का अधिकार है। हाल ही में संपन्न राष्ट्रपति चुनाव के लिए सरकार ने आयोग को 10 अरब रुपये आवंटित किए थे।

अविश्वास प्रस्ताव गिरा, ट्रूडो सरकार बच गई लेकिन संकट अभी भी बरकरार

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपनी अल्पसंख्यक लिबरल सरकार के पहले बड़े परीक्षण में

सफलता मिल गई। अविश्वास प्रस्ताव से बाल-बाल बच गए, ट्रूडो की लोकप्रियता नौ साल के कार्यकाल में काफी घट गई है। जनमत सर्वेक्षणों में बहुत आगे, टोरी नेता पियरे पोयलिवर अचानक चुनाव के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि वामपंथी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने इस महीने की शुरुआत में लिबरल के साथ गठबंधन समझौते को तोड़ दिया था, जिससे ट्रूडो सरकार के गिरने का खतरा बना हुआ है। आक्रामक पोयलिवर ने ट्रूडो की तीखी आलोचना की है। उन्हें हर मोर्चे पर विफल करार दिया है। उनके मुताबिक वर्तमान कनाडियाई पीएम बढ़ती महंगाई, आवासीय संकट और अपराध से निपटने में विफल रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय ऋण दोगुना हो गया है। पोयलिवर ने कोशिश जारी रखने की कसम खाई है, सरकार को गिराने का अगला अवसर अगले सप्ताह पेश किया जाएगा। यदि वह विफल हो जाता है, तो वर्ष के अंत से पहले उनके पास कुछ और मौके होंगे। अलगाववादी ब्लॉक क्यूबेकॉइस ने भी अक्टूबर के अंत से संसद में अपने निरंतर समर्थन के लिए सत्तारूढ़ लिबरल्स से रियायतों की मांग की है। ट्रूडो 2015 में सत्ता में आए, और 2019 और 2021 के मतपत्रों में पोयलिवर के दो पूर्ववर्तियों को हराकर सत्ता में बने रहने में सफल रहे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान ने फिर उठाया कश्मीर का मुद्दा

पीएम शहबाज शरीफ ने इजराइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

न्यूयॉर्क, 26 सितंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक वक्तव्य में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इजराइल के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की मांग की। साथ ही भारत में कश्मीर के लोगों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को रोकने और कश्मीर घाटी में आत्मनिर्णय के लिए जनमत संग्रह का आह्वान किया।

पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज की खबर के अनुसार, शहबाज शरीफ ने यह वक्तव्य संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में दिया। इस बहस का विषय 'शांति के लिए नेतृत्व' था। उन्होंने कहा कि इजराइल के खिलाफ फिलिस्तीनियों के नरसंहार जैसे कृत्य के लिए हथियार और व्यापार प्रतिबंध भी लगाए जाएं।

बेरूत में बम धमाकों के लिए इजराइल की निंदा की

उन्होंने वक्तव्य में बेरूत में हाल ही में किए गए बम विस्फोटों के लिए इजराइल की निंदा की। शरीफ ने इजरायल को गाजा में किसी भी ऐसे प्रयास को रोकना चाहिए, जो मध्य पूर्व में व्यापक संघर्ष को भड़काए। उन्होंने सुरक्षा परिषद से यूक्रेन में युद्ध विराम और संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक निष्पक्ष योजना विकसित करने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि मध्य पूर्व, यूरोप और अन्य जगहों पर बढ़ते युद्ध और बढ़ती गरीबी विश्व व्यवस्था की नींव को खतरे में डाल रहे हैं। शहबाज ने वक्तव्य में कश्मीर का भी जिक्र किया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर जम्मू-कश्मीर मुद्दे की अनदेखी का आरोप लगाया

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अब जम्मू-कश्मीर मुद्दे की अनदेखी नहीं कर सकती। यह विवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए लगातार खतरा बना हुआ है। उन्होंने सुरक्षा परिषद से कश्मीर के लोगों के मौलिक अधिकारों के बड़े पैमाने पर हो रहे उल्लंघन को रोकने और कश्मीर घाटी में जनमत संग्रह का आह्वान करते हुए अपने स्वयं के प्रस्तावों को लागू करने का आह्वान किया। शरीफ ने इस दौरान अफगानिस्तान से आतंकवादी खतरे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दाएश (आईएसआईएल-के) और फितना अल-खवारिज लगातार पाकिस्तान के लिए खतरा बने हुए हैं। उन्होंने इस समस्या से निपटने के लिए अफ्रीकी देशों और अफ्रीकी संघ के लिए सुरक्षा परिषद से सक्रिय समर्थन का आह्वान किया। साथ ही सुरक्षा परिषद से प्रमुख शक्तियों के बीच युद्ध को रोकने और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर दखल देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित नए हथियारों और प्रौद्योगिकियों पर नियंत्रण बनाने की नीति बनानी चाहिए।

दिसानायके ने देश के नाम संबोधन में कहा

श्रीलंका के राष्ट्रपति का अर्थव्यवस्था में स्थिरता पर जोर, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से करेंगे बातचीत

कोलंबो, 26 सितंबर (एजेंसियां) ।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का कहना है कि देश में इस वक्त सबसे बड़ी जरूरत अर्थव्यवस्था में स्थिरता और विश्वास स्थापित करने की है। उन्होंने इसके महत्व पर जोर देते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ तत्काल बातचीत फिर से शुरू करने की घोषणा की।

श्रीलंका के डेली मिरर की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति दिसानायके ने कार्यभार संभालने के बाद देश के नाम अपने पहले संबोधन में कल कहा कि वर्तमान अर्थव्यवस्था में स्थिरता और विश्वास हासिल करना महत्वपूर्ण है। हम अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ तत्काल बातचीत शुरू करने और विस्तारित ऋण सुविधा से संबंधित गतिविधियों को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। आवश्यक ऋण राहत सुनिश्चित करने के लिए संबंधित ऋणदाताओं से बातचीत की की जा रही है।

उन्होंने कहा कि श्रीलंका को एक ऐसी संसद की आवश्यकता है जो लोगों की इच्छा को समझ सके। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में सहयोग और समर्थन देने के लिए नागरिकों का आभार व्यक्त किया। दिसानायके ने कहा कि यह उनकी जीत नहीं सारे देश के लोगों की जीत है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी आंखों में समृद्ध राष्ट्र का सपना पल रहा है। देश टीम के रूप में मजबूत राष्ट्र का निर्माण करेगा। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में राजनीतिक संस्कृति में नकारात्मक लक्षणों को समाप्त करने पर जोर दिया। दिसानायके ने कहा कि हम सब सबसे पहले श्रीलंका के नागरिक हैं। उसके बाद सिंहली, तमिल, मुस्लिम, बर्गर या मलय। वह जरूरत पड़ने पर संवैधानिक, आर्थिक और राजनीतिक सुधारों को लागू करने में संकोच नहीं करेंगे। विविधता का सम्मान किया जाएगा। जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर विभाजन के युग को पूरी तरह से समाप्त किया जाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि वह ऐसे श्रीलंका की कल्पना कर रहे हैं, जिसमें किसी भी माता-पिता को अपने बच्चे के भविष्य के बारे में चिंता न करनी पड़े। हर माता-पिता को अपने बच्चे को गुणवत्तापूर्ण स्कूल और शिक्षा प्रदान करने का अधिकार है। वह अगली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ज्ञान, दृष्टिकोण और कौशल को बढ़ावा देकर युवा पीढ़ी के लिए आशाजनक भविष्य का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने उनका लक्ष्य एक ऐसा राष्ट्र बनाना है जहां दुनिया श्रीलंका के पासपोर्ट का सम्मान करे और हर नागरिक गर्व से कह सके, 'मैं एक श्रीलंकाई हूं'। राष्ट्रपति ने कहा, 'हमारे लोग हर दिन सूर्योदय के साथ एक ही सपना देखते हैं। वह है 'कल आज से बेहतर होगा।'

चीन ने बांग्लादेश को लुभाया

सौर पैनल संयंत्र स्थापित करने की इच्छा जताई

न्यूयॉर्क, 26 सितंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को लुभाने के लिए चीन ने बड़ा दांव खेला है। चीन ने कहा कि वह बांग्लादेश में सौर पैनल संयत्र लगाने का इच्छुक है। वह इस क्षेत्र में निवेश करने के साथ ढाका के साथ व्यापार और आर्थिक रिश्तों को और मजबूत करना चाहता है।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका से छपने वाले द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात के दौरान यह घोषणा की। वांग यी ने बांग्लादेश को पुराना मित्र बताया और उन्हें अंतरिम सरकार का नेतृत्व संभालने के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि बीजिंग दोनों देशों की कंपनियों के बीच अधिक सहयोग और साझेदारी को भी प्रोत्साहित करेगा। बांग्लादेश को कम विकसित देशों से सभी वस्तुओं पर शून्य टैरिफ की अनुमति देने के चीन के निर्णय से लाभ होगा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस ने इस मुलाकात में चीन के उद्योगपतियों से अपने कारखानों को बांग्लादेश में स्थानांतरित करने का आह्वान किया। मुख्य सलाहकार ने चीन के साथ घनिष्ठ संबंधों और दोनों देशों के बीच संबंधों में 'एक नया अध्याय' शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों की कंपनियों के बीच तकनीकी सहयोग बढ़ाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'हम चीनी कंपनियों के साथ सहयोग करना पसंद करेंगे। हमारे पास साथ मिलकर काम करने की बहुत गुंजाइश है।'

जापान में पांच दशक पुराना मौत की सजा का फैसला पलटा सामूहिक हत्या के केस में दोषी पूर्व मुक्केबाज इवाओ बरी

टोक्यो, 26 सितंबर (एजेंसियां) ।

जापान की एक अदालत ने पांच दशक से ज्यादा पुराने चार लोगों की हत्या के केस में मौत की सजा (मृत्युदंड) के फैसले को गुरुवार को पलट दिया। यह फैसला इस बहुचर्चित हत्याकांड के दोषी पूर्व मुक्केबाज इवाओ हाकामाडा के लिए सबसे बड़ी खुशी लेकर आया। शिजुओका जिला अदालत ने उन्हें बरी करने का फैसला सुनाया।

जापान टाइम्स की खबर के अनुसार, पूर्व प्रोफेशनल मुक्केबाज 88 वर्षीय इवाओ हाकामाडा को 58 साल पहले 1966 में चार लोगों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इवाओ को लगभग आधी सदी जेल में रहने के बाद शारीरिक और मानसिक जटिलता की वजह से 2014 में रिहा कर दिया गया। कुछ साल पहले टोक्यो हाई कोर्ट ने इस केस पर पुनर्विचार की अर्जी स्वीकार कर शिजुओका जिला न्यायालय को सुनवाई का आदेश दिया। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया। 2020 में शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। शिजुओका जिला न्यायालय में बरी करने के फैसले के समय 91 वर्षीय बहन हिदेको हाकामाडा अपने भाई की ओर से पेश हुईं।

जापान टाइम्स के अनुसार, जापान के न्यायिक इतिहास में इससे पहले भी चार बार मृत्युदंड के फैसले को पुनर्विचार के बाद बदला जा चुका है। अब सवाल यह है कि क्या अभियोजक ताजा फैसले के खिलाफ बड़ी अदालत में अपील करेंगे। हालांकि बचाव पक्ष ने अभियोजकों से बरी किए जाने के फैसले को चुनौती नहीं देने का आग्रह किया है।

पहरा

मैक्सको में एक अपराध वाले स्थल पर पहरा देते हुए नेशनल गार्ड।

लेबनान में इज़राइली हवाई हमलों ने ढहाया कहर

लड़ाकू विमानों ने 90 गांवों-कस्बों को निशाना बनाया, 51 की मौत

बेरूत, 26 सितंबर (एजेंसियां) ।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि लेबनान में जारी इजरायली हवाई हमलों में करीब 51 लोगों की मौत हो गई जबकि 223 लोग घायल हो गए। मंत्रालय ने बुधवार को दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में बिंट जेबिल, ऐन काना, कब्रिखा और तेबनीने सहित कई स्थानों पर हुई जनहानि की पुष्टि की। नाम न छापने की शर्त पर सैन्य सूत्रों ने बताया कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में लगभग 90 गांवों और कस्बों को निशाना बनाया।

आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि दो दिवसीय हमलों में लेबनान में 550 से अधिक लोग मारे गए हैं और लगभग 1,800 घायल हुए हैं। शिया उग्रवादी समूह के अनुसार, मंगलवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में एक आवासीय इमारत पर इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह कमांडर इब्राहिम मोहम्मद कुबैसी और पांच अन्य मारे गए थे। दक्षिणी इजरायल पर हमास के हमले के बाद 8 अक्टूबर, 2023 से इजरायल और हिजबुल्ला के बीच सीमा पार संघर्ष जारी है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया कि हिजबुल्लाह ने बुधवार सुबह तेल अवीव पर सतह से सतह पर मिसाइल दागी, जिससे शहर और आस-पास के इलाकों में सायरन बजने लगे। आईडीएफ ने कहा कि उसने डेविड स्लिंग रक्षा प्रणाली का इस्तेमाल करके

मिसाइल को रोक दिया, इसमें किसी के हताहत होने या किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। सेना ने आगे कहा कि उसने दक्षिणी लेबनान के नफाखियाह में हिजबुल्लाह लांचर को ध्वस्त कर दिया।

आईडीएफ ने एक बयान में कहा, उसने स्थितिगत आकलन के बाद इजरायल-लेबनान सीमा पर दो रिजर्व ग्राउंड ब्रिगेड को बुलाया है, साथ ही कहा कि सैनिकों को उत्तरी मोर्चे पर परिचालन गतिविधियों के लिए तैनात किया जाएगा। यह तैनाती हिजबुल्लाह के विरुद्ध संघर्ष को जारी रखने, इजरायल की रक्षा करने और उत्तरी इजरायल के निवासियों को उनके घरों में वापस लौटने के लिए परिस्थितियां बनाने में सक्षम करेगी। हिंसा में वृद्धि सोमवार और मंगलवार को इजरायली बमबारी के बाद आई, ये 2006 के बाद से लेबनान पर सबसे व्यापक इजरायली हमला है।

कांग्रेस शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता : नड्डा

अनुच्छेद 370 पर विपक्ष के रुख की निंदा की

भुवनेश्वर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार को ओड़ीशा पहुंचे। ओड़ीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और अन्य वर्ष्ठ नेताओं ने उनका राज्य में स्वागत किया। भुवनेश्वर में उन्होंने भाजपा सदस्यता अभियान को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोला। नड्डा ने कांग्रेस को शहरी नक्सलियों का प्रवक्ता बताया। इसके अलावा उन्होंने अनुच्छेद 370 और तीन तलाक व्यवस्था को खत्म करने पर कांग्रेस के रुख की भी निंदा की।

नड्डा ने कहा, कांग्रेस अब शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता बन गई है और साथ ही देश में विघटनकारी ताकतों को बढ़ावा दे रही है। दो पार्टियों की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अलग-अलग धड़ों में काम करती है, जबकि भाजपा मिलजुल कर काम करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

नड्डा ने दावा किया कि भाजपा ही एकमात्र सच्ची राष्ट्रीय पार्टी है जो लोकतांत्रिक ढंग से काम करती है। उन्होंने कहा, भाजपा एक समर्पित कैडर और अधिकतम जन अनुयायी वाली एक वैचारिक पार्टी है। भाजपा नेता ने कहा, कौन सी ऐसी पार्टी है जो विचारधारा पर चली? हमारे वामपंथी दल के साथी कहां से चले थे और कहां पहुंच गए। किससे दोस्ती की किससे दुश्मनी की समझ ही नहीं आया। आज केरल में वे आपस में नूरा कुश्ती करते हैं और दिल्ली में दोस्ती करते हैं। पश्चिम बंगाल में लड़ते हैं और दिल्ली में साथी बनकर खड़े हो जाते हैं।

अनुच्छेद 370 और तीन तलाक पर कांग्रेस के रुख की निंदा करते हुए उन्होंने कहा, ये भाजपा है जिसने भारतीय जनसंघ के नाम पर 1952 में कहा था कि एक ही देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। हमने एक लंबी यात्रा की। साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में धारा 370 को हटा दिया गया। जम्मू-कश्मीर का संविधान अलग था और भारत का संविधान अलग था। भारत के लगभग 200 कानून ऐसे थे जो जम्मू-कश्मीर की धरती पर लागू नहीं होते थे।

नेम प्लेट मामले में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया : हिमाचल सरकार

शिमला/ नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में रेहड़ी पटरी वालों को पहचान पत्र जारी करने को लेकर राज्य सरकार ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वेंडर्स के लिए नेम प्लेट सहित अन्य मामले में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार स्ट्रीट वेंडर्स नीति के संबंध में मंत्रियों तथा विधायकों की एक समिति का पहले गठन किया गया है, जिसमें राज्य सरकार के मंत्री और विधायक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को समाज के विभिन्न वर्गों से इस बारे में सुझाव भी मिले हैं और उन सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस मामले के हर पहलू पर संवेदनशीलता से विचार किया जा रहा है और फिर मंत्रिमंडल द्वारा इन सिफारिशों का गहनता से मूल्यांकन करने के बाद ही इस बारे में अन्तिम निर्णय लिया जाएगा। राज्य सरकार स्ट्रीट वेंडर्स से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और इस सन्दर्भ में कोई भी निर्णय लेने से पूर्व सभी सुझावों पर गहनता से विचार विमर्श किया जाएगा।

प्रवक्ता ने यह भी बताया कि इस संदर्भ में संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान की अध्यक्षता में कांग्रेस और भाजपा विधायकों की एक समिति का गठन किया गया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायती मंत्री अनिरुद्ध सिंह, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, विधायक अनिल शर्मा, सतपाल सती, रणधीर शर्मा और हरीश जनारथा इस समिति के सदस्य हैं। समिति इस मामले में प्रदेश सरकार को अपनी सिफारिशें देने से पूर्व विभिन्न हितधारकों के सुझावों की समीक्षा करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को दी सशर्त जमानत

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने परिवहन विभाग में कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं से संबंधित धन शोधन के एक मामले में तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका को गुरुवार को सशर्त मंजूरी दे दी।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और याचिकाकर्ता की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनने के बाद पूर्व मंत्री की जमानत याचिका मंजूर की। शीर्ष अदालत ने 12 अगस्त को मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने मुकदमे की सुनवाई में शुरू होने में देरी को आधार मानते हुए बालाजी की याचिका स्वीकार की।

मद्रास उच्च न्यायालय ने 28 फरवरी को और उससे पहले सत्र न्यायालय ने बालाजी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय में राहत नहीं मिलने के बाद उन्होंने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम नेता बालाजी को ईडी ने 14 जून 2023 को धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ तमिलनाडु परिवहन विभाग में बस कंडक्टरों, ड्राइवरों और जूनियर इंजीनियरों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं का आरोप है। ईडी ने इसी से जुड़े धनशोधन का मामला दर्ज किया था। अनियमितताओं का यह मामला कथित तौर पर 2011 से 2015 की अवधि में उनके परिवहन मंत्री के कार्यकाल के दौरान का है।

मंकीपॉक्स के लिए केंद्र ने दिए जिला स्तर पर तैयारी करने के निर्देश

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंकीपॉक्स बीमारी से निपटने के लिए राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए जिला स्तर पर तैयारी करने को कहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव अपूर्व चंद्रा ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में कहा है कि सभी सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में मंकीपॉक्स के संदिग्ध रोगियों को लेकर सतर्कता बरती जानी चाहिए और त्वचा के स्राव को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जाना चाहिए।

इस पत्र की प्रति गुरुवार को यहां जारी की गई। मंकीपॉक्स पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों का उल्लेख करते हुए पत्र में कहा गया है कि इस बीमारी से निपटने के लिए जिला स्तर पर तैयारी की जानी चाहिए। जिला अस्पतालों में मंकीपॉक्स के रोगियों के लिए अलग वार्ड बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा गया है कि बीमारी में निपटने के लिए पर्याप्त मानव बल जुटाया जाना चाहिए।

उपचार के लिए संबंधित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए और औषधि तथा उपकरणों का उपलब्ध होना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

पत्र में मुख्य सचिवों से जिला अस्पतालों की निरंतर निगरानी करने को कहा गया है। इसके अलावा इस बीमारी और इसके उपचार के संबंध में समाज में जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए और प्रत्येक संदिग्ध मामले को दर्ज किया जाना चाहिए।

श्रीनगर जिले में कम मतदान की लोगों ने गिनाई वजहें

जम्मू, 26 सितंबर (ब्यूरो)। तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद श्रीनगर जिले में हुए कल के मतदान प्रतिशत ने सबको निराश किया है। हालांकि कम मतदान के लिए जिले के वोटरों ने अलग अलग कारण गिनाए तो पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसके लिए केंद्र सरकार को दोषी करार दिया है।

श्रीनगर जिले में सबसे कम मतदान हुआ, जो कि लगभग 29.00 प्रतिशत रहा। ईदगाह विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 36.93 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि हब्बाकदल निर्वाचन क्षेत्र में जिले में सबसे कम 18.39 प्रतिशत मतदान हुआ। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि श्रीनगर में कम मतदान केंद्र सरकार द्वारा उच्च मतदान प्रतिशत की तुलना सामान्य स्थिति से करने का परिणाम है। पत्रकारों से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत उनकी अपेक्षा से कम था। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि उच्च मतदान प्रतिशत की तुलना सामान्य स्थिति से करना और इसे अनुच्छेद 370 हटाने का प्रभाव कहना केंद्र सरकार की गलती है। मुझे लगता है कि श्रीनगर में कम मतदान इसी की प्रतिक्रिया थी।

हालांकि श्रीनगर में कुछ युवाओं ने मतदान न करने का विकल्प चुना था क्योंकि उन्होंने उम्मीदवारों के प्रति अपनी निराशा और केंद्र शासित प्रदेश में चुनावी प्रक्रिया से बढ़ते मोहभंग को व्यक्त किया। अब्बास जैसे कई लोगों के लिए, जो श्रीनगर के डाउनटाउन के एक युवा हैं, मतदान न करने का निर्णय उदासीनता की भावना से आया था।

अब्बास का कहना था कि चुनाव के बाद प्रतिनिधि शायद ही वोटों की परवाह करते हैं। साथ ही, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से पहले पिछली विधानसभा की तुलना में उनके पास कम शक्ति है, मेरा मानना है कि विधायकों के कम अधिकार ने कई लोगों को दैनिक चिंताओं को दूर करने की उनकी क्षमता पर संदेह करने के लिए प्रेरित किया है। वे कहते हैं कि केंद्र शासित प्रदेश और राज्य में चुनाव दो अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने इस धारणा की ओर इशारा करते हुए कहा कि वर्तमान संरचना स्थानीय प्रभाव को सीमित करती है। श्रीनगर में किराए के मकान में रहने वाले हुसैन डार ने भी यही भावना व्यक्त की।

डार ने कहा, मैंने आकर्षक उम्मीदवारों की कमी का हवाला देते हुए अपना वोट नहीं डालने का फैसला किया और मेरे पास अपनी पसंद का उम्मीदवार नहीं था, इसलिए मुझे वोट देने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कई लोग मौजूदा राजनीतिक चर्चा से अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। हमारे निर्वाचन क्षेत्र में कोई प्रमुख चेहरा नहीं है। कश्मीर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के शोध छात्र तनवीर अहमद लोन ने कम मतदान का एक कारण लोकसभा चुनावों में मतदाताओं की थकान बताया। लोन ने कहा कि इस बार लोगों में मतदान केंद्रों पर जाने की उतनी इच्छा नहीं दिखी। वे कहते थे कि पिछले चुनावों में जो उत्साह और उम्मीद देखी गई थी, वह कम हुई है।

पर्यवेक्षकों का यह भी कहना है कि अलगाव की भावना, परिचित राजनीतिक चेहरों की वापसी और बेरोजगारी के बढ़ते मुद्दे ने कम मतदान में भारी योगदान दिया। कई नागरिकों ने निराशा व्यक्त की कि उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया, जिससे चुनावी प्रक्रिया के प्रति उदासीनता की भावना बढ़ रही है।

गौरतलब है कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद मई 2024 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र जिसमें श्रीनगर, गंदरबल, पुलवामा और बडगाम और शोपियां जिले शामिल हैं, में रिकार्ड 38.49 प्रतिशत मतदान हुआ था। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में इसी प्रतिशत 14.43 प्रतिशत मतदान हुआ था।

अबूझमाड़ के बदलने लगे हैं हालात

माड़ बचाओ अभियान से इलाके में जगी शांति की नई उम्मीद

अबूझमाड़, 26 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ का नाम सुनते ही घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों तथा वहां छिपे खतरनाक नक्सलियों का ख्याल जहां एक सिहरन पैदा करती है और जहां आम इंसान का पहुंचना मुश्किल होता है, वहां अब हालात बदलने लगे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चलाए गए माड़ बचाओ अभियान से नक्सलियों के इस गढ़ में शांति की एक नई उम्मीद जगी है। सुरक्षा बलों के लगातार अभियान से नक्सलियों को निरंतर चुनौती मिल रही है। मुख्यमंत्री स्वयं ऐसे अभियानों की निरंतर समीक्षा कर रहे हैं और हर कदम की बारीकी से निगरानी करते हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से समय-समय पर फीडबैक लेकर यह सुनिश्चित किया है कि हर अभियान नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक साबित हो। उनका उद्देश्य स्पष्ट है-नक्सल प्रभावित इलाकों को आतंक से मुक्त करके, वहां शांति और सुरक्षा का वातावरण स्थापित करना। उनका कहना है कि अबूझमाड़ और अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को पूरी तरह से मुक्त किया जाना उनकी सरकार का लक्ष्य है, ताकि यहां के लोगों को विकास और स्थिरता का अनुभव हो।

श्री साय का ध्यान केवल सुरक्षा अभियानों तक सीमित नहीं है बल्कि वह इन इलाकों में विकास कार्यों को भी अत्यधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को तेज़ी से लागू करने के लिए उन्होंने विशेष निर्देश दिये गये हैं। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह छत्तीसगढ़ में लगातार चलाये जा नक्सल विरोधी अभियान और इन क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की रिपोर्ट सीधे मुख्यमंत्री से ले रहे हैं। उन्होंने कहा है कि नक्सलियों के पास अब दो ही रास्ते बचे हैं- या तो वे आत्मसमर्पण करें या सुरक्षा बलों की कार्रवाई का सामना करें। उनका यह बयान नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने और शांति की राह अपनाने के लिए प्रेरित करने वाला है, जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा की दिशा में सकारात्मक बदलाव आ सके।

अबूझमाड़ में हाल में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता मिली है। गत 23 सितंबर को अबूझमाड़ में पराही के जंगलों में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर नक्सलियों के एक बड़े समूह को घेर लिया। सुरक्षा बलों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने को कहा लेकिन नक्सलियों ने जवाब में गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों पक्षों के बीच चली इस मुठभेड़ में तीन कुख्यात नक्सली मारे गये। इनमें एक महिला भी शामिल है। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से भारी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद किये गये, जिनमें एके-47, इंसास, एसएलआर, और बीजीएल लॉन्चर जैसे अत्याधुनिक हथियार शामिल हैं।

अबूझमाड़ की मुठभेड़ में सुरक्षा बलों की सफलता के बाद यहां के ग्रामीणों में एक नई आशा जगी है। नक्सली आतंक के साये में घिरे लोग अब अपनी आजादी और विकास की उम्मीद में जी रहे हैं। सुरक्षा बलों के इस साहसिक अभियान ने साबित कर दिया है कि नक्सलियों का अबूझमाड़ में अब टिक पाना असंभव है। पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी. ने बताया कि इस वर्ष बस्तर क्षेत्र में मुठभेड़ में ढेर 157 नक्सलियों के शव बरामद किये गये हैं और 663 को गिरफ्तार किया गया है जबकि 556 ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने दावा किया कि अबूझमाड़ में नक्सलियों की कमर टूट चुकी है और बहुत जल्द यह क्षेत्र पूरी तरह नक्सल मुक्त हो जायेगा।

प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों का हुआ सामूहिक पिंडदान

गया, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के गया में चल रहे विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला में गुरुवार को प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों सामूहिक पिंडदान किया गया।

गया शहर के विष्णुपद मोहल्ला निवासी चंदन कुमार सिंह ने प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान एवं तर्पण कर्मकांड किया। यह कर्मकांड फल्गु नदी के तट पर स्थित देवघाट पर पूरे विधि विधान के साथ किया गया। पिंडदान की प्रक्रिया स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य के द्वारा संपन्न कराई गई।श्री सिंह ने कहा ने इस मौके पर कहा, हमारे पिता सुरेश नारायण के द्वारा प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों का पिंडदान वर्ष 2001 से कराया जा रहा था। पिता जी की मृत्यु के पश्चात 2014 से प्राकृतिक आपदा, जंघन्य अपराध में मारे गए लोग या ऐसे लोग जिनका इस दुनिया में कोई नहीं है और उनकी मृत्यु हो गई है, ऐसे लोगों का हम सामूहिक पिंडदान करते आ रहे हैं। हाल के दिनों कोलकाता में जंघन्य अपराध के दौरान मारी गई महिला डॉक्टर की आत्मा के शांति लिए भी हमने तर्पण कर्मकांड किया है. आगे भी हमारा यह कार्य जारी रहेगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेगी। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें और परेशानियों का सामना होठों पर मुस्कुराहट के साथ करें। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग टैक्स चोरी करते हैं आज वो बड़ी मुसीबत में फंस सकते हैं। घर का कुछ समय से टलता आ रहा काम–काज आपका थोड़ा वक़्त ले सकता है। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। घर मे हवन का आयोजन नयी लेकर आएगा

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। प्रेम के नज़रिए से आज का दिन आपके लिए ख़ुशियों से भरा रहेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। वक्त पर चलने के साथ–साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी सेहत का खयाल करें। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जीवन–साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। किसी बुजुर्ग रिश्तेदार की निजी समस्याओं में मदद करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

किसी भी तरह के द्वन्द्व या विरोध से बचें, क्योंकि आपकी सेहत पर इसका बुरा असर होगा। आज आपको भूमि, रिअल–एस्टेट परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरूर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फायदेमंद होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रिय आपसे वादे की मांग करेगा, लेकिन ऐसा वादा न करें जिसे आप पूरा न कर सकें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने हमदम के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। घर में पड़ी कोई पुरानी वस्तु आज आपको मिल सकती है जिससे आपको अपने बचपन के दिनों की याद सता सकती है और आप उदासी के साथ अपने दिन का काफी समय अकेले बिता सकते हैं। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाख़िला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। बोलते समय और वित्तीय लेन–देन करते समय सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 27 सितंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी दोपहर 01:23 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 01:21 तक
योग : शिव रात्रि 11:32 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:23 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:12 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:04 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:59 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दशमी श्राद्ध , गण्डमूल रात्रि 01:22 से,
भद्रा दोपहर 01:21 तक

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर चल रही है भाजपा सरकार : यादव

चंडीगढ़, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भगवान राम और श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर चल रही है। भाजपा सनातन को बढ़ावा देने का कार्य करती है।

भाजपा की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार डॉ. यादव आज हरियाणा के दारदी, भिवानी और बवानी खेरा विधानसभाओं में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर चल रही है। भाजपा सनातन को बढ़ावा देने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि सनातन के मार्ग पर चलते हुए से गरीब व्यक्ति को भी भाजपा ने गले लगाया है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर बनाने के लिए हमारे पूर्वजों ने करीब 500 सालों तक संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वाली कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं को जनता माफ करने वाली नहीं है। देश का इकलौता राज्य है, जिसका नाम भगवान श्रीहरि के नाम पर ही है। इसी हरियाणा की धरती पर भगवान श्रीकृष्ण ने करीब 5 हजार साल पहले देश–दुनिया को श्रीमद् भगवत गीता का उपदेश देकर धर्म के मार्ग पर चलने और कर्तव्यपथ पर डटे रहने का रास्ता दिखाया। भगवान का भव्य मंदिर बन गया है, जबकि मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण के भव्य मंदिर के लिए इस बार भाजपा को वोट देना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम करने का एक–एक तरीका भारत की कीर्ति व प्रसिद्धि को बढ़ाने वाला है। कांग्रेस के शासनकाल में कोई मेहमान आते थे तो उन्हें ताजमहल दिखाने ले जाते थे। लेकिन श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अब कोई भी विदेशी मेहमान आता है तो उन्हें मंदिरों के दर्शन कराया जाता है और गीता भेंट की जाती है। यह है हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बदलते हुए भारत परिदृश्य। भाजपा सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं में बहनों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। 24 लाख गरीब बहनों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन, 50 लाख बहनों को हम गैस की टंकी केवल 450 में ही दे रहे हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में जम्मू–कश्मीर में चरम पर था। हमारे वीर सैनिकों के सिर पाकिस्तानी आतंकवादी काटकर ले जाते थे, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी के बागडोर संभालने के बाद आतंकवाद पर नकेल कस गई है। हरियाणा की धरती शहीदों के कारण भी जानी जाती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हरियाणा की राह पर तेजी से अग्रसर होता रहे, इसके लिए मतदाता भाई–बहनें फिर से भाजपा की सरकार बनाने के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान करें। हरियाणा में 24 फसलों की एमएसपी की अलग–अलग प्रकार से खरीद की जा रही है। भाजपा की सरकार बनाएं, 2 लाख युवाओं को रोजगार देने साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 5 लाख नए मकान उपलब्ध कराएंगे। अलग से ओलंपिक खेलों की नर्सरी बनाई जाएगी। 10000 एकड़ में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अरावली जंगल सफारी पार्क भी बना कर दिखाएंगे। हर जिले में एक विश्ववकर्मा महाविद्यालय स्थापित करेंगे जो श्री विश्ववकर्मा कौशल महाविद्यालय के नाम जाना जाएगा। हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश में तय किया है कि जहां–जहां भगवान श्री कृष्ण ने लीलाएं की है उन सभी स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करेंगे। पशुपालन को प्रोत्साहन देकर दुग्ध उत्पादन भी बढ़ाएंगे।

मोदी ने जनता से किए वादों को किया समय पर पूरा : भजनलाल

करनाल/इंद्री, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कांग्रेस पर जनता से किए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता से किए वादों को समय पर पूरा किया है और हरियाणा और देश में जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में सरकार बनने से किसानों की दिशा और दशा बदली है। श्री शर्मा गुरूवार को हरियाणा के इंद्री विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी रामकुमार कश्यप के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा कांग्रेस की सरकार ने किसानों को ठगने का कार्य किया। उनकी बेशकीमती जमीनों को सस्ती दरों पर खरीद कर दो रुपए तक के चैक बांटे गए। जब 2014 में हरियाणा और देश में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनी, तब से किसानों की दिशा और दशा बदल गई है। कहा कि श्री मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही सबसे पहले किसान सम्मान निधि की किश्त जारी करने की फाइल साइन की थी। यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री किसान वर्ग के कल्याण के लिए कितने गंभीर एवं संवेदनशील है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चुनाव में लुभावने वादे करके जनता को ठगने का काम करती है। इस पार्टी के पिछले कई घो–षणा पत्रों को देखने से यही पता चलता है कि 40 वर्ष पहले की गई घोषणाएं अभी भी उनके घोषणा पत्र में शामिल की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता इन्दिरा राजीव गांधी, पी.वी नरसिम्हा राव के जमाने से सोनिया गांधी, राहुल गांधी तक सभी गरीबी हटाओं जैसी घो–षणाएं करते आ रहे हैं लेकिन इनका गरीबों से कभी कोई वास्ता नहीं रहा। वास्तविकता में श्री मोदी ने ही गरीब कल्याण की दिशा में कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि श्री ने वर्ष 2014 और 2019 में किए गए वादों को समय पर पूरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की सरकार ने गत नौ महीनों में संकल्प पत्र के 50 प्रतिशत वादों को पूरा कर लिया है। मुख्यमंत्री ने दावा करते हुए कहा कि इस बार हरियाणा में भाजपा बार जीत का परचम लहराते हुए हैट्रिक करने जा रही है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी श्री कश्यप को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की।

पांच लाख रुपए की रिश्वत लेते अधिकारी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो, करनाल की टीम ने गुरुवार को आयुष्मान भारत योजना, पंचकूला के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ रवि विमल को पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

ब्यूरो ने बताया कि ब्यूरो करनाल की टीम को इस बारे में शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें करनाल जिले में निजी अस्पताल के संचालक शिकायतकर्ता ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत उसके अस्पताल की सूचीबद्धता के निलंबन को रद्द करने के मामले में आरोपी द्वारा 10 लाख रुपये की की मांग की गयी थी। बाद में मामला पांच लाख रुपये पर तय हुआ। मामले की पुष्टि करते हुये एसीबी करनाल की टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिये योजना बनायी और उसे रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस ने समाज के लोगों को बांटने का काम किया

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हरियाणा में प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

कैथल/अंबाला, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव में कैथल और अंबाला में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। दिया कुमारी ने अपने दो दिवसीय चुनावी दौरे के शुरुआत में कैथल के सैनी भवन में भाजपा उम्मीदवार लीलाराम के पक्ष में एक महिला सम्मेलन को संबोधित किया और फिर पाडला में राजपूत समाज के लोगो से मुलाक़ात की। दोपहर में उपमुख्यमंत्री ने मुलाना से भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के पक्ष में वोट मांगे। इसके बाद उन्होंने अंबाला शहर के क्षत्रिय समाज प्रबुधजन से जनसंपर्क किया और भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के समर्थन में एक सभा को संबोधित किया।

कैथल में महिला शक्ति सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आधी आबादी रखने वाले महिला वर्ग के उत्थान एवं सम्मान के लिए अनेकों ऐतिहासिक कार्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम, प्रसवकालीन अवकाश, सेना में अवसर, लखपति दीदी, आंगनबाड़ी अपग्रेडेशन जैसे कई निर्णय केन्द्र सरकार ने किये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सभी फ्लैगशिप योजनाओं को सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को मिला है।दिया कुमारी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि संवैधानिक पद रहते हुए भी उसके नेता राहुल गांधी द्वारा विदेश में जाकर समाज को बांटने के लिए गलत बयानबाजी की गई जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है वहीं आम आदमी पार्टी के मंत्री और मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में जेलों में है या जमानत पर है।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह से अपील की कहा कि हरियाणा में विकास का क्रम आगे भी चलता रहे इसके लिए तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार बननी चाहिए। मुलाना में भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने किसानों, सैनिकों, महिलाओं और युवाओ के कल्याण की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की कड़ी से कड़ी जुड़ने से ही सही मायने में विकास संभव है। उन्होंने अंबाला शहर से भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के पक्ष में क्षत्रिय समाज के प्रबुद्धजन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेतृत्व देश की सीमाएँ सुरक्षित हुई है और सेना सशक्त हुई है। हमारे खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक और पैरा–ओलंपिक ने शानदार प्रदर्शन किया है।

मुख्यमंत्री चेहरे का नाम नहीं जाति ही बता दें राहुल गांधी : सुधांशु त्रिवेदी

जातिगत गणना पर कांग्रेस के दोहरे मापदंड

रोहतक, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के रोहतक में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती दी है वे कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे का नाम नहीं, केवल जाति बता दें। साथ ही बताएं प्रदेश में अब तक कितने ओबीसी मुख्यमंत्री बनाएं। सुधांशु ने कहा कि राहुल गांधी जवाब नहीं देंगे, क्योंकि जातिगत गणना पर उनके दोहरे मापदंड हैं। त्रिवेदी गुरुवार को रोहतक स्थित भाजपा के प्रदेश मीडिया में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। साथ में प्रदेश प्रवक्ता केके शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी व सह मीडिया प्रभारी शमशेर खरक भी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सवाल पूछते हैं कि प्रदेश सरकार ने कितने ओबीसी सचिव बनाए, लेकिन सचिव यूपीएससी की परीक्षा पास के बाद बनता है। इतना ही नहीं, राहुल गांधी बार–बार जातिगत गणना की मांग करते हैं, लेकिन हिमाचल में अब तक सर्वे नहीं करवाया। कनार्टक में सर्वे करवा दिया, लेकिन उसे जारी नहीं किया जा रहा है। एक तरह से कांग्रेस केवल राजनीति करती है। सुधांशु त्रिवेद ने कांग्रेस सात गारंटी के विरोध में कहा कि मेरिट के आधार पर नौकरी न मिलना, कांग्रेस नेताओं का अपना–अपना घर भरना, मिर्चपुर व गोहाना कांड जैसे कांड दोबारा होना, नूंह का बदला लेना, कानून व्यवस्था खराब होना, वायदे पूरे न करना व किसानों की बदहाली की गारंटी एक तरह से दे रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ जांच जारी है। भाजपा किसी तरह की न्यायिक प्रक्रिया में दखल नहीं देती। साथ ही त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस दोहरे मापदंड अपनाती है। अगर किसी को गिरफ्तार किया जाए तो कहा जाता है कि ईडी व सीबीआई पर दबाव बनाकर कार्रवाई करवा रही है। कार्रवाई न हो तो कहा जाता है कि जानबूझ कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके अलावा 2014 से पहले कई नेताओं के खिलाफ केस दर्ज हुए, लेकिन भाजपा राज के केस ही गिनवाती है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा करनाल के असंध में राहुल गांधी ने अमेरिका से लौटते ही रैली करके अपने मन की बात कह दी। क्योंकि असंध से कांग्रेस प्रत्याशी शमशेर सिंह गोगी ने कहा था कि पहले अपने घर भरेंगे, फिर रिश्तेदारों व समर्थकों के। उसी जगह राहुल ने रैली करके साबित कर दिया कांग्रेस पर्ची–खर्ची व भ्रष्टाचार को बढ़ावा देगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी नहीं चाहते कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा बड़े नेता बन जाएं। रणदीप सुरजेवाला को इसलिए मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाते कि कोई युवा नेता आगे न बढ़ जाए और कुमारी सैलजा को आगे नहीं बढ़ाते क्योंकि वे दलित नेता हैं।

मोदी ने अग्निवीरों की पेंशन छीनकर अडाणी–अंबानी को दी: राहुल गांधी

बरवाला/हिसार, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत संविधान को खत्म करना चाहती है और वह संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

श्री गांधी ने यहां विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार सिर्फ उद्योगपति गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी के फायदे के लिये काम करने वाली सरकार है। इसका आम लोगों से लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नौकरियों में निजीकरण करके देश से रोजगार को खत्म करने का काम किया है। देश से रोजगार खत्म करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गौतम अडाणी, मुकेश अंबानी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अग्निवीरों की पेंशन खत्म करके अडाणी–अंबानी को दे दी है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार ने नोटबंदी करके छोटे रोजगार खत्म कर दिये, वहीं बड़े पूंजीपतियों को तब भी फायदा पहुंचाया। वैसी ही कोरोना काल में छोटे व्यापारियों की मदद न करके पूंजीपतियों की मदद श्री गांधी ने रैली में संबोधन की शुरुआत करते हुये कहा कि सामान्य तौर पर बब्बर शेर अकेला

दिखता है, यहां पर हजारों टाइगर बैठे हुये हैं। उन्होंने कहा, श्री मोदी का चेहरा आजकल देखिये, पहले उनकी 56 इंच की छाती हुआ करती थी। मोदी कहते हैं कि वह बॉयोलॉजिकल हैं, उनका भगवान से सीधा रिश्ता है। वह घबरा गये हैं, तभी उल्टी सीधी बात बोल रहे हैं। आजकल यही कहते फिर रहे हैं, सब लोग बॉयोलॉजिकल, नरेन्द्र मोदी नॉन बॉयोलॉजिकल है।

श्री गांधी ने कहा, श्री मोदी ने अग्निवीरों की पेंशन छीनकर पूंजीपतियों गौतम अडाणी और मुकेश को दे ही है। पहले आपको याद है, वन रैंक वन पेंशन हुआ। अफसरों की जेब में पैसा गया। थोड़ा पैसा उधर गया। अडाणी को हथियार खरीदवाते हैं, अब इन्हें ये भी चिंता हो गयी, कि जवानों को पेंशन भी देनी है। तो ये अग्निवीर लेकर आ गये। अडाणी नहीं बनाता, वह इजरायल से हथियार लेता है। इन विदेशी हथियारों पर लेवल अडाणी का ठप्पा लगता है। अग्निवीर को न पेंशन मिलेगी, न शहीद का दर्जा मिलेगा। अब सोचो हिंदुस्तान का क्या होगा। इसका नाम सिर्फ अग्निवीर है, इसका सच्चा मतलब जवानों की पेंशन, शहीद का दर्जा छीन गया है।उन्होंने कहा, हिंदुस्तान की सरकार चलाने वाले 90 लोग हैं। उसमें सिर्फ तीन दलित हैं जबकि 45 होने चाहिये। यह लड़ाई हरियाणा नहीं, बल्कि हिंदुस्तान और संविधान को बचाने की है। भाजपा ने सारी संस्थाओं को कुचल कर रख दिया।

पूरा कंट्रोल नागपुर का है। कांग्रेस नेता कहा, मैं आपको शुरुआत की बात कर रहा हूं, कि पहला कदम महिलाओं को 2000 रुपये हर महीने, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, दूसरा कदम दो लाख सरकारी नौकरी और किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी हरियाणा की सरकार देगी।

अक्टूबर में होंगे 7 बड़े राशि परिवर्तन शनि और मंगल ग्रह भी बदलेंगे चाल

राशियों पर होगा असर

ज्योतिष विज्ञान में हर राशि परिवर्तन पर पैनी नजर जाती है, क्योंकि इसका असर हर राशि पर होता है। कुछ जातकों को फायदा होता है तो कुछ को सजग रहने की जरूरत होती है। अक्टूबर में होने वाले ग्रहों के राशि परिवर्तन के बारे में इंदौर के ज्योतिषाचार्य पं. हर्षित मोहन शुक्ला ने बताया कि न्याय के देवता का राशि परिवर्तन 03 अक्टूबर को होगा। उस दिन दोपहर 12 बजकर 13 मिनट पर शनि शतभिषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे।

इस राशि परिवर्तन से कुंभ राशि के जातकों को लाभ होगा। जो लोग उच्च शिक्षा में प्रयास कर रहे हैं, उन्हें सफलता मिलेगी। शनि देव इस स्थिति में दिसंबर की प्रातः तक रहेंगे। फिर वापस पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में चले जाएंगे।

9 अक्टूबर को मिथुन में वक्री होंगे गुरु

09 अक्टूबर को गुरु गृह मिथुन राशि में वक्री होने जा रहे हैं। यह राशि परिवर्तन प्रातः 09 बजकर 55 मिनट होगा। इस गोचर का विपरित असर मेष, मिथुन, धनु राशि वालों पर पड़ सकता है।

इस अवधि में ये लोग नकारात्मक ऊर्जा से ग्रसित हो सकते हैं। साथ ही इस समय में गलत निर्णय ले सकते हैं जिससे भविष्य में हानि होगी। शनि देव को प्रसन्न करने के उपाय करें।

10 अक्टूबर को बुध का तुला राशि गोचर

दिनांक 10 अक्टूबर को बुध ग्रह तुला राशि में प्रवेश करेंगे। यह राशि परिवर्तन सुबह 11 बजकर 13 मिनट पर होगा। इससे तुला राशि वालों को लाभ होगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। बिजनेस में उठाया गया हर कदम सफल होगा।

13 अक्टूबर को शुक्र का वृश्चिक राशि गोचर

13 अक्टूबर को शुक्र ग्रह वृश्चिक राशि में गोचर करने जा रहे हैं। यह राशि परिवर्तन प्रातः 06 बजकर 13 मिनट पर होगा। यह स्थिति मेष और वृश्चिक राशि वालों के लिए फायदेमंद साबित होगी। आर्थिक स्थिति पैदा होने से जीवन स्तर सुधरेगा।

17 अक्टूबर को सूर्य का राशि में प्रवेश

दिनांक 17 अक्टूबर को ग्रहों के राजा सूर्य तुला राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। यह राशि परिवर्तन प्रातः 07 बजकर 47 मिनट पर होगा। तुला राशि सूर्य की नीच राशि में आती है। यह गोचर जातक के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

तुला राशि इस अवधि में सतर्क रहें। उन पर गलत आरोप लग सकता हैं। अच्छाई के बदले अपयश मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर भी यह समय अच्छा नहीं है।

20 अक्टूबर को मंगल का कर्क राशि में गोचर

दिनांक 20 अक्टूबर को ग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह कर्क राशि में करेंगे। यह राशि परिवर्तन दोपहर के 02 बजकर 50 मिनट पर होगा। कर्क राशि मंगल ग्रह की नीच राशि है। यह गोचर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

इस दौरान कर्क राशि वाले अपनी सेहत को लेकर परेशान रह सकते हैं। मन में तनाव रहेगा। परिवार में अशांति बनी रहेगी। इस कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें।

29 अक्टूबर को वृश्चिक में प्रवेश करेंगे बुध

दिनांक 29 अक्टूबर को राजकुमार बुध ग्रह मंगल की राशि वृश्चिक में प्रवेश करेंगे। यह राशि परिवर्तन वृश्चिक राशि वालों पर विपरीत असर डालेगा, खासतौर पर आर्थिक रूप से। इस दौरान बिजनेस के सिलसिले में जाना पड़ सकता है।

व्यापार विस्तार के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। वृश्चिक राशि के अलावा यह गोचर मिथुन, कन्या, मकर राशि के लिए भी लाभदायक रहने वाला है।

अजवाइन का पौधा घर में लगाकर देखें

जान लीजिए परिणाम होंगे शुभ या अशुभ

वास्तु शास्त्र का सीधा संबंध हमारी जीवन शैली से होता है। हम घर में सजावट के लिए किन वस्तुओं को कहां कैसे रख रहे हैं, उसका भी हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। वास्तु के अनुसार घर में कई पौधों को लगाना शुभ माना गया है। रहने से हमारे जीवन से बहुत सारी मुश्किलों का अंत हो जाता है। साथ ही घर-परिवार में सुख शांति का वास रहता है। ऐसा ही एक पौधा है अजवाइन का। इसे काफी गुणी माना गया है। आइये जानते हैं कि घर में अजवाइन का पौधा लगाने से क्या लाभ हैं।

दरिद्रता मिटती है

अगर किसी के जीवन में आर्थिक संकट चल रहा है और पैसों की तंगी के चलते जीना मुश्किल हो रहा है तो घर में अजवाइन का पौधा जरूर लगाना चाहिये। वास्तु का कहना है कि ऐसा करने से घर का आर्थिक संकट दूर हो जाता इससे धन लाभ होता है। यह अपने आप मे एक बढ़िया और कारगर उपाय है।

शुद्धिकरण होता है

अजवाइन का पौधा लगाने से घर का वातावरण शुद्ध और साफ-सुथरा हो जाता है। घर में शांति भी कायम रहती है और परिजनों के बीच आपसी तालमेल बना रहता है। उत्साह सकारात्मतकता का संचार होता है।

किस दिशा में लगाना चाहिए

अगर आप अजवाइन के पौधे को उत्तर पश्चिम या दक्षिण पूर्व दिशा में लगाते हैं तो आपको इसके बहुत सकारात्मक और कारगर परिणाम दिखाई देंगे। घर में अगर कोई वास्तु दोष है तो वह भी दूर हो जाएगा। साथ लाभ की भी प्राप्ति होगी।

संबंधों में सुधार

किसी घर के सदस्यों की आपस में नहीं बनती है या ज्यादा मतभेद के चलते अक्सर गृह क्लेश बना रहता है तो उन्हें अजवाइन का पौधा लगाकर देखना चाहिये। ऐसा करने से घर में आपसी सौहार्द्र कायम रहता है।

अटके काम पूरे

अजवाइन का पौधा लगाने का एक बड़ा लाभ यह भी है कि आपके रुके हुए काम पूरे हो जाते हैं। अगर पढ़ाई में, बिजनेस में, नौकरी में या रिश्तेदारी में कोई प्रोजेक्ट, प्रस्ताव अटका हुआ है तो वह पूरा हो जाएगा।

परेशानियों का अंत

जीवन में अगर लगातार ना कुछ समस्या बनी हुई है तो घर में अजवाइन का पौधा लगाकर देखिये। आपकी सारी मुश्किलों का अंत हो जाएगा।

श्रीश्रीश्री 1008 विजय शान्ति सूरीश्वरजी की 81वीं पुण्यतिथि पर विशेष

जाकी रही श्रद्धा जैसी, गुरु मूरत तिन देखी

सात समन्दर मसि करूं, कलम क रुं वनराई।
धरती का कागद करूं, गुरु गुण समा न पाई।

परम पूज्य गुरुदेव भगवान श्री विजय शान्ति सूरीश्वरजी भगवंत् को सारा विश्व जानता है। आप समस्त विश्व में मान्य है। श्री गुरुदेव भगवान के नाम से भारत में अनेक मंदिर, कन्या पाठशालाएं, विद्यालय, महाविद्यालय अनेक संस्थायें, आयुर्वेदिक अस्पताल तथा पशु चिकित्सालय हैं। आपने अपने समय में यानि सन् 1943 से पूर्व माउण्ट आबू में पशु चिकित्सालय बनवा कर सरकार को सुपुर्द कर दिया। जो आज भी गुरु श्री शान्ति पशु चिकित्सालय, माउण्ट आबू के नाम से जाना जाता है तथा संभवतया वह अस्पताल राजस्थान का पहला पशु चिकित्सालय है।

आपकी जन्म शताब्दी माघ शुक्ला 5 सं. 1946 दि. 25-1-1890 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। आपकी दीक्षा शताब्दी दिनांक 9-2-1905 में श्री तीर्थविजय जी म.सा. के वरदहस्ते हुई।

आबू के के पहाड़ों, गिरी कन्दराओं, तलहटी ऋषिकेश और और मार्कण्डेश्वर आदि में आपने तपस्या की तथा मौनपूर्वक ध्यान किया। आपको राजपूताना, सौराष्ट्र, गुजरात के राजा महाराजा तथा पालनपुर, पालीताणा के नवाब आदि भी मानते थे। आपने कई धार्मिक एवं सामाजिक सुधार किये। पारसी, ईसाई, एवं हिन्दू धर्म के कई सन्त महात्मा गुरुदेव से सत्संग करते तथा मार्ग दर्शन पाते थे।

परम गुरुभक्त सेठ किशन चन्द ने भी नारायण स्वरूप में पंडित माणकलाल व्यास ने शिव स्वरूप बाबू फकीर चंद ने

भगवान दत्तात्रेय स्वरूप में, घनकौर माजी ने स्वानीनारायण स्वरूप में कई भक्तों ने अपने धर्मावतार के स्वरूप में दर्शन किये।

जाकी रही श्रद्धा जैसी, गुरु मूरत तीन देखी

गुरुदेव ने विश्व के कल्याण के लिए अथक प्रयत्न किये। कई राजा-महाराजाओं ने अपने-अपने राज्यों में गौ वध, हिंसा बंद करवाई, गुरुदेव की प्रेरणा से पांच लाख प्राणियों को अभयदान मिला और जीव हत्या बंद हुई।

गुरुदेव की प्रेरणा से कई विषयों पर 1)आरोग्य - अनिवार्य खर्च, 2) मृत्युभोज न करना, 3) बाल विवाह, 4) स्त्री शिक्षा, 5) गुरुकुल, 6) समाज सुधार ऐसे कई विषयों पर निर्णय लिया गया। आबू में आपके पास बड़े-बड़े अंग्रेज अधिकारीगण आपके दर्शन को आया करते थे। आप सबकी भाषा समझते थे। आपके नयनों में अद्भुत शांति व तारक बिन्दु की चमक है। गुरुदेवू भगवान ने कई जगह गो माता की बलि बंद करवाई। हाथी दांत के चूडा नहीं पहनना चाहिए, इसमें हिसां होती है। शादी में बेटी से पैसा लेना गौ वध के बराबर है बताया। गुरुदेव का देवलोक गमन अचलगढ़ में विं स. दिनांक 2000 अश्विन कृष्ण पक्ष 10 गुरुवार दि. 23-9-1943 को हुआ। गुरुदेव ने 54 वर्ष की आयु पूर्ण कर ॐ श्री सद्गुरु देवाय नमः शब्द का उच्चारण करते हुए वीर-गति को प्राप्त हुए।

आबु पर्वत गुरुजी, गजायो तुमे।
प्रेम सागर जगतमां, बहायो तमे ॥
आत्म ज्योति नो दीपक जगायो तमे ॥

गुरुदेव अंतिम समय में भक्तों से कहते थे कि विदेह अनुभव करना है। देह की अवस्था से मैं भिन्न हूं। मन, वचन, काया को कुदरत चलाता है। प्रतिष्ठित आत्मा मूल आत्मा से भिन्न है। पूर्व जन्म के संस्कारों के अनुसार इस जन्म में भुगतान हो रहा है। उस भुगतान के साथ हमें जुड़ना नहीं है। यह जानकर हम इससे मुक्त हो सकते हैं। यह जगत तब तक है जब तक प्रतिष्ठित आत्मा है। जैसे ही यह शुद्धात्मा में बदल जाता है, वैसे ही सोहम की अनुभूति होने लगती है। यह जगत ब्रहाम्य हो जाता है।

■ उषा जैन बरलोटा
फ़ोन :9700980623

थाली में क्यों नहीं परोसनी चाहिए 3 रोटी, जान लीजिए कारण

हिंदू धर्म में भोजन भी एक संस्कार माना है। भोजन बनाने, परोसने, ग्रहण करने और वितरित करने के सबके अपने तरीके हैं। ऐसा ही एक विषय है भोजन परोसना। अक्सर इस पर बात होती है कि थाली में भोजन कैसे परोसा जाना चाहिये और कितना परोसा जाना चाहिये। क्या आपको पता है कि थाली में एक साथ रोटी परोसने को शुभ नहीं माना गया है। इसे लेकर कुछ कारण भी बताए गए हैं। आइये समझते हैं कि थाली में एक साथ तीन रोटी क्यों नहीं परोसी जाना चाहिये।

मृतक की थाली में रखी जाती हैं 3 रोटियां

तीन अंक को वैसे भी अशुभ माना जाता है। में इस अंक का उपयोग करना ठीक नहीं माना गया है। इसलिए थाली में एक बार में तीन रोटियों को परोसना अनुचित माना जाता है। जब किसी मृतक की तेरहवीं की जाती है तो उसके नाम जो थाली लगाई जाती है उसमें या तो तीन रोटियां रखी जाती हैं तीन पूरी रखी जाती हैं। ऐसे में तीन रोटियों को मृतक की थाली माना गया है। यही कारण है कि सामान्य दिनों में भोजन करते समय किसी की भी थाली में एक साथ तीन रोटियां परोसने की मनाही है।

तीन रोटियां ना परोसे जाने का

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

अब इसी को वैज्ञानिक नज़रिये से भी देख लेते हैं। जहां तक चिकित्सा शास्त्र की बात है, यह माना गया है कि एक बार में अधिक मात्रा में भोजन नहीं करना चाहिये। एक ही बार में तीन रोटियां देने से आहार की मात्रा बढ़ सकती है। इसकी बजाय एक आदमी को बार में एक कटोर दाल, एक कटोरी सब्जी, दो रोटी और थोड़े से चावल ही खाना चाहिये। इससे अधिक भोजन करने पर व्याधियां उत्पन्न हो सकती हैं।

बढ़ जाते हैं विवाद

थाली में तीन रोटी परोस देने से जो इंसान भोजन करता है उसके मन में विवाद संबंधी विचार लगते हैं। उसका मन सही दिशा में नहीं सोच पाता। ऐसे में झगड़ों से बचने के लिए और नकारात्मकता को दूर करने के लिए थाली में एक साथ तीन रोटी नहीं लेना चाहिये।

नवरात्र में शक्तिपीठों और प्रमुख मंदिरों में जलेगी देवभोग घी की ज्योति, बनेगा प्रसाद

छत्तीसगढ़ के और प्रमुख मंदिरों में शारदीय नवरात्र में ज्योति प्रज्वलन तथा प्रसाद बनाने के लिए देवभोग घी का उपयोग किया जाएगा। देवभोग छत्तीसगढ़ की 700 दुग्ध सहकारी समितियों से संबद्ध है। आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी वाले घी के उपयोग के से मचे बवाल के बीच राज्य शासन ने देवभोग घी के इस्तेमाल का परामर्श दिया है। पशुधन विकास विभाग और कृषि उत्पादन आयुक्त ने इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखा है।

9,030 रुपये में 16.48 लीटर घी

कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा गया है प्रमुख शक्तिपीठों व मंदिरों में ज्योति प्रज्वलन व प्रसाद निर्माण के लिए अब शुद्ध देवभोग घी की आपूर्ति की जाएगी। शक्तिपीठों तक देवभोग घी के 16 किलो (16.48 लीटर) के जार को पहुंचाने की दर 9,030 रूपये स्वीकृत की गई है। इसमें 12 प्रतिशत जीएसटी भी शामिल है। प्रदेश पांच प्रमुख शक्तिपीठ रतनपुर में महामाया, चंद्रपुर में चंद्रहासनी, डोंगरगढ़ में बम्लेश्वरी, दंतेवाड़ा में दंतेश्वरी देवी और अंबिकापुर में महामाया हैं।

देवभोग घी को प्रोत्साहित करना उद्देश्य

नवरात्रि में प्रमुख शक्तिपीठों और प्रमुख मंदिरों में देवभोग घी के उपयोग को लेकर सभी जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखकर परामर्श गया है। इसका मुख्य उद्देश्य देवभोग घी को प्रोत्साहित करना है।

महाकाल के भक्तों को नहीं मिल रहा तिलक, प्रसाद का लाभ

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में देश-विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को तिलक, प्रसाद का लाभ नहीं मिल पा रहा है। भक्त भगवान महाकाल की भस्म प्रसादी से वंचित हैं। यह योजना कई दिनों से बंद पड़ी है। महाकाल मंदिर में कुछ समय पहले तक महाकाल दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों को मंदिर समिति की ओर से तिलक लगाया जाता था। साथ ही चिरोंजी तथा भगवान महाकाल को भस्म आरती में अर्पित की जाने वाले भस्म को रूप में वितरित की जाती है।मंदिर समिति ने भक्तों को तिलक लगाने तथा प्रसाद वितरित करने के लिए नंदी मंडपम के रैंप पर एक काउंटर लगा रखा था। इसे तिलक प्रसाद काउंटर कहा जाता था।मंदिर प्रशासन द्वारा इस काउंटर पर 8-8 घंटे की शिफ्ट में कर्मचारी की लगाई जाती

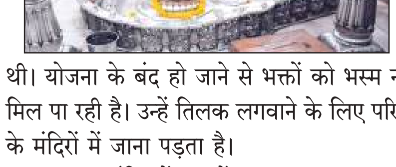

थी। योजना के बंद हो जाने से भक्तों को भस्म नहीं मिल पा रही है। उन्हें तिलक लगवाने के लिए परिसर के मंदिरों में जाना पड़ता है।

महाकाल मंदिर में हजारों भक्त भगवान महाकाल के दर्शन करने हैं। दर्शनार्थी मंदिर के बाहर लगी दुकानों से भगवान को अर्पण करने के लिए फूल और प्रसाद खरीदते हैं।दुकानदार फूल-प्रसाद की डलिया में चिरोंजी के दो पैकेट रखकर देते हैं। श्रद्धालुओं को बताया जाता है कि एक पैकेट भगवान को चढ़ाया जाएगा। दूसरा पैकेट आपको प्रसाद के रूप मिलेगा। मंदिर में होता भी वही है। एक पैकेट पाट पर बैठे पंडे, पुजारी रख लेते हैं। दूसरा पैकेट दर्शनार्थी को देते हैं। इस प्रकार मंदिर में दिनभर में सैकड़ों पैकेट प्रसाद इकट्ठा हो जाता है। मंदिर समिति इस प्रसाद को भक्तों में वितरित कर सकती है।

भस्म प्रसाद लिए भटकते हैं भक्त

महाकाल दर्शन करने आने वाले भक्त भस्म के लिए मंदिर में इधर-उधर भटकते नजर आते हैं। पहले मंदिर समिति तिलक प्रसाद काउंटर से भस्म का निश्शुल्क वितरण करती थी। इसके अलावा मंदिर के प्रसाद काउंटरों ने भस्म प्रसाद के नाम से ड्रायफ्रूट के प्रसाद का किया जाता था। इस पैकेट में सूखे मेवे के साथ एक भस्म की पुड़िया रखी जाती थी। मंदिर समिति ने अब यह दोनों ही योजना बंद कर दी हैं।

फिल्म सिकंदर का पोस्टर हुआ जारी

सलमान खान ने दिखाई इंटेंस वर्कआउट की झलक

अहम भाईजान के फैंस की नजर सलमान खान के डोलों पर सबसे ज्यादा दिख रही है। सलमान खान फिल्म सिकंदर में बहुत ही दमदार और मसल्समैन के लुक में नजर आने वाले हैं।अब सलमान खान की इस तस्वीर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। एक ने लिखा है, एसआरके तो गया अब।।भाईजान बॉक्स ऑफिस पर धमाका करेंगे। दूसरा फैन लिखता है, तूफान आने वाला है। एक और फैन ने लिखा है, भाई फुल फॉर्म मे हैं। वहीं, कई सेलेब्स ने भी सलमान खान के सिकंदर आए इस फोटो पर अपना शॉकिंग रिएक्शन दर्ज कराया है। बता दें, साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म सिकंदर को प्रोड्यूस किया है और गजनी के डायरेक्टर फिल्म बना रहे हैं।

सलमान खान ईद 2025 के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर की सुनामी लाने की तैयारी कर रहे हैं। सलमान खान ईद 2025 पर बॉक्स ऑफिस पर सिकंदर से धमाका करेंगे। सलमान खान का फिल्म सिकंदर से एक और पोस्टर जारी हुआ है। इस पोस्टर को सलमान खान का सिकंदर से आया फर्स्ट लुक मान रहे हैं। सलमान खान का सिकंदर से आया ये पोस्टर अब सोशल मीडिया पर तबाही मचा रहा है। सलमान खान के फैंस भाईजान का सिकंदर लुक देख हक्के-बक्के रह गए हैं। सलमान खान के फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स अब जमकर भाईजान के लुक की तारीफ कर रहे हैं।सलमान खान ने बीती रात सिकंदर से फर्स्ट लुक शेयर किया है। सलमान खान ने अपनी यह तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। इसके अलावा सलमान खान का यह लुक अब उनके फैंस के बीच छा गया है। सलमान खान सिकंदर के सेट से आई इस तस्वीर में जिम करते दिख दिख रहे हैं खान का बियर्ड लुक देखने को मिल रहा है। और सबसे

अपने जीवन में शांति और स्थिरता चाहती हैं अभिनेत्री दीक्षा सोनलकर

वर्तमान में धारावाहिक कैसे मुझे तुम मिल गए में इशिका के रूप में दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री दीक्षा सोनलकर ने कहा कि वह जीवन के ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां वह केवल शांति और स्थिरता की चाहत रखती है।दीक्षा ने इस पर बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन के उस चरण में पहुंच गई हूं जहां मैं शांति और स्थिरता के लिए तरसती हूं। मुझे हर सुबह उठना और काम पर जाना बहुत पसंद है। शो कैसे मुझे तुम मिल गए ने हमेशा दर्शकों को प्रासंगिक कहानियां दी हैं। हमारे शो ने घरेलू हिंसा, पॉक्सो, तलाक आदि जैसे मुद्दों को उठाया है, जिन्हें बहुत कम शो दिखाते हैं। हमारी कहानी कभी भी जरूरत से ज्?यादा लंबी नहीं होती। हम इन ट्रैक को एक आसान गति से आगे बढ़ाते हैं जो इसे दर्शकों के लिए और दिलचस्प बनाता है।इशिका के किरदार पर बात करते हुए दीक्षा ने कहा, शो कैसे मुझे तुम मिल गए में इशिका एक 30 वर्षीय युवा लड़की है जो एक बड़े विवाहित व्यक्ति से प्यार करती है। उम्र के अंतर के बावजूद, वह उससे सच्चा प्यार करती है और सुनिश्चित करती है कि वह उसके लिए अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ दे। वह एक मजबूत महिला है जो वह चाहती है उसे पाने के लिए वह किसी भी हद तक जा सकती है।दीक्षा ने कहा, उसकी लगन और महत्वाकांक्षा मेरे लिए एक जैसी है, लेकिन इसके अलावा दोनों के व्यक्तित्व में बहुत अंतर है।

इशिका जो कुछ भी करती है और कहती है, उससे उसके आस-पास के लोगों को ठेस पहुंचती है, वह मैं नहीं करूंगी।उन्होंने आगे कहा, इस शो को अब 11 महीने हो गए हैं और मैंने बहुत अच्छा समय बिताया है। हम सभी एक बड़े परिवार की तरह उभरे हैं और ईमानदारी से हम ऐसे दृश्यों का इंतजार करते हैं, जहां हम सभी मौजूद हों। यह हर समय हमारे आसपास बहुत मजेदार और सकारात्मकता है।दीक्षा बानी- इश्क दा कलमा और महाराणा प्रताप जैसे शो का भी हिस्सा रही हैं।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो

से शानदार वापसी करेंगी मल्लिका शेरावत

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत पिछले लंबे समय से आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके साथ इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और राजकुमार राव भी नजर आएंगे।मल्लिका इस फिल्म के जरिए लंबे अंतराल के बाद पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं।ख्वाहिश, मर्डर, प्यार के साइड इफेक्ट्स और वेलकम फिल्मों नजर आ चुकीं मल्लिका का विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में बेहद अलग अवतार दिखने वाला है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्देशक राज शांडिल्य ने बताया कि मल्लिका फिल्म का हिस्सा कैसे बनीं।शांडिल्य ने कहा, मैंने मल्लिका को ध्यान में रखकर यह भूमिका लिखी थी। 90 के दशक पर आधारित है और उनका किरदार एक मध्यम वर्गीय आधुनिक महिला का है। जब हमने मल्लिका से संपर्क किया तो उन्होंने सोचा कि हम उन्हें एक डांस नंबर ऑफर कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं था।राज बोले, मल्लिका को जब पता चला कि हमने यह किरदार को ध्यान में रखकर लिखा है तो उन्होंने फौरन फिल्म के लिए रजामंदी दे दी। वह इसमें एक निडर सााहसी महिला की भूमिका में नजर आएंगी, जो अपने समय से काफी आगे है।विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तरह तैयार है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो 1990 के दशक में रेट्रो थीम पर आधारित है।फिल्म के निर्देशन की कमान राज शांडिल्य ने संभाली है, वहीं भूषण कुमार इसके निर्माता हैं। फिल्म की कहानी भी शांडिल्य ने लिखी है।यह पहला मौका है, जब राजकुमार और तृप्ति कलाकार काम कर रहे हैं।

जिगरा के ट्रेलर की रिलीज डेट आउट

आलिया और वेदांग रैना की आईं खूबसूरत तस्वीरें

जिगरा 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर यह फिल्म दशहरा के समय दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। फिल्म का टीजर ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है। जिससे फिल्म की स्टोरी लाइन पता चल चुकी है और इसने फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। अब हाल ही में आलिया ने क्यूट सी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए फिल्म के ट्रेलर के बारे में अपडेट दी है। हालांकि उन्होंने ट्रेलर रिलीज की कोई ऑफिशियल डेट अनाउंस नहीं की है।जिगरा में लीड रोल प्ले करने वाले एक्ट्रेस एक्टर आलिया और वेदांग ने अपने-अपने सोशल मीडिया पर फूलों के साथ तस्वीरें शेयर कीं और फैंस को बताया कि जिगरा का ट्रेलर जल्द ही रिलीज किया जाएगा। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन लिखा- फूलों का तारा का सबका कहना है , जिगरा का ट्रेलर जल्द आ रहा है। जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। हालांकि आलिया और वेदांग ने ट्रेलर की कोई ऑफिशियल रिलीज डेट अनाउंस नहीं की है लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ट्रेलर को 26 सितंबर को रिलीज कर सकते हैं।कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म का टीजर ट्रेलर रिलीज किया था। टीजर में आलिया अपने भाई (वेदांग) की प्रोटेक्टिव बहन के रूप में दिखाई दे रही हैं, जिसे पुलिस ने विदेश में गिरफ्तार कर लिया है।

दर्शकों का एक्साइटमेंट बनाए रखने के लिए आलिया आए दिन फिल्म के पोस्टर शेयर या कुछ ना कुछ अपडेट शेयर करती रहती थी। अब फिल्म का टीजर ट्रेलर रिलीज हो गया है जिससे दर्शकों में फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। आलिया ने करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ जिगरा को को-प्रोड्यूस भी किया है। जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

42 की उम्र में भी बेहद जवां दिखती हैं आमना शरीफ

टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ आए दिन फैंस को अपने लेटेस्ट लक्स से विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस आमना शरीफ हमेशा अपने बोल्ड एंड ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट आते ही छा जाता है।हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने बेहद शानदार फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के दिलों पर खंजर चल गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।इन

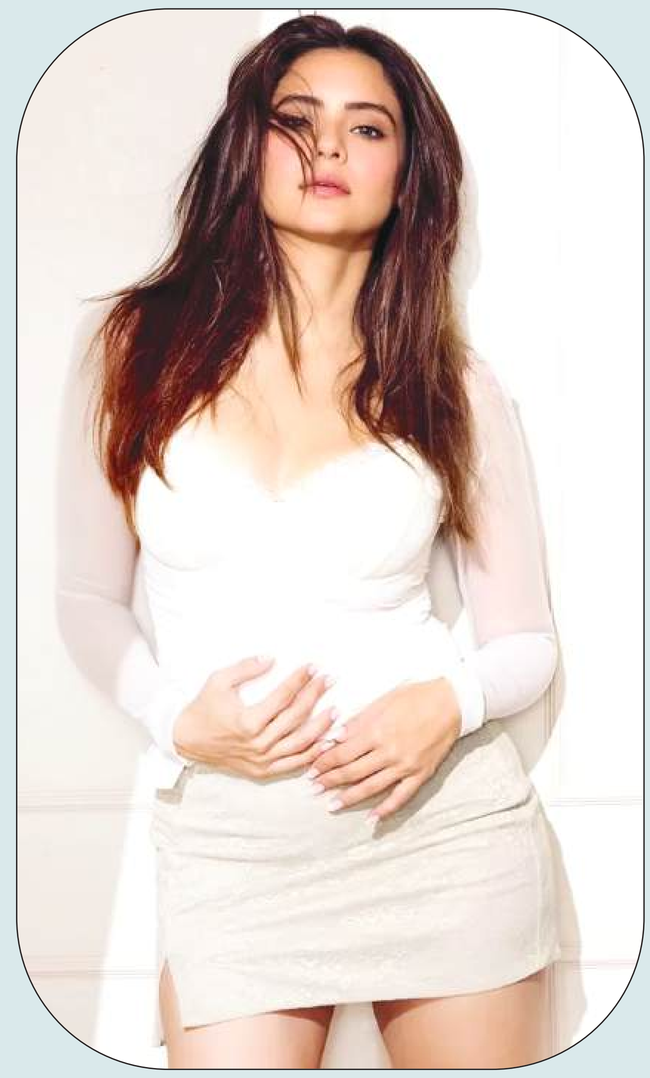

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ ने व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।ओपन हेयर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

आमना शरीफ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस भले ही टीवी से दूर हैं लेकिन आए दिन अपने लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर फैंस को पर्सनल लाइफ जुड़े अपडेट्स देती रहती हैं।

कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 पोस्टर रिलीज

बॉक्स ऑफिस पर दिवाली धमाका बनकर आएंगे रूह बाबा

आर्यन की फिल्म भूल भुलैया-3 का पोस्टर रिलीज हो गया है। इसी साल दीवाली पर रिलीज हो रही ये फिल्म एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर इसका पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर को पोस्ट करते हुए कार्तिक आर्यन लिखा, दरवाजा खुलेगा... इस दिवाली। डायरेक्टर अनीस बज्मी की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हंगामा काटने के लिए एक बार फिर तैयार है। इससे पहले इस फिल्म के 2 पार्ट सुपरहिट रहे हैं. भूल भुलैया के पहले पार्ट में अक्षय कुमार ने लीड रोल निभाया था। वहीं इसके बाद पार्ट में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी लीड रोल में नजर आए थे। अब कार्तिक भूल भुलैया-3 के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं।

डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म भूल भुलैया 12 अक्टूबर 2007 को रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन, अमीषा पटेल और शीनी अहूजा कलाकार अहम किरदारों में नजर आए थे। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक 32 करोड़ रुपयों के बजट से बनी इस फिल्म ने कमाई के मामले में सभी को चौंका दिया था। फिल्म ने 82 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कलेक्शन की थी। वहीं कुल 68 करोड़ रुपये भारत में कमाए थे। फिल्म ने पहले ही दिन करीब 4 करोड़ रुपयों की कमाई कर सुपरहिट का अंदाजा लगा दिया था। वहीं भूल भुलैया का दूसरा पार्ट 2022 में रिलीज किया गया। 20 मई 2022 को रिलीज हुई भूल भुलैया-2 भी कमाई के मामले में कमाल कर दिया. इस फिल्म को डायरेक्टर अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। 90 करोड़ रुपयों से बनी इस फिल्म ने 263 करोड़ रुपयों की कमाई कर सभी को चौंका दिया था। अब इस फिल्म का तीसरा पार्ट भी इस साल दिवाली पर रिलीज लिए तैयार है। मेकर्स को हर बार की तरह इस पार्ट से भी बंपर कमाई की उम्मीद है।

आम के उत्पादन में ही नहीं निर्यात में भी नंबर वन बनेगा यूपी

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

फलों के राजा आम के उत्पादन में देश भर में अव्वल उत्तर प्रदेश ने अब एक योजना के तहत आम के निर्यात में भी नंबर वन बनने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

अधिकृत सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि आम की रंगीन प्रजातियों की यूएस और यूरोपियन देशों में अच्छी मांग है। केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) द्वारा पिछले कुछ वर्षों में रिलीज हुई अरुणिका और अंबिका भी रंगीन हैं। जल्दी रिलीज होने वाली अवध समृद्धि भी रंगीन है। अवध मधुरिमा जो रिलीज होने की पाइप लाइन में है, वह भी रंगीन है। ऐसे में इनके निर्यात की संभावना बढ़ जाती है। सरकार की मंशा सिर्फ आम के उत्पादन में ही नहीं निर्यात में भी उत्तर प्रदेश को नंबर वन बनाने की है। उन्होने बताया कि यूएस और यूरोपियन देशों के निर्यात मानकों को पूरा करने के लिए सरकार जेवर एयरपोर्ट के पास रेडिएशन ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करेगी। अभी तक उत्तर भारत में कहीं भी इस तरह का ट्रीटमेंट प्लांट नहीं है। इस तरह के ट्रीटमेंट प्लांट सिर्फ मुंबई और बेंगलुरु में है।

इन्हीं दो जगहों के आम की प्रजातियों (अलफांसो, बॉम्बे ग्रीन, तोतापारी, बैगनफली) की निर्यात में सर्वाधिक हिस्सेदारी भी है। ट्रीटमेंट प्लांट न होने से संबंधित देशों के निर्यात मानक के अनुसार ट्रीटमेंट के लिए इनको मुंबई या बेंगलुरु भेजिए। ट्रीटमेंट के बाद फिर निर्यात कीजिए। इसमें समय और संसाधन की बर्बादी होती है। साथ ही सेल्फ लाइन कम होने से गुणवत्ता भी खतरे में रहती है। इसीलिए सरकार पीपपीपी मॉडल पर जेवर इंटर नेशनल एयरपोर्ट के पास रेडिएशन ट्रीटमेंट प्लांट लगाने जा रही है। सूत्रों ने दावा किया कि रेडिएशन ट्रीटमेंट तकनीक में निर्यात किए जाने वाले फल, सब्जी,अनाज को रेडिएशन से गुजरा जाता है। इससे उनमें मौजूदा कीटाणु मर जाते हैं और ट्रीटेड उत्पाद की सेल्फ लाइफ भी बढ़ जाती है।

ट्रीटमेंट प्लांट चालू होने पर उत्तर प्रदेश के आम बागवानों के लिए यूएस और यूरोपियन देशों के बाजार तक पहुंच आसान हो जाएगी। चूंकि उत्तर प्रदेश में आम का सबसे अधिक उत्पादन होता है, इसलिए निर्यात की किसी भी नए अवसर का सर्वाधिक लाभ भी यहीं के बागवानों को मिलेगा।

सूत्रों ने बताया कि पुराने बागों की उपज और गुणवत्ता सुधारने के लिए आम के कैनोपी प्रबंधन की जरूरत होती है। इस काम में गतिरोध दूर करने के लिए सरकार शासनादेश भी जारी कर चुकी है। वैज्ञानिक लगातार बागवानों को पुराने बागों की इस विधा से प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित भी कर रहे हैं। कुछ समय बाद आम की उपज और गुणवत्ता पर इसका असर दिखेगा। पिछले दिनों सीआईएसएच रहमानखेड़ा (लखनऊ) में आम पर आयोजित राष्ट्रीय गोष्ठी में इजरायल के वैज्ञानिक युवान कोहेन ने कहा भी था कि भारत को यूरोपीय बाजार की पसंद के अनुसार आम का उत्पादन करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी हरदम किसानों से कृषि विविधिकरण और बाजार की मांग के अनुसार फसल लेने पर जोर देते हैं। हालांकि आम के उत्पादन में भारत में भारत नंबर एक है। देश के उत्पादन में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी एक तिहाई से अधिक है पर जब बात आम के निर्यात की आती है तो भारत फिसड्डी देशों में शामिल है। आम के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी मात्र 0.52 फीसद है। आम के प्रमुख निर्यातक देश थाईलैंड, मैक्सिको, ब्राजील, वियतनाम और पाकिस्तान आदि हैं। इनके निर्यात का फीसद क्रम से 24, 18, 11, 5 और 4.57 है। ऐसे में वैश्विक बाजार में भारत के आम के निर्यात की अपार संभावना है।

पिछले साल इनोवा फूड के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि उत्पादन आयुक्त देवेश चतुर्वेदी से मुलाकात की थी। निर्यात के बाबत बात चली तो उन लोगों ने बताया कि यूएस और यूरोपियन बाजार में चौसा और लगड़ा की ठीक ठाक मांग है। उनके निर्यात के मानकों को पूरा किया जाय तो उत्तर प्रदेश के लिए यह संभावनाओं वाला बाजार हो सकता है। मालूम हो कि ये दोनों प्रजातियां उत्तर प्रदेश में ही पैदा होती हैं। जरूरत सिर्फ बाजार की मांग के अनुसार आम के उत्पादन और संबंधित देशों के निर्यात मानकों को पूरा करने की है। इसके लिए योगी सरकार संभव प्रयास भी कर रही है। आम की लाल रंग की प्रजातियां सिर्फ देखने में ही आकर्षक नहीं होती। स्वास के लिहाज से भी ये बेहतर हैं। आम या किसी भी फल के लाल रंग के लिए एंथोसायनिन जिम्मेदार होता है। इससे इसकी पौष्टिकता बढ़ जाती है। अब तक के शोध बताते हैं एंथोसायनिन मोटापे और मधुमेह की रोकथाम में सहायक हो सकता है। यह संज्ञानात्मक और मोटर फ़ंक्शन को मॉड्यूलेट करने, याददाश्त बढ़ाने और तंत्रिका कार्य में उम्र से संबंधित गिरावट को रोकने में भी मददगार हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट भी सेहत के लिए जरूरी है। इसमें एंटीइंफ्लेमेट्री गुण भी पाए जाते हैं। साथ ही आम में मिलने वाले अतिरिक्त पोषक तत्व भी पाये जाते हैं।

शहरी पर्यटन के साथ अब प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन पर भी जोर

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन के क्षेत्र में व्यापक प्रसार किया है। आज प्रदेश घरेलू पर्यटकों के लिहाज से देश का नंबर वन टूरिस्ट डेस्टिनेशन है और इसमें आध्यात्मिक पर्यटन का सबसे बड़ा योगदान है। मगर, प्रदेश में प्राकृतिक, वन्य व लोक पारंपरिक कलाओं को देखने और उसे अनभूत करने की ललक न केवल देसी बल्कि विदेशी पर्यटकों में भी बहुत है। यही कारण है कि प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को भी व्यापक स्तर पर जाग्रत करने की दिशा में योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है, जिस पर कार्य भी शुरू हो गया है। इस क्रम में, प्रदेश के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशंस के समीप ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 93 गांवों में होम स्टे समेत पर्यटन विकास की प्रक्रिया पर फोकस किया जा रहा है। साथ ही, ग्रामीण, वन समेत पर्यटन के लिहाज से प्रमुख टूरिस्ट सर्किट में टूर गाइड्स व ऑपरेटर्स की ट्रेनिंग प्रक्रिया को भी बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में विस्तृत फ्रेमवर्क पर काम जारी है। इस क्रम में, लखनऊ में स्थापित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट के कायाकल्प प्रक्रिया को भी जल्द पूरा करने पर फोकस किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में सीएम योगी की मंशा अनुरूप 12 मेगा टूरिज्म सर्किट चिह्नित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश टूरिज्म पॉलिसी 2022 के अनुसार, इनमें रामायण सर्किट, सूफी-कबीर सर्किट, बुंदेलखंड सर्किट, जैन सर्किट, कृष्ण-ब्रज सर्किट, शक्ति-पीठ सर्किट, महाभारत सर्किट, वाइल्ड लाइफ़-ईको पर्यटन सर्किट, स्वतंत्रता संग्राम सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, बौद्ध सर्किट तथा शिल्प सर्किट प्रमुख हैं। ऐसे में, इन सभी सर्किट्स में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को विकसित करने की दिशा में कार्य जारी हैं। इसी क्रम में, देवीपाटन मंडल, चित्रकूट मंडल, अयोध्या मंडल, लखनऊ मंडल तथा वाराणसी मंडल में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे के निर्माण व विकास प्रक्रियाओं को गति दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि यह सभी मंडल प्राकृतिक छटाओं, लोक कलाओं, ग्रामीण संस्कृति तथा आध्यात्मिक, ऐतिहासिक व पारंपरिक मूल्यों के लिहाज से बेहद समृद्ध हैं। ऐसे में, इन सभी मंडलों के ग्रामीण परिवेश को लक्षित कर घरेलू व विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना पर कार्य करना शुरू कर दिया है।

अयोध्या मंडल में कुल 19 गांवों का चयन ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हुआ है। इनमें फिलहाल अंबेडकर नगर चुइंटियापारा, दर्वान तथा अयोध्या के अबनपुर सरोहा, अमौनी, सेवाधाट, रामपुरवा और गौराघाट को ग्रामीण पर्यटन के लिए होम स्टे विकास के तौर पर चिह्नित हुआ है। वहीं, सुल्तानपुर, बाराबंकी व अमेठी में 12 गांवों के चिह्नांकन की प्रक्रिया जारी है। इसी प्रकार वाराणसी मंडल में वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर व चंदौली में 10 गांवों को रूरल टूरिज्म के लिए होम स्टे प्रक्रिया से विकसित किया जाएगा। लखनऊ मंडल में कुल 23 ग्रामों में होम स्टे व पर्यटन विकास किया जाएगा, जिसमें सीतापुर के कोरौना, रामकोट, सरायसानी, बीहट बीरम, उरदौली व ठाकुर नगर प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली और उन्नाव में अन्य 17 गांवों का चिह्नांकन किया जाएगा। इसके अतिरिक्ट देवीपाटन मंडल में कुल 17 गांवों का विकास ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। इसमें, बहराइच, बलरामपुर, गोण्डा व श्रावस्ती के गांवों को चिह्नित कर विकसित किया जाएगा। वहीं, चित्रकूट मंडल में बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर व महोबा के 24 गावों को चिह्नित कर होम स्टे प्रक्रिया व ग्रामीण पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जाएगा। यानी, परियोजना के अंतर्गत पहले फेज में पांच मंडल के 93 गांवों को चिह्नित कर विकसित किया जाएगा। उक्त सभी ग्रामों में टूरिस्ट गाइड, लोक कलाकार व अन्य पर्यटन स्टाफ की तैनाती भी की जाएगी जोकि स्थानीय स्तर पर ही एजेंसी के माध्यम से आबद्ध किए जाएंगे।

शोध कार्यों के लिए राज्य विवि को मिलेंगे 57.38 लाख

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को रिसर्च और डेवलपमेंट (आरएंडडी) योजना के तहत शोध कार्यों के लिए 57.38 लाख रुपए की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है।

यह अनुदान प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान किया गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि शोध और अनुसंधान शिक्षा का आधार स्तंभ हैं और प्रदेश सरकार का यह कदम राज्य के विश्वविद्यालयों में शोध और नवाचार को गति प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे हमारे शिक्षण संस्थानों में न केवल शोध की दिशा में नई ऊर्जा का संचार होगा, बल्कि छात्रों को भी विश्वस्तरीय शोध वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक अहम कदम है।

उन्होंने बताया कि इस अनुदान का वितरण उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर किया जा रहा है।

समिति ने विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा रिसर्च और डेवलपमेंट योजना के तहत प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों का विस्तृत परीक्षण किया। विशेषज्ञ समिति की अनुशंसाओं पर सम्यक विचारोपरांत राज्यपाल द्वारा यह अनुदान स्वीकृत किया गया है।

इस योजना के तहत जिन विश्वविद्यालयों को अनुदान प्राप्त हुआ है, उनमें लखनऊ विश्वविद्यालय, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय (बरेली), महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (वाराणसी), वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (जौनपुर) और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय (कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर) शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इस योजना के अंतर्गत कुल 57,38,800 रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जो निर्धारित शर्तों और प्रतिबंधों के अधीन वितरित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की उच्च शिक्षा में यह अनुदान एक मील का पत्थर साबित होगा। हमारा लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी शोध केंद्र बनाया जाए, और यह अनुदान उस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार आगे भी प्रदेश के विश्वविद्यालयों को हरसंभव सहायता प्रदान करती रहेगी, ताकि वे शोध और नवाचार में सर्वोत्तम प्रदर्शन कर सकें।

सपा की गुंडई खत्म करने में जनसहयोग की जरूरत: केशव

मैनपुरी, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को कहा कि 2017 में योगी सरकार के अस्तित्व में आने के बाद से अब तक समाजवादी पार्टी (सपा) की 75 फीसदी गुंडागर्दी खत्म हो चुकी है और जल्द ही बची हुई गुंडई खत्म कर दी जाएगी।

जिले के सिमरऊ ग्राम में आयोजित चौपाल में श्री मौर्य ने कहा कि करहल विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी को विजयी बना कर लोग सपा की गुंडागर्दी खत्म करने में अपना योगदान दें। उन्होने कहा कि अपराधियों को संरक्षण देने में सपा पार्टी सबसे आगे है।

यह दल सारे अवगुणों से परिपूर्ण है। लोकसभा चुनाव में इनको कुछ सीटें ज्यादा क्या मिल गयीं, इन्होंने अपराधियों को खुलकर समर्थन देना शुरू कर दिया ,मगर उत्तर प्रदेश में योगी सरकार अपराधियों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगी।

उपमुख्यमंत्री ने जनता से हाथ खड़े करवा कर पूछा कि वह विकास के साथ खड़े हैं कि अपराधियों के साथ। इस पर जनता जोरदार तरीके से विकास के पक्ष में खड़े होने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जब तक सपा पूरी तरह से समाप्त नहीं हो जाती, अपराध समाप्त नहीं होगा। यह पार्टी चोर, लुटेरे, बलात्कारियों के साथ है और योगी सरकार का नारा है सबका साथ,सबका विकास। उन्होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि तीन करोड़ नए प्रधानमंत्री आवास बनेंगे, जिनमें से 30 लाख उत्तर प्रदेश में बनेंगे। आवासों का सर्वे हो रहा है।

गरीबों को निःशुल्क अनाज मिल रहा है। हर घर नल योजना के तहत गांव-गांव पानी की टंकी बन रही हैं।

उन्होंने गाँव वालों से पूंछा कि आपके घर पानी आ रहा है, तो गांव वालों ने सहमति में हाथ हिलाया। चौपाल कार्यक्रम में मंत्री असीम अरुण ने कहा कि सपा अपराधियों को सरंक्षण देने वाली पार्टी है और योगी सरकार सबको सुरक्षा देने का काम कर रही है।

कन्नौज में 15 साल की लड़की से बलात्कार करने वाले नबाब सिंह के खिलाफ पुलिस ने कड़ी कार्यवाही की है। सपा सरकार के समय इस क्षेत्र में डिप्टी सीएम के रूप में नबाब सिंह को जाना जाता था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भाजपा की वापसी यानी पीओके...

जीवन बीमा सुरक्षा योजना का लाभ, 12 करोड़ लोगों को किसान सम्मान निधि, 10 करोड़ गरीबों के घर में शौचालय, 10 करोड़ गरीबों को उज्ज्वला योजना का सिलेंडर मिल गया। जम्मू-कश्मीर में पौने तीन लाख गरीबों को पीएम आवास योजना का लाभ मिला तो दूसरी तरफ भीखमंगे पाकिस्तान में रोटी के लाले पड़ रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने धारा-370 हटाकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया। आतंकवाद की नर्सरी समाप्त हो गई। कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद का वेयर हाउस बना चुके थे, लेकिन नरेंद्र मोदी के पीएम व अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद आतंकवाद अंतिम सांस गिन रहा और पत्थरबाज गायब हो गए हैं।

सीएम योगी ने महाराजा हरि सिंह, प्रेमनाथ डोरा, ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह का नाम लेते हुए कहा कि इन नायकों ने जम्मू-कश्मीर को धरती का स्वर्ग बनाया था, लेकिन कांग्रेस, पीडीपी व नेकां ने इसे मजहबी उन्माद में बदलने का पाप किया। यह चुनाव उन्हें सबक सिखाने का चुनाव है। पीएम मोदी ने करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण कराया। कांग्रेस ने पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में मनवाया, लेकिन पीएम मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का फैसला किया। यूपी में भी इस दिन यह आयोजन होता है।

सीएम योगी ने कहा कि आपने नए भारत के नए जम्मू-कश्मीर को देखा है। यह टेररिज्म स्टेट नहीं, बल्कि टूरिज्म का बेहतरीन डेस्टिनेशन बन गया है। कांग्रेस, पीडीपी, नेकां शासन में यहां तिरंगा फहराने के लिए गुहार लगानी पड़ती थी, लेकिन अब यहां जी-20 का समिट होता है। पहले धमकी आती थी कि अमरनाथ यात्रा नहीं होने देंगे। यह सुनकर इन पार्टियों के लोग सहम जाते थे, लेकिन अब पूरा देश-दुनिया बाबा बर्फानी व मां वैष्णो के दर्शन करने आता है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, नेकां व पीडीपी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। राजनीति में ऐसी कंपनियों को बंद होना चाहिए। इन लोगों ने दलितों, बकरवालों, पहाड़ियों को आरक्षण नहीं देने दिया। यहां से जुड़ी जातियों को मुख्यधारा से जोड़ने का सार्थक प्रयास नहीं किया। 1947 में जिनकी संपत्ति छीन ली गई, पाकिस्तान से जो लोग भारत आए, उन्हें भी नागरिकता भी नहीं दी। जब मोदी-शाह ने सिटीजनशिप एमेनमेंट एक्ट बनाकर प्रभावी ढंग से लागू किया तो यह सभी दल उसका विरोध कर रहे थे। 1990 के दशक में कांग्रेस, पीडीपी व नेकां के पाप की पराकाष्ठा को भी देखा है, जब कश्मीरी पंडितों के साथ बर्बर अत्याचार हुए थे। उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त करने की बजाय यह दल दहशतगर्दों के साथ खड़े हुए थे। केवल भाजपा ही पीड़ित कश्मीरी पंडितों के साथ खड़ी हुई थी।

सीएम योगी ने कहा कि पं. नेहरू ने आर्टिकल-370 का दंश दिया था। उन्होंने पूछा कि कश्मीर पंडितों का पलायन कांग्रेस व नेहरू की वजह से हुआ। सीएम योगी ने कहा कि अब चिनाब ब्रिज, जोजिला व श्यामा प्रसाद मुखर्जी टनल, दिल्ली-कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन पहचान बन रही है। भाजपा व मोदी देश-जम्मू-कश्मीर की आकांक्षाओं के प्रतीक हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने देश में लंबे समय तक शासन किया, लेकिन अयोध्या की समस्या का समाधान नहीं होने दिया।

भारतवासियों ने जब पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र व यूपी में भाजपा सरकार बनाई तो अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया है। वहां मंदिर भी बन गया, लेकिन एक मच्छर भी नहीं मरा। माफिया वहां जहन्नुम में जा चुके हैं, लेकिन सामान्य नागरिक का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। कांग्रेस, पीडीपी, नेकां का नाम समस्या और भाजपा का समाधान है।

कांग्रेस बहाना बनाकर जनता को बेवकूफ बनाती रही है। कांग्रेस ने आतंकवाद, उग्रवाद, नक्सलवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद समेत विभाजन के बीज को बोया है। हिंदुओं को कमजोर करने का पाप किया है। कांग्रेस की सरकार जब केंद्र व सहयोगी दलों की सरकारें जम्मू-कश्मीर में थीं तब पत्थरबाजी की घटनाएं होती थीं। इन लोगों ने टैबलेट वाले हाथों में तमंचा दे दिया था। नेकां, पीडीपी कांग्रेस पहले यहां के पैसे को लूटकर साल में आठ महीने महीने यूरोप, इंग्लैंड घूमते थे। भाजपा सबका साथ-सबका विकास की बात करती है, लेकिन तुष्टिकरण किसी का नहीं होने देगी। भाजपा सुरक्षा, सुशासन व विकास की गारंटी है। जहां भाजपा की सरकार है, वहां विकास का नया मॉडल देखने को मिल रहा है। यूपी भी नए भारत में विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित हुआ है।

सीएम योगी ने राहुल गांधी से पूछा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर के लिए अलग झंडे की बात कही है, क्या वह उसका समर्थन करते हैं। 370, 35 ए को वापस लाकर नेकां के जम्मू-कश्मीर को अशांति-आतंकवाद के युग में धकेलने की मांग का समर्थन करते हैं। क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं की कीमत पर पाकिस्तान से वार्ता करके अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है। क्या कांग्रेस पाकिस्तान के साथ एलओसी ट्रेड शुरू करने के नेकां के निर्णय से बॉर्डर पार से आतंकवाद के पोषण का समर्थन करती है। क्या कांग्रेस पत्थरबाज व अलगाववाद में शामिल लोगों के परिजनों को सरकारी नौकरी में शामिल कर आतंकवाद, दहशतगर्दी व बंद के दौर को लाने का समर्थन करती है। कांग्रेस नेकां के साथ आरक्षण विरोधी चेहरे को सामने लाने का प्रयास कर रही है। पीएम मोदी ने दलितों, गुज्जरों, बकरवालों, पहाड़ियों को आरक्षण की सुविधा दी है, क्या नेकां द्वारा इसे समाप्त करने की घोषणा का कांग्रेस समर्थन करती है।

क्या कांग्रेस चाहती है कि शंकराचार्य पर्वत, तख्त ए-सुलेमान व हरि पर्वत कोह-ए-मारन के नाम से जाने जाएं। क्या कांग्रेस जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को फिर से भ्रष्टाचार में झोंककर पाकिस्तान समर्थित गिने-चुने हाथों को सौंपने का समर्थन करती है। कांग्रेस नेकां के जम्मू और घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करती है। क्या कांग्रेस-राहुल गांधी कश्मीर को ऑटोनॉमी देने की नेकां की विभाजनकारी नीतियों का समर्थन करती है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम में मेरा स्वप्निल पदार्पण था : गुरजोत सिंह

बेंगलुरु, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

19 वर्षीय गुरजोत सिंह ने हाल ही में चीन के मोकी में आयोजित हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए पदार्पण किया। युवा फॉरवर्ड को साई में ट्रायल के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के बाद जूनियर टीम से बुलाया गया था, जबकि हरमनप्रीत और उनकी टीम ओलंपिक के लिए पेरिस में थी।

गुरजोत ने हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के सभी 7 मैच खेले और हालांकि वह एक भी गोल नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया और मैदान पर बहुत समर्पण और कड़ी मेहनत दिखाई।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक बयान में गुरजोत ने कहा, सीनियर टीम में माहौल बहुत अच्छा है, सभी सीनियर बड़े भाइयों की तरह हैं जो ज़्यादातर समय माहौल को हल्का रखते हैं। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में मेरा डेब्यू एक सपने जैसा था। मैं चीन के खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित था, मुझे लगा कि मैं अपने डेब्यू पर गोल करूँगा, लेकिन भले ही मैं गोल न कर सका, लेकिन मैंने खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और यह एक अच्छा प्रदर्शन था। खेल से पहले हरमनप्रीत सिंह ने मुझे आश्वस्त किया कि ज़्यादा सोचने या डरने की ज़रूरत नहीं है; मुझे बस वैसा ही खेलना है जैसा मैं आमतौर पर कैंप में खेलता हूँ, आज़ादी से खेलना है और गलतियाँ करने के बारे में नहीं सोचना है।

गुरजोत पंजाब के एक छोटे से गाँव हुसैनाबाद से हैं। उनके पिता पास के एक गाँव में दूधवाले हैं, उनकी माँ गृहिणी हैं और उनकी बहनें अपनी पढ़ाई कर रही हैं। बचपन में गुरजोत बहुत शरारती थे। जब वह 6 साल के थे, तब उनकी साइकिल दुर्घटना हो गई थी, जिससे उनकी जान को ख़तरा था। दुर्घटना में उनके सिर के पिछले हिस्से में सात टांके लगे थे।

उस दुर्घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा, दुर्घटना के बाद, कुछ सालों तक मुझे थोड़ी कमजोरी रही, लेकिन जब मैं 10 साल का हुआ, तो मैं पूरी तरह से ठीक हो गया और पास के एक सरकारी स्कूल में पढ़ने लगा। स्कूल में, मैंने देखा कि हॉकी खेलने वाले बच्चों को थोड़ी ज़्यादा आज़ादी मिलती थी। वे क्लास में देर से आते और अभ्यास के लिए थोड़ा जल्दी चले जाते, इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न इस खेल में हाथ आजमाया जाए।

2020 तक गुरजोत को अपने पिता का हाथ बंटाने के लिए चप्पल बनाने वाली फैक्ट्री में काम करना पड़ा। वह सुबह अभ्यास करते और रात में काम। उसी साल बाद में, एक स्थानीय टूर्नामेंट में, गुरजोत का सामना भावी टीम के साथियों अभिषेक और सुखजीत से हुआ। खेल के दौरान उन्हें यह भी बताया गया कि राउंडग्लास हॉकी अकादमी अगले दिन ट्रायल आयोजित करेगी।

गुरजोत ने अपना बैग पैक किया और जालंधर में ट्रायल में कोचों को प्रभावित करने के लिए निकल पड़े। राउंडग्लास हॉकी अकादमी के खिलाड़ी के रूप में, गुरजोत ने भोपाल में पहली हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2021 में खेला और चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित करके भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम में जगह बनाई।

तब से वह 2023 सुल्तान ऑफ जोहोर कप, पुरुष हॉकी एशिया कप सलालाह 2023, एफआईएच हॉकी विश्व कप ओमान 2024 और हाल ही में हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में खेल चुके हैं। 12वें सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2024 और पुरुष जूनियर एशिया कप मस्कट 2024 के साथ, गुरजोत ने अपना ध्यान वापस जूनियर टीम पर केंद्रित कर लिया है।

उन्होंने कहा, हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी सीखने का एक अच्छा अनुभव था, मुझे सीनियर टीम की मांगों के बारे में पहले से पता था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह मेरे लिए एक स्वप्निल शुरुआत थी, क्योंकि हमने सभी मैच जीते और खिताब भी जीता, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है और बहुत कुछ सुधार करना है। मुझे सर्कल में अपने मूवमेंट पर काम करना है, विरोधियों पर दबाव बनाने में तेज़ होना है और गेंद पर अपनी गति बढ़ानी है।

न्यूज़ ब्रीफ

रूस के स्विडलर ने जेरूसलम मास्टर्स रैपिड शतरंज टूर्नामेंट जीता

यरूशलम। रूसी ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर ने बुधवार को संपन्न हुए यरूशलम मास्टर्स रैपिड शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। पश्चिमी यरूशलम के रमाडा होटल में आयोजित दो दिवसीय टूर्नामेंट में दस ग्रैंडमास्टर्स ने हिस्सा लिया, जिसमें दुनिया के पांच शीर्ष खिलाड़ी और पांच इजरायली राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी शामिल थे। उन्होंने राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा की और प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 15 मिनट का समय निर्धारित किया गया। स्विडलर ने 6.5 अंक हासिल किए और 30,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार जीता। वह केवल एक मैच हारे, (आखिरी दौर में अपने हमवतन डेनियल डुबोव के खिलाफ), हालांकि उन्होंने पहले ही पहला स्थान हासिल कर लिया था। उज्बेकिस्तान में आयोजित पिछली रैपिड विश्व शतरंज चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहने वाले डुबोव ने इस बार डचमैन जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के साथ दूसरा स्थान साझा किया, दोनों ने 5.5 अंक हासिल किए। चार टाई-ब्रेकिंग विधियों का उपयोग करने के बाद भी दोनों को अलग नहीं किया जा सका। वहीं, 290 खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ एक खुली प्रतियोगिता भी हुई, जिसे 18 वर्षीय इजरायली याहली सोकोलोव्स्की ने जीता, जिन्होंने नौ मैचों में आठ अंक प्राप्त किए।

दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा लेंगे युगांडा के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जोशुआ चेप्टेगी

नई दिल्ली। 10,000 मीटर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जोशुआ चेप्टेगी 2024 वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लेंगे।

युगांडा के स्टार धावक चेप्टेगी ने पेरिस ओलंपिक में जीत के बाद ट्रैक स्पर्धाओं से संन्यास ले लिया और यह स्पष्ट कर दिया कि अब वह मैराथन में भाग लेंगे। युगांडा एथलेटिक्स फेडरेशन (यूएएफ) के अध्यक्ष डोमिनिक ओटुचेट ने सिन्हुआ को बताया, चेप्टेगी भारत में 2024 वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लेंगे। वह बड़ी मैराथन स्पर्धाओं से पहले बेहतर तैयारी के लिए हाफ मैराथन का उपयोग करेंगे। पिछले सप्ताहांत युगांडा के इस स्टार ने नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में डैम टॉट डैमलूप 10-मील रेस के 38वें संस्करण में 45 मिनट और पांच सेकंड में दूसरा स्थान हासिल किया। ओटुचेट ने बताया कि चेप्टेगी को रोड रेस में जल्दी से ढलने के लिए कई हाफ मैराथन रेस में भाग लेने की आवश्यकता होगी। ओटुचेट ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि चेप्टेगी रोड रेस में सुधार करते रहेंगे क्योंकि वह एक दृढ़ निश्चयी और अनुशासित एथलीट हैं जो चैंपियन बनना जानते हैं। पेरिस 2024 में युगांडा के एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी 2025 में टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मैराथन के लिए क्वालीफाई करने पर भी अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए, उन्हें अगले साल क्वालीफाइंग रेस में 2:06:30 से कम का मैराथन समय निकालना होगा।

प्रो कबड्डी लीग का 11वां सीजन 18 अक्टूबर से होगा शुरु

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का 11वां संस्करण 18 अक्टूबर, 2024 से शुरू होगा। रितेश देशमुख, सुदीप किच्चा, आलिया भट्ट, भुवन बाम और क्रिकेट स्टार केएल राहुल और हार्दिक पांड्या जैसी कई हस्तियां लीग में दिखाई दे सकती हैं। इस सेलिब्रिटी समूह में सबसे आगे पीकेएल के ब्रांड एंबेसडर रितेश देशमुख और सुदीप किच्चा हैं। महाराष्ट्र के बॉलीवुड अभिनेता रितेश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों तरह की अपील लेकर आते हैं जो देश भर के प्रशंसकों से जुड़ती है। पीकेएल की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कन्नड़ सिनेमा की एक बड़ी हस्ती सुदीप किच्चा कर्नाटक में उत्साही प्रशंसक आधार को उत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बॉलीवुड सुपरस्टार आलिया भट्ट और डिजिटल सनसनी भुवन बाम भी सितारों से सजी इस सूची में शामिल हैं। आलिया भट्ट अपनी व्यापक अपील और प्रभाव के साथ युवा पीढ़ी को कबड्डी से जुड़ने के लिए प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। डिजिटल स्पेस में अग्रणी भुवन बाम अद्वितीय सामग्री सहयोग के माध्यम से पारंपरिक खेल प्रशंसकों और डिजिटल-प्रथम दर्शकों के बीच की खाई को पाटेंगे। भारत के दो सबसे बड़े जुनून- क्रिकेट और कबड्डी के मेल से देश के कुछ शीर्ष क्रिकेटर लीग का समर्थन करने के लिए आगे आए हैं। केएल राहुल और हार्दिक पांड्या पीकेएल के प्रचार में नजर आएंगे, जो कबड्डी और क्रिकेट को एक साथ जोड़ने वाले एथलेटिकिज्म, साहस और दृढ़ संकल्प के बीच समानताएं दर्शाते हैं। इस बार पीकेएल तीन शहरों के प्रारूप में लौटेगा।

यूपीसीए ने सुरक्षा चिंताओं को खारिज किया

कानपुर का ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम भारत-बांग्लादेश दूसरे टेस्ट के लिए तैयार

कानपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए तैयार है, लेकिन स्टेडियम की सुरक्षा, खासकर सी बालकनी को लेकर चिंता जताई जा रही है। हालांकि, उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के अधिकारी ने किसी भी तरह के सुरक्षा जोखिम से साफ इनकार किया है और प्रशंसकों को आश्वासन दिया है कि सभी जरूरी सावधानियां बरती गई हैं।

ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई हैं कि सी बालकनी, जिसमें आमतौर पर 10,000 दर्शक बैठ सकते हैं, संरचनात्मक रूप से कमजोर है और प्रशंसकों के वजन के कारण इसके गिरने का खतरा हो सकता है। इसके जवाब में, यूपीसीए ने स्थिति का आकलन करने के लिए लोक निर्माण विभाग और कानपुर के हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों को बुलाकर तेजी से कार्रवाई की।

गुरुवार को यूपीसीए के आयोजन स्थल निदेशक संजय कपूर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा, यह सब निराधार अफवाहें हैं कि प्रशंसकों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। बालकनी पर उपलब्ध 10,000 सीटों में से, हमें क्षमता को घटाकर 7,200 करने की सलाह दी गई है, और हम शेष 2,800 सीटों के लिए टिकट नहीं बेच रहे हैं।

कपूर ने जोर देकर कहा कि प्रशंसकों की सुरक्षा एसोसिएशन की सर्वोच्च प्राथमिकता है ।जनता को और अधिक आश्वस्त करने के लिए, यूपीसीए ने इस मैच के लिए स्टेडियम की कुल बैठने की क्षमता में पर्याप्त सुधार किया है।

कपूर ने कहा, सी बालकनी में कमी के बावजूद, हम पिछले मैच की तुलना में प्रशंसकों के लिए सीटों की संख्या में लगभग 6,000 की वृद्धि करने में सफल रहे हैं। अब हमारे पास इस टेस्ट में दर्शकों के लिए 26,007 सीटें उपलब्ध हैं। युवा दर्शकों को आकर्षित करने के लिए, यूपीसीए ने मैच के प्रत्येक दिन 3,000 स्कूली छात्रों के लिए सीटें आरक्षित की हैं।

इसके अलावा, कपूर ने पुष्टि की कि स्टेडियम की फ्लडलाइट्स पूरी तरह से चालू हैं। उन्होंने कहा, फ्लडलाइट्स ठीक से काम कर रही हैं और हर चीज की पूरी तरह से जांच की गई है। हम किसी भी मौसम की चुनौतियों के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल किसी भी प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए सुसज्जित है।

भारत के सबसे पुराने क्रिकेट स्थलों में से एक ग्रीन पार्क स्टेडियम की स्थापना 1945 में हुई थी और इसने 1952 में भारत और इंग्लैंड के बीच अपना पहला टेस्ट मैच आयोजित किया था। पिछले कुछ वर्षों में, स्टेडियम ने सभी प्रारूपों में कई प्रतिष्ठित मैच देखे हैं। हालाँकि इसकी शुरुआती बैठने की क्षमता लगभग 32,000 थी, लेकिन आधुनिकीकरण के प्रयासों और नए पवेलियन के निर्माण के कारण सीटों की संख्या में कमी आई है।

ऋषभ की आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दस में वापसी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष दस में पहुंच गये हैं। ऋषभ को बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में शतक लगाने का लाभ मिला है और इसी कारण वह रैंकिंग में ऊपर आये हैं। बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में खेले गए टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें 731 रेटिंग अंक प्राप्त हुए और वह टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के ही यशस्वी जायसवाल भी 751 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर कायम हैं। वहीं भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को रैंकिंग में नुकसान हुआ है। वह पांच स्थान नीचे फिसलकर 716 अंकों के साथ दसवें स्थान पर आ गये हैं। दूसरी ओर, गेंदबाजी रैंकिंग में श्रीलंका के प्रभात जयसूर्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से बेहतर रैंकिंग हासिल की है। जयसूर्या ने 9 विकेट लिए और 743 रेटिंग अंकों के साथ पांच पायदान ऊपर आकर टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में वह आठवें स्थान पर पहुंच गये। श्रीलंका के ही असिथा फर्नांडो 13वें स्थान पर फिसल गये हैं।

शाकिब ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लिया, कानपुर में भारत के खिलाफ हो सकता है आखिरी टेस्ट

कानपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन ने गुरुवार को टी20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की और यह भी पुष्टि की कि वह अगले महीने ढाका में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे। भावुक शाकिब ने गुरुवार को यह घोषणा भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की।

उन्होंने कहा, नए खिलाड़ियों को लाने का यह सही समय है। टी20आई के लिए भी यही दृष्टिकोण है। मैंने मुख्य चयनकर्ता और बीसीबी अध्यक्ष से बात की है और हम सभी को लगा कि आगे बढ़ने और नए खिलाड़ियों को मौका देने का यह सही समय है।

शाकिब ने खुलासा किया कि उन्होंने मीरपुर में अपने घरेलू दर्शकों के सामने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की इच्छा जताई है। हालांकि, अगर उनकी इच्छा पूरी नहीं होती है, तो भारत के खिलाफ मैच टेस्ट क्रिकेट में उनका आखिरी मैच होगा।

शाकिब ने कहा, मैंने मीरपुर में अपना आखिरी टेस्ट खेलने की इच्छा जताई है, अगर ऐसा नहीं होता है, तो भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट मेरा आखिरी टेस्ट होगा। उन्होंने आगे कहा, बांग्लादेश क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मैं इस प्रारूप में अपना आखिरी टेस्ट मैच घर पर ही देना चाहता हूँ। हालांकि, वह फ्रेंचाइजी लीग में खेलना जारी रखेंगे और राष्ट्रीय टीम में वापसी की संभावना से इनकार नहीं करते।

उन्होंने कहा, लेकिन अभी के लिए, आप कह सकते हैं कि मैं दोनों प्रारूपों से आगे बढ़ रहा हूं। अगर मैं टी20 लीग में अच्छा प्रदर्शन करता हूं और बीसीबी को लगता है कि उन्हें एक निश्चित समय के लिए टीम में मेरी जरूरत है, तो हम विचार कर सकते हैं। लेकिन अभी के लिए, यही है। शाकिब ने बांग्लादेश के लिए 129 टी-20आई मैचों में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने 121.18 की स्ट्राइक रेट से 2,551 रन बनाए। हालाँकि, गेंद के साथ उनका प्रभाव टीम के लिए अधिक महत्वपूर्ण साबित हुआ। 126 पारियों में, शाकिब ने 149 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/20 रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि शाकिब अल हसन का टेस्ट डेब्यू भी भारत के खिलाफ हुआ था। बांग्लादेश के लिए उनका पहला रेड-बॉल प्रदर्शन मई 2007 में चटगाँव में हुआ था, और तब से, उन्होंने अपने देश के लिए 70 टेस्ट मैच खेले हैं। अपने नाम एक शानदार रिकॉर्ड के साथ, शाकिब ने 4,600 रन बनाए हैं, जिसमें पाँच शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं, जिससे वह बांग्लादेश के टेस्ट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं - एक ऐसा स्थान जिसे शाकिब के अपने टेस्ट करियर के अंत तक बनाए रखने की संभावना है।

चेन्नइयन एससी को मोहम्मडन एससी के खिलाफ घर पर खेलने का मिलेगा फायदा

चेन्नई, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

चेन्नइयन एफसी की टीम आज शाम यहां जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में मोहम्मडन एससी के खिलाफ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में पहला घरेलू मुकाबला खेलेगी। मरीना माचांस ने सीजन के अपने शुरुआती अवे मैच में ओडिशा एफसी पर 3-2 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि मोहम्मडन एससी ने एफसी गोवा के साथ 1-1 से ड्रा खेलकर आईएसएल में पहली बार अंक हासिल किया।

चेन्नइयन एफसी घर वापसी से खुश होगी क्योंकि उसने घरेलू मैदान पर खेले गए पिछले सात मैचों में से पांच जीते हैं। सकारात्मक घरेलू प्रदर्शन ने पिछले सीजन में उसे प्लेऑफ पहुंचाया था। मोहम्मडन एससी आईएसएल में पहली बार अवे मैच खेलेगी। मोहम्मडन एससी ने अपने दूसरे आईएसएल मुकाबले में 18-यार्ड बॉक्स के अंदर से 15 शॉट लगाए। विपक्षी बॉक्स के अंदर आकर शॉट लगाने की ब्लैक पैंथर्स की प्रवृत्ति चेन्नइयन एफसी की डिफेंस को परेशान करेगी। स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल के अनुसार चेन्नइयन एफसी जहां भी खेलें, उसका इरादा हर मुकाबले से पूरे तीन अंक हासिल करना है। उन्होंने कहा, मैं जिस मानसिकता और एकाग्रता की बात करता हूं, उसे टीम बनाए रखती है। हमारे शुरुआती दस मैचों में से सात घर से बाहर हैं। इसलिए, चाहे घर हो या बाहर, हम जीत के लिए खेलते हैं। मोहम्मडन एससी के रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव ने अपने खिलाड़ियों के हौसलें पर गर्व व्यक्त किया। उन्हें उम्मीद है कि वे आगामी मैचों के लिए अच्छे से तैयार होने के लिए शारीरिक मजबूत पर काम करते रहेंगे। चेर्निशोव ने कहा, मेरे खिलाड़ी बढ़िया फुटबॉल खेल रहे हैं और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने आईएसएल में उपस्थिति दर्ज कराई है। लेकिन अब हमारे पास पर्याप्त समय नहीं है। हमें अब अवे मैच खेलना है। हम शारीरिक मजबूती पर काम जारी रखेंगे।

गोविंद के चार विकेट की मदद से गोंडा टाइटंस ने लवकुश नगर को दी मात, बाराबंकी और एनएचबी ने भी जीते मैच

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के तत्वावधान में डीपी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 23वां आदिकवि महर्षि वाल्मीकि क्रिकेट टूर्नामेंट में गोण्डा टाइटंस, एनएचबी व बाराबंकी घंटाघर इलेवन ने जीत से पूरे अंक जुटाए। गोण्डा टाइटंस व बाराबंकी घंटाघर ने दो मैच खेलते हुए एक-एक जीते।

चौक स्टेडियम पर पहले मैच में गोण्डा टाइटंस ने लवकुश नगर अभिराज इलेवन को 7 विकेट से हराया। लवकुश नगर अभिराज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट पर 84 रन बनाए। हिमांशु ने 34 व विक्की ने 22 रन जोड़े। गोण्डा टाइटंस से गोविंद को चार व वरुण को दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में गोण्डा टाइटन्स ने 8 ओवर में तीन विकेट पर 87 रन बनाकर मैच जीत लिया। गोविंद ने 23 व साहिल ने 18 रन बनाकर जीत दिलाई। हरफनमौला पारी खेलने वाले गोण्डा टाइटंस के गोविंद को मैन ऑफ द मैच व बेस्ट कैच का पुरस्कार वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के अध्यक्ष नरेश वाल्मीकि, आयोजन समिति के अध्यक्ष वाल्मीकि अंकित घावरी व महामंत्री आशीष घावरी ने दिया। इस अवसर पर रमन कुमार, मोहम्मद रियाज वाल्मीकि, आर वी घावरी, रिप्पी वाल्मीकि मौजूद थे।

दूसरे मैच में एनएचबी ने बाराबंकी घंटाघर इलेवन को 10 रन से हराया। एनएचबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जयकिशन के 25 व करन के 17 रन से 5 विकेट पर 86 रन बनाए। बाराबंकी घंटाघर से सूरज व कामेश को दो-दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में बाराबंकी घंटाघर 8 विकेट पर 76 रन ही बना सका। एनएचबी से मैन ऑफ द मैच सचिन को तीन एवं यश व सुमित को दो-दो विकेट की सफलता मिली। बेस्ट कैच का पुरस्कार बाराबंकी घंटाघर के अभिषेक को मिला।

तीसरे मैच में बाराबंकी घंटाघर इलेवन ने गोण्डा टाइटंस को 78 रन से हराया। बाराबंकी घंटाघर इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 108 रन बनाए। जवाब में गोण्डा टाइटन्स आठ ओवर में 30 रन बना सका। बाराबंकी घंटाघर इलेवन से अक्षय को चार व मैन ऑफ द मैच कामेश को तीन विकेट की सफलता मिली। बेस्ट कैच का पुरस्कार बाराबंकी घंटाघर के सूरज को मिला।

राहुल वापसी करेंगे, हमारी भूमिका उनकी प्रगति में सहयोग करना है: नायर

कानपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है, ऐसे में सभी की निगाहें केएल राहुल पर टिकी हैं, जो लंबे समय से चोटिल होने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

35 के आसपास औसत और लगातार खराब प्रदर्शन के साथ, राहुल के हालिया फॉर्म ने टीम में उनकी जगह पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर अनुभवी बल्लेबाज के फॉर्म में लौटने को लेकर आशावादी हैं। दूसरे महत्वपूर्ण टेस्ट से पहले नायर ने राहुल की हालिया चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन कठिन दौर में खिलाड़ियों का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया।

नायर ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम सभी जानते हैं कि राहुल किस तरह के खिलाड़ी हैं। उनके पास अनुभव और प्रतिभा है, लेकिन हर क्रिकेटर ऐसे दौर से गुजरता है, जहां चीजें ठीक नहीं होती हैं। ऐसे समय में एक कोचिंग टीम के रूप में हमारी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, हमें उन्हें आगे बढ़ने में मदद करना है।

राहुल ने दलीप ट्रॉफी की अपनी एकमात्र पारी में शुरुआती सत्र में 111 गेंदों पर 37 रन बनाए। महत्वपूर्ण मौकों पर निर्णायकता की कमी और आक्रामक स्ट्रोक का उपयोग करने की अनिच्छा के कारण उनकी आलोचना की गई। स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाने में उनकी हिचकिचाहट पर लोगों ने सवाल उठाए। दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 57 रन की उनकी पारी आंशिक रूप से उनकी वापसी थी, क्योंकि चुनौतीपूर्ण 276 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी मुख्य जिम्मेदारी लगातार विकेट पतन के बीच एक छोर थामे रखना था।

नायर ने कहा, जब आप भारत के लिए खेल रहे होते हैं, तो आपको प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती है। कभी-कभी यह सिर्फ दिशा की बात होती है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने खेल को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। हां, ऐसे समय होते हैं जब कोई खिलाड़ी अपने पैर जमाने लगता है। मुझे लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में, जब वह वहां थे, तो उन्होंने भारत के लिए जबरदस्त पारियां खेली थीं।

उन्होंने कहा, इसलिए हम गौतम (गंभीर) के संयोजन से बहुत आशान्वित हैं और मैंने उनसे इस बारे में चर्चा की है कि उम्मीद है कि हम केएल में भी बदलाव ला सकते हैं। इन चीजों में कभी-कभी समय लगता है। मुझे पता है कि हमने उन्हें दूसरी पारी में ज्यादा मौके नहीं दिए। लेकिन जिस तरह से वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रहे थे, हम उनसे इसी तरह की क्रिकेट की उम्मीद कर रहे थे। और मुझे पूरा यकीन है कि आगे चलकर आप उनसे उम्मीदें और प्रदर्शन देखेंगे।

हालांकि, राहुल को चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में और भी संघर्ष करना पड़ा, जब वह मध्यक्रम में कभी भी सहज नहीं दिखे। भारत के शीर्ष क्रम के ढहने के बाद, 32 वर्षीय खिलाड़ी ऐसे समय में आए जब टीम को एक ठोस साझेदारी की जरूरत थी। उन्होंने 16 रन के लिए 52 गेंदों का सामना किया। प्रशंसकों और पंडितों ने दबाव की स्थिति में उनकी सोच और बल्लेबाजी की रणनीति पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि उनमें दृढ़ता की कमी है और वे स्थिति का फायदा उठाने में विफल रहे हैं।

भारत कानपुर टेस्ट के करीब पहुंच रहा है, इसलिए टीम का चयन अप्रत्याशित पिच स्थितियों से काफी प्रभावित होगा। नायर ने पुष्टि की कि भारत खेल के दिन के कारकों के आधार पर प्लेइंग इलेवन का फैसला करेगा, क्योंकि ग्रीन पार्क में दो पिचें तैयार की गई हैं - एक काली मिट्टी की सतह, जिससे स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है और दूसरी लाल मिट्टी की विकेट जो शुरुआत में तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती है।

नायर ने कहा, टीम संयोजन तय करने में परिस्थितियां एक बड़ा कारक होंगी। हर कोई उपलब्ध है, और हम अपनी इलेवन को अंतिम रूप देने से पहले कल देखेंगे कि पिच कैसा व्यवहार करती है।

कोच ने टीम के भीतर व्यापक नेतृत्व संरचना पर भी विचार किया, जिसमें शुभमन गिल और ऋषभ पंत सहित संभावित कप्तानों की अगली पीढ़ी पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा, हमारे पास शुभमन और ऋषभ जैसे खिलाड़ियों के साथ आदर्श कप्तान बनने की संभावना है। उनके क्रिकेट दिमाग उनकी उम्र से कहीं अधिक परिपक्व हो गए हैं।

नायर ने बताया कि जब युवा खिलाड़ी इतनी तेजी से नेतृत्व क्षमता विकसित कर रहे हैं, तो हमें किसी नामित उप-कप्तान की जरूरत नहीं है। टेस्ट मैच से एक दिन पहले, गुरुवार को कानपुर में बादल छाए हुए हैं, मैच के शुरुआती दो दिनों में बारिश की संभावना अधिक है। एक्यूवेदर के अनुसार, मैदान पर बादल छाए रहेंगे।

संपादकीय

बेरोजगारी से स्वरोजगार

आवधिक श्रम बल सर्वे रपट के अनुसार, देश में बेरोजगारी घट रही है और मौजूदा दर 3.2 फीसदी पर ठहर गई है। यह डाटा सरकारी है, लिहाजा उसे ही विश्वसनीय आधार मान कर आकलन किए जाते हैं। भारत में बेरोजगारी दर अमरीका, यूरोप, चीन, अरब देश की तुलना में सबसे कम है, लेकिन आज भी गोवा, पंजाब, राजस्थान, केरल आदि राज्यों में बेरोजगारी राष्ट्रीय औसत से अब भी अधिक है। यदि समुदायों का डाटा देखा जाए, तो अल्पसंख्यक सिखों में सबसे अधिक बेरोजगारी है। हिंदू और सवर्ण भी काफी बेरोजगार हैं। हालांकि बीते छह सालों में बेरोजगारी दर आधी रह गई है। सुखद यह है कि 25 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में काम करने वालों अथवा काम तलाश करने वालों की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। यह दर सिक्किम में सर्वाधिक 60.5 फीसदी है। छत्तीसगढ़ में यह दर 51.3 फीसदी है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र में क्रमशः 45.2 फीसदी और 44.5 फीसदी है। राजस्थान और पंजाब में कामकाजी आबादी की दर 40 फीसदी से अधिक है, लेकिन बिहार, उप्र, झारखंड जैसे राज्यों में यह दर सबसे कम है। जब आवधिक श्रम बल सर्वे की रपट का अध्ययन करते हैं, तो महिलाओं की श्रम-बाजार में हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इसी के साथ स्व-रोजगार का रुझान भी बढ़ा है। भारत में स्व-रोजगार की परिभाषा और क्षेत्र ही सवालिया हैं। रेहड़ी-पटरीवालों से लेकर परचून के दुकानदार, कृषि और लघु, सूक्ष्म उद्यमी सभी स्व-रोजगार की परिधि में आते हैं, लिहाजा उनकी आय अलग-अलग है। स्व-रोजगार के तहत जो स्थितियां लघु और सूक्ष्म उद्योगों की चीन में है, उसकी तुलना में भारत काफी पीछे है। रपट खुलासा करती है कि यदि एक नौकरीपेशा व्यक्ति को 21,000 रुपए से अधिक माहवार वेतन मिलता है, तो स्व-रोजगार वाले की औसतन आय 17,000 रुपए से कुछ अधिक है। जाहिर है कि कोई व्यक्ति नियमित और निश्चित आय वाली नौकरी छोड़ कर कम आय वाले और बेहद असुरक्षित स्व-रोजगार में जाना पसंद नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार स्व-रोजगार को प्रोत्साहन देती रही है, लेकिन उसकी परिस्थितियां बदलनी चाहिए, ताकि स्व-रोजगार से भी बेहतर आमदनी प्राप्त की जा सके। देश में स्व-रोजगार वाले 58.4 फीसदी लोग हैं, नौकरी वाले 21.7 फीसदी और दिहाड़ीदार 19.8 फीसदी लोग हैं। स्व-रोजगार वाले 39 फीसदी लोग अकेले ही काम करते हैं, जबकि 19.4 फीसदी अपने परिवार के कारोबार में हाथ बंटाते हैं। उन्हें अलग से कोई वेतन नहीं दिया जाता। कृषि क्षेत्र में सबसे ज्यादा 82 फीसदी स्व-रोजगार वाले हैं। करीब 17 फीसदी दिहाड़ीदार भी खुद को स्व-रोजगारी मानते हैं। देश में स्व-रोजगार वाले सर्वाधिक 72.9 फीसदी अरुणाचल प्रदेश में हैं। उप्र में भी 72.7 फीसदी स्व-रोजगारी हैं। इस रपट के जरिए एक आश्चर्यजनक डाटा सामने आया है कि हरियाणा में चुनाव से कुछ दिन पहले ही सार्वजनिक किया गया है कि हरियाणा में बेरोजगारी सबसे अधिक घटी है। सर्वे के मुताबिक, यह दर 3.4 फीसदी है, जो 2022-23 में 6.1 फीसदी थी। तब गोवा की यह दर सर्वाधिक 9.7 फीसदी होती थी। मप्र एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां बेरोजगारी दर 0.9 फीसदी है। इस सूची में दूसरे स्थान पर गुजरात (1.1 फीसदी) और तीसरे स्थान पर झारखंड (1.3 फीसदी) है। बहरहाल यदि स्व-रोजगार के क्षेत्र में सुधार लाए जाएंगे, तो औसत नौकरी के लिए मारा-मारी भी कम होगी, नतीजतन बेरोजगारी दर भी कम होती रहेगी। यह तथ्य भी सामने आया है कि नौकरीपेशा को वेतन के अलावा अन्य सुविधाएं भी न देनी पड़ें, लिहाजा नियोक्ता 61.1 फीसदी कर्मचारियों को नियुक्ति-पत्र ही नहीं देते हैं। दूसरी तरफ दिहाड़ीदार मजदूरों की संख्या कम होती जा रही है, जाहिर है कि कल-कारखानों में उत्पादन, निर्माण घटा है अथवा लघु उद्योग निष्क्रिय होते जा रहे हैं। नतीजा यह है कि जो मजदूर बेरोजगार होते हैं, वे अपने गांव या पैतृक स्थान लौटने लगते हैं। फिर वे खेती या अन्य पारिवारिक कारोबार में काम करने लगते हैं। बुनियादी तौर पर ऐसे लोग बेरोजगार हैं, लेकिन सरकारी डाटा में उन्हें स्व-रोजगारी बताया गया है। सबसे चिंतित डाटा यह है कि 15-29 आयु वर्ग में जो बेरोजगार होते हैं, वे औसत बेरोजगारी दर से तीन गुना अधिक हैं और वह संख्या बीते एक अंतराल से घट नहीं पा रही है। बेरोजगारी के मुद्दे पर मृग-मरीचिका वाली स्थिति भी है, लिहाजा उन भ्रमित आंकड़ों समेत विश्लेषण किया जाना चाहिए।

भारत में बेरोजगारी दर अमरीका, यूरोप, चीन, अरब देश की तुलना में सबसे कम है, लेकिन आज भी गोवा, पंजाब, राजस्थान, केरल आदि राज्यों में बेरोजगारी राष्ट्रीय औसत से अब भी अधिक है। यदि समुदायों का डाटा देखा जाए, तो अल्पसंख्यक सिखों में सबसे अधिक बेरोजगारी है। हिंदू और सवर्ण भी काफी बेरोजगार हैं। हालांकि बीते छह सालों में बेरोजगारी दर आधी रह गई है। सुखद यह है कि 25 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में काम करने वालों अथवा काम तलाश करने वालों की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। यह दर सिक्किम में सर्वाधिक 60 .5 फीसदी है। छत्तीसगढ़ में यह दर 51 .3 फीसदी है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र में क्रमश : 45 .2 फीसदी और 44 .5 फीसदी है।

यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में भारतीय रेल की दमदार धमक, दुनिया भर के सैलानियों को लुभाती हैं यहां की माउंटेन ट्रेनें

रेलवे ने पर्यटन उद्योग को दी नई उड़ान और पहचान

मनोज कुमार झा

ऐसे तो भारत के कई पर्यटन स्थल बहुत पहले से ही विश्व के आकर्षण का केंद्र रहे हैं, लेकिन हाल के कुछ वर्षों या दशकों पर गौर करें तो देश के कई नए और अपेक्षाकृत कम चर्चित स्थलों ने दुनियाभर के सैलानियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसमें रेलवे का योगदान सबसे ज़्यादा है। पिछले कुछ सालों में रेलवे ने पर्यटन के क्षेत्र को जिस तरह अपनी प्राथमिकताओं में शुमार किया है, उससे भारत में सैलानियों का भरोसा तेज़ी से बढ़ा है। इसके तहत रेलवे ने न सिर्फ कई नई और विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है, बल्कि पर्यटन को अपनी प्राथमिकताओं में बनाए रखने के बहुविध अन्य उपाय भी सुनिश्चित किए हैं। दुर्गम पहाड़ी इलाक़ों में रेलवे की कई ट्रेन सेवाएं दुनिया भर के सैलानियों को आज भी लुभाती हैं। इन सेवाओं को यूनेस्को ने अपनी विश्व विरासत सूची में भी रखा हुआ है।

पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में रेलवे के ईमानदार और ठोस प्रयास का सबसे बड़ा प्रमाण वित्त वर्ष 2024-25 का केंद्रीय बजट है। इसमें रेलवे को करीब 2.62 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम आवंटन हुआ है। यात्रा और पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के उद्देश्य से रेलवे ने इस आवंटित राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से आधुनिकीकरण और सुरक्षा के मद पर केंद्रित कर रखा है। इसके तहत देश भर में ज़्यादा से ज्यादा वंदे भारत एक्सप्रेस, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, आस्था स्पेशल या भारत गौरव ट्रेनों का सुरक्षित और द्रुत परिचालन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बताने की ज़रूरत नहीं कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की मांग देश भर से उठ रही है। इसकी लोकप्रियता का आलम यह है कि 2022 तक देश भर में जहां इसकी संख्या महज चार थी, वह आज सौ का आंकड़ा पार कर चुकी है। आज पूरे देश में 102 वंदे भारत कुल 29.5 हजार फेरे लगाकर ढाई करोड़ से ज्यादा यात्रियों को द्रुत, आरामदायक और रोमांचक सफर का अहसास करा रही है। पूरी तरह स्वदेश निर्मित इस ट्रेन को आज कई अन्य देश चमत्कृत भाव से देख रहे हैं। अत्याधुनिक कवच प्रणाली से लैस सेमी-हाई स्पीड श्रेणी में वंदे भारत आज दुनिया भर के रेल तंत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। पर्यटकों ने भी इस शानदार ट्रेन को हाथोंहाथ लिया है। देश के विभिन्न पर्यटन व धर्मस्थलों तक के सफर के लिए सैलानी इस पर जबरदस्त भरोसा दिखा रहे हैं।

वंदे भारत की तरह ही वंदे स्लीपर ट्रेन और आस्था स्पेशल या भारत गौरव ट्रेनें भी पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रही हैं। तमाम आधुनिक सुविधाओं से लैस और आरामदायक सफर का अहसास करा रही ये ट्रेनों बता रही हैं कि यदि इच्छाशक्ति मज़बूत हो तो कायाकल्प किया जा सकता है। रेलवे वर्तमान में कुछ ऐसा ही कुछ अहसास करा रही है। वंदे भारत श्रेणी की ट्रेनें जहां गति, शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक बन गई है, वहीं भारत गौरव ट्रेन का सफ़र पर्यटकों को भारतीय विरासत के साथ-साथ कला और संस्कृति के विविध आयामों का भी दिग्दर्शन कराता है। पर्यटन और विरासत के प्रति भारतीय रेल के समर्पण और प्रतिबद्धता की सबसे बड़ी गवाही यूनेस्को की विश्व विरासत सूची को माना जा सकता है। इसमें भारतीय रेल के कुल 34 स्थलों को शामिल किया गया है। इनमें विभिन्न रेल प्रतिष्ठानों पर स्थित संग्रहालयों, हैरिटेज उद्यान और वीथियों के अलावा कई माउंटेन ट्रेनें भी हैं। दार्जिलिंग-हिमालयन रेलवे मार्ग पर समुद्र तल से 7407 फीट की ऊंचाई पर स्थित घुम स्टेशन तो दुनियाभर के पर्यटकों के आकर्षण का विशेष केंद्र है। इसी प्रकार नीलगिरी माउंटेन रेल और कालका-शिमला रेल भी जहां भारत की अन्य हसीन वादियों का सफर कराती है तो मुंबई स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्थापत्य के क्षेत्र में यूरोप की गौथिक शैली का बेजोड़ नमूना प्रदर्शित करता है।

भारत में पिछले साल 92 लाख से ज़्यादा विदेशी पर्यटक आए। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश के अंदर आवागमन के लिए इन विदेशी मेहमानों ने रेल के सुगम, सुरक्षित और द्रुत सफ़र का जमकर आनंद लिया।कह सकते हैं कि भारतीय रेल के बदलते चेहरे के साथ-साथ पर्यटन उद्योग भी कुलांचे भर रहा है।

दृष्टिकोण

डिजिटल इंडिया पर भारी साइबर ठगी

भारत में अब डिजिटलाइजेशन के चलते फल-सब्जी, दूध-राशन इत्यादि खरीदने से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक सब कुछ कैश पेमेंट के बिना आसानी से खरीदा-बेचा जा रहा है। डिजिटलाइजेशन ने जिंदगी को इतना आसान बना दिया है कि अब बैंक की लंबी लाइन में लगे बिना बिजली-पानी-बीमा का भुगतान घर बैठे हो रहा है और एक रुपए से लेकर लाखों तक का डिजिटल ट्रांजैक्शन महज एक क्लिक पर हो रहा है। लेकिन वहीं साइबर अपराधों में हो रही बढ़ोत्तरी ने लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाना भी शुरू कर दी है। पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के पालमपुर की एक महिला से 20 लाख 38 हजार रुपए की ठगी का मामला साइबर थाना धर्मशाला में दर्ज हुआ है, जबकि हिमाचल में पिछले साढ़े सात महीनों में 44 करोड़ रुपए के फाइनांशियल फ्रॉड के मामले दर्ज हुए हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के अनुसार अप्रैल 2024 तक 740957 से ज्यादा साइबर फ्रॉड की शिकायतें पूरे भारतवर्ष में दर्ज की गई हैं, जबकि जनवरी से अप्रैल के बीच 1750 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की गई। पिछले आठ महीनों में हिमाचल के साइबर थानों में करीब 110 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिसमें लोगों ने अपने आप रुपयों को दोगुना करने के चक्कर में या फिर अज्ञानतावश अपनी धनराशि गंवा दी है। साइबर सैल द्वारा पिछले साढ़े सात माह के मामलों की जांच में पाया गया कि इनमें सबसे अधिक 40 फीसदी मामले इन्वैस्टमैंट फ्रॉड के हैं, 30 फीसदी फ्रॉड स्टॉक मार्किट से जुड़े हुए थे, 15 से 20 फीसदी मामले ब्लॉक चेन के सामने आए हैं, जबकि 10 प्रतिशत मामले ठगी के होते हैं, जिसमें बच्चे को पकडऩे सहित कई अन्य बातें कहकर पैसे ऐंठे जाते हैं। 5 फीसदी मामले रंगदारी के भी सामने आए हैं। हिमाचल प्रदेश के शास्त्री प्रदीप कुमार ने अपने फेसबुक अकॉउंट में सूचित किया है कि किसी ने उनके बैंक अकॉउंट से 14800 रुपए निकाल लिए हैं। फेसबुक अकाऊंट हैक कर परिचितों से रुपए मांगने के मामले तो आम ही हो चुके हैं। साइबर ठगों द्वारा ठगी के यह मामले कोई नए नहीं हैं, बल्कि इस तरह के मामले पूरे भारत से आए दिन सामने आते रहते हैं। केंद्र सरकार ने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाने का फैसला किया है। साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के लिए सीएफएमसी बनाया गया है। इसी तरह से समन्वय प्लेटफार्म साइबर अपराध के आंकड़े संग्रहित करने, साइबर अपराध का मानचित्र बनाने, उनका विश्लेषण करने के साथ ही साइबर अपराध के विरुद्ध काम करने वाली एजेंसियों के लिए वन स्टाप पोर्टल के रूप में काम करेगा। साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए साइबर कमांडो तैनात किए जाएंगे। विशेष रूप से प्रशिक्षित साइबर कमांडो साइबर धोखाखड़ी करने वालों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर सकेंगे। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने साइबर कमांडो के साथ-साथ साइबर फ्राड मिटिगेशन सेंटर (सीएफएमसी), साइबर क्राइम की जांच में जुटी एजेंसियों के लिए समन्वय प्लेटफार्म और संदिग्ध साइबर अपराधियों की राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाने की नई योजनाओं को लांच किया है। हिमाचल में यदि कोई व्यक्ति साइबर क्राइम का शिकार हो चुका है तो वह तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम पुलिस थाना मंडी के लैंडलाइन नंबर 01905-226900 या संबंधित ईमेल पर संपर्क करें और अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। भारतीय कानून के तहत, साइबर अपराधों से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000 (आईटी अधिनियम) के तहत निपटा जाता है। आईटी अधिनियम के तहत साइबर अपराध करने के लिए दंड का भी प्रावधान है। जैसे हैकिंग के लिए आईटी अधिनियम की धारा 66 के तहत हैकिंग की सजा तीन साल तक की कैद या पांच लाख रुपए तक का जुर्माना या दोनों है। पहचान की चोरी आईटी अधिनियम की धारा 66 सी के तहत एक अपराध है। आईटी अधिनियम की धारा 67 के तहत अश्लील सामग्री का प्रकाशन या प्रसारण अपराध है। साइबर स्टाकिंग भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354-डी और आईटी अधिनियम की धारा 66-ई के तहत एक अपराध है। यद्यपि इंटरनेट के आगमन ने हमारे जीवन में नवीनतम सुविधाओं का संसार तो खोल दिया है, लेकिन ऑनलाइन धोखाधड़ी के द्वार भी खोल दिए हैं, जो आज की डिजिटल दुनिया में एक गंभीर चिंता का विषय है। ऑनलाइन धोखाधड़ी में आपराधिक गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल है जो वित्तीय लाभ के लिए व्यक्तियों या संगठनों का शोषण करती है। इन गतिविधियों में फिशिंग, पहचान की चोरी, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और ऑनलाइन घोटाले शामिल हैं। ऐसे मामलों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बीते दिनों नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल लॉन्च किया है। ठगी से बचने के लिए जरूरी है कि यदि किसी भी व्यक्ति को किसी अज्ञात व्यक्ति/नंबर से किसी सोशल मीडिया व्हाट्सएप, फेसबुक या टेलीग्राम के ग्रुप में जोड़ा जाता है तो उस स्थिति में तुरंत उस ग्रुप को छोड़ दें। ऑनलाइन मनी इन्वेस्ट करते समय ऐप या वेबसाइट के बारे में क्रॉस चेक जरूर करें। कर्ज देने वाले ऐप्स का इस्तेमाल न करें। इन्वेस्टमेंट और ट्रेडिंग ऐप्स का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहें।

कुछ अलग

धूमिल होती इबारतें...

बहुत दिन नहीं बीते जब सभी सरकारी उपक्रमों में बड़े-बड़े बोर्ड लगे रहते थे कि रिश्वत लेना और देना अपराध है। इसके बाद भीख मांगना भी एक अपराध है, भी बहुत दिन तक घोषित रहा तो शहरों और कस्बों के चौराहों पर भिखारी ब्रिगेडों ने एक नियोजित ढंग से भीख मांगने को एक धंधा अपना लिया। इसके साथ ही साथ एक और वर्ग उभरा बीच के लोगों और मध्यजनों का वर्ग। ये लोग आपको हर सुविधा केन्द्र की असुविधा खत्म करने के लिए जनता जनार्दन और नौकरशाही के बीच एक पुल का काम करते मिल जाएंगे। सुविधा केन्द्रों से लेकर बड़े-बड़े देशी-विदेशी व्यापार समझौते में इनका बोलबाला रहता है। जिसे कभी रिश्वत कहा जाता था, वह बालाई आमदन कहलाती रही, जिसमें से मरभुक्खों की मलाई की महक आने लगती थी। लेकिन वक्त की चाल के साथ अब रिश्वत लेना और देना एक अपराध है, की समझ इतनी बासी हो गई है कि यह एक जरूरी भुगतान बन गई है। व्यवसायी अपने बिलों में जीएसटी की हेराफेरी कर लें तो कर लें, रिश्वत की दर के इस अनिवार्य भुगतान से छुटकारा नहीं पा सकते। अब तो इसे जेब गर्म करने का सभ्य नाम भी दे दिया गया है। जो इसकी भुगतान दरों की पूरी जानकारी नहीं रखता, उसे किसी आदि या आदिभौतिक काल का मानव मान लिया जाता है। ऊपर की आमदन का यह रूप स्वीकार करते हुए आज न किसी के हाथ मैले होते हैं और न किसी की अंतरात्मा कचोटती है, बल्कि अगर कोई अपनी पंगु से पंगु कुर्सी से भी इस वसूली का वसीला न पैदा कर सके तो उसकी अंतरात्मा उसे कचोटने लगती है। इन बातों से आजकल कोई नहीं चौंकता कि अब शहरों और कस्बों के चौराहों पर बड़े नियोजित ढंग से भीख मांगी जाती है। जैसे आजकल बीमारियों का वैश्वीकरण हो गया है, इसी प्रकार इसी भीख और खैरात को भी वैधानिक अथवा अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दे दिया गया लगता है। आजकल सरकारी मंचों से राष्ट्रीय नीतियों की घोषणा में भी वंचित और अभावग्रस्त लोगों के लिए नए काम धंधों की योजनाओं की घोषणा नहीं होती, बल्कि इस दावे के साथ कि उनके राज्य में किसी को भूखा नहीं मरने दिया जाए, मुफ्त अनाज बांटने के महीने बढ़ाने की घोषणा कर देते हैं। लेकिन इस घोषणा के बावजूद वंचित और अभावग्रस्त लोगों के मरते हुए चेहरों पर कोई मुस्कान नहीं लौटती, बल्कि वे लोग मुस्कराते ही नहीं, सामूहिक एहसास करते हैं, जिनकी यह खैरात बांटने पर ड्यूटी लगती है। तब पुराने मुहावरे सार्थक होने लगते हैं कि 'अन्धा बांटे रेवडियां, मुड़-मुड़ अपनों को दे।' और अपनों को देने के नाम पर भी आजकल राजनीतिक शतरंज होने लगी है। खैरात की ये रेवडियां नेतागण अपने-अपने चोर ठिकानों पर रखने लगे हैं। इन चोर ठिकानों पर प्रतिद्वंद्वी नेताओं के छापे पड़ रहे हैं कि देखो इस नेता ने अपनों को पटाने के लिए खैरात की रेवडियां यहां छिपा रखी हैं। वंचित तो इसकी भनक पाने के लिए तरस गए और नेताओं के समर्थक फर्जी लाचारों के ओसारे इस खैरात से भर गए। इस बात पर अगर बहुत धूल उड़े तो एक और रास्ता निकल आता है। इसे 'न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी' का रास्ता कहते हैं। बस यही घोषणा करते रहो कि तेल ही नौ मन नहीं हुआ, अब राधा कैसे नाच ले। जनाब, आज की इस राजनीति ने तो मध्यजनों के मुखौटे भी बदल दिए। अब इन्हें दलाल कहने की गुस्ताखी कोई नहीं करता। ये लोग राजनीति से लेकर सामाजिक उपलब्धियों का पुल बन गए हैं, मध्यजन कहलाते हैं। इनके बिना तो आज के सार्वजनिक जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह काम को उसकी मंजिल तक पहुंचाने का शुल्क लेते हैं, जो इन मध्यजनों को उनकी मेहनत के लिए अदा किया जाता है।

देश दुनिया से

नीयत, नियति और हम

हम किसी न किसी काम में लगे ही रहते हैं। काम करना सिर्फ दिखाई देने वाली क्रिया ही नहीं है। सांस लेना भी काम है, चुपचाप बैठना भी काम है, गपशप भी काम है, सोचना भी काम है। हमारे बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे समाज में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ती है, रुतबा बढ़ता है, संपर्क बढ़ते हैं और हम प्रशंसा के पात्र बनते हैं। इसके बावजूद सच यही है कि हम जानते हैं कि जिस काम के कारण हमें इतनी प्रशंसा मिल रही है, वह असल में गलत है। इसी तरह बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे हमें निंदा का, अपमान का, आलोचना का, बदनामी का भाजन बनना पड़ता है। बहुत बार जब हमारे आसपास के लोग या वृहत्तर समाज हमें गलत मानता है, हमारे कामों या विचारों से सहमत नहीं होता, तब भी हम हमेशा गलत ही हों, यह आवश्यक नहीं है। किसी काम के साथ परिप्रेक्ष्य का, संदर्भ का और उससे भी बड़ी बात नीयत का समझा जाना भी जरूरी है, तभी असल में हम सही नतीजे पर पहुंच सकते हैं। हमारा कोई ऐसा काम जिसे समाज पुण्य मानता है, यहां तक कि हम खुद भी उसे पुण्य मानकर करते हों, और इच्छा हो कि इस काम के कारण प्रशंसा मिले, पद मिले, पदोन्नति हो, तो वह नीयत सांसारिक है, आध्यात्मिक नहीं। दान देना, पूजा-पाठ करना, मंदिर या किसी अन्य पूजा स्थल पर जाना, किसी की सहायता करना, किसी की प्रशंसा करना, किसी का हौसला बढ़ाना, किसी को कुछ हुनर सिखाना, किसी को ज्ञान देना, किसी का मार्गदर्शन करना आदि अच्छे काम हैं। ऐसे सभी काम, पुण्य के काम माने जाते हैं, लेकिन यदि ऐसे किसी काम को करते हुए हमारी इच्छा यह हो कि लोग देखेंगे तो प्रशंसा करेंगे, तो वह काम अच्छा होते हुए भी पुण्य कर्म में नहीं गिना जाएगा, क्योंकि उस काम के पीछे दरअसल हमारा स्वार्थ छिपा है। इसके विपरीत, यदि हमने किसी को डांटा, पर इस नीयत से डांटा कि वह व्यक्ति खुद में सुधार ला सके, जीवन में आगे बढ़ सके, ज्यादा सफल हो सके, सेहतमंद हो सके, लोकप्रिय हो सके, तो डांट भी पुण्य कार्य है। कोई कातिल अपने शिकार का पीछा कर रहा हो ताकि मौका लगने पर उसे कत्ल कर सके, और हमें यह पता हो, तो भी अगर हम कातिल को बता दें कि उसका शिकार होने वाला व्यक्ति किस तरफ गया है, या कहां मिलेगा, तो हम उस हिंसा में शामिल हो गए, फिर वह हमारा पाप कर्म बन गया। हमने कत्ल नहीं किया, लेकिन हमने कातिल का काम आसान कर दिया, तो हम उस पाप कर्म में शामिल हो गए। लेकिन अगर हमें मालूम न हो कि कातिल की नीयत क्या है, और कातिल की नीयत से अनजान होने के कारण अगर हमने कातिल को उसके शिकार का पता बता दिया तो हमसे गलती हुई, पर हम उस पाप कर्म में शामिल नहीं हैं। अगर हमें कातिल की नीयत का पता हो और हमें यह भी पता हो कि उसका शिकार कहां है, लेकिन कातिल के पूछने पर हम उसे ऐसा पता बता दें जहां उसका शिकार नहीं है, या यह कह दें कि हमें पता ही नहीं है, तो हमने झूठ बोला, लेकिन इस झूठ के पीछे नीयत यह है कि किसी की जान बच जाए, कत्ल होने से बच जाए, तो झूठ बोलने के बावजूद परमात्मा की नजर में वह काम गलत नहीं है, उसे हमारे पाप-कर्मों में नहीं जोड़ा जाएगा। जब हम अध्यात्म की ओर कदम बढ़ाते हैं तो धीरे-धीरे हमें ये सच समझ में आने लगता है कि अच्छा या बुरा काम, पुण्य या पाप के रूप में नहीं बांटा जा सकता, यानी, वो अच्छे काम भी पुण्य नहीं माने जा सकते जिनके करने में हमारा अपना कोई स्वार्थ हो, आकांक्षा हो, इच्छा हो, वासना हो, या हम उसे पुण्य अथवा मोक्ष पाने की लालसा में कर रहे हों। इसी तरह बचपन के अज्ञान में की गईं हमारी गलतियां, अनजाने में हुई गलतियां, किसी का भला करने के लिए डांटना, काम में अड़चनें डालना, या किसी का नुकसान होने से बचाने के लिए कोई झूठ बोलना आदि हमारे पाप-कर्म में शामिल नहीं होते। यह समझना आवश्यक है कि हम अपने हर काम के साथ जुड़ी नीयत को समझें, उसका विश्लेषण करें और यह देखें कि कर्म करते हुए हम उससे आसक्त हैं या हमें उसके फल की चिंता नहीं है। सिर्फ यही एक तरीका है जिससे हम सचमुच परमात्मा की शरण में जाकर अपनी नियति बदल सकते हैं। अपने हर जन्म में हम अपने पिछले कई जन्मों के संस्कार और संचित कर्मों का भंडार लेकर आते हैं। हमारे संचित कर्म इस जन्म में हमारा भाग्य बन जाते हैं और इस जीवन के हमारे कर्म और पिछले जन्मों के संचित कर्म मिलकर हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं। इसीलिए कई बार हम समझ नहीं पाते कि हमारे साथ जो हो रहा है, वह क्यों हो रहा है। श्रीमद्भगवद् गीता में मुरलीधर भगवान श्री कृष्ण ने निष्काम कर्म की व्याख्या की तो यही कहा कि कर्म पर हमारा अधिकार है, पर उसके फल पर नहीं, तो इसका मतलब यही है कि हम इस बात के लिए स्वतंत्र हैं कि हम क्या करें, पर एक बार जब हमने कोई काम कर डाला तो फिर उसका फल क्या हो, कब हो, इस पर हमारा अधिकार इसलिए नहीं है क्योंकि उस एक कर्म के साथ हमारे पिछले जन्मों के संचित कर्म और उनके फलितार्थ भी जुड़े हुए हैं।

हमारे बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे समाज में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ती है, रुतबा बढ़ता है, संपर्क बढ़ते हैं और हम प्रशंसा के पात्र बनते हैं। इसके बावजूद सच यही है कि हम जानते हैं कि जिस काम के कारण हमें इतनी प्रशंसा मिल रही है, वह असल में गलत है। इसी तरह बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे हमें निंदा का, अपमान का, आलोचना का, बदनामी का भाजन बनना पड़ता है। बहुत बार जब हमारे आसपास के लोग या वृहत्तर समाज हमें गलत मानता है, हमारे कामों या विचारों से सहमत नहीं होता, तब भी हम हमेशा गलत ही हों, यह आवश्यक नहीं है।

आप का नजरिया

पुस्तकालय की छांव में

पुस्तकालयों की छांव में अध्ययन की परिपाटी और भविष्य के पालन-पोषण में संस्थान का महत्त्व बदल रहा है। पुस्तकालय अब अध्ययन की गंध को सहेजे किताब नहीं, बल्कि माहौल की साधना में भविष्य के पठन पाठन की ऐसी प्रकिया है, जिसे युवा स्वयं चुन रहे हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई पुस्तकालयों की रैंकिंग से नवचेतना के आकाश पर इसकी संरचना सशक्त हो सकती है। अब पुस्तकालयों का ग्रेड उन्हें खास महत्त्व व पहचान दिलाएगा। दरअसल कुछ सार्वजनिक पुस्तकालयों के अध्ययन कक्ष पिछले सालों में शिक्षा के गंभीर अध्यायों के सहयोगी बन गए हैं। पढने की कला और विषयों का अध्ययन इस दौरान पुस्तकालयों को जीवंत कर गया। लाइब्रेरी अब सीधे युवाओं से संबोधित होने लगी है और जहां भविष्य के प्रति युवाओं की आंतरिक ऊर्जा, संकल्प और अध्यवसाय पारंगत होकर बाहर आने लगा है। कभी पुस्तकालय आंदोलन से साहित्य की पताका निकलती थी और अतिरिक्त पठन-पाठन की श्रृंखला में युग अपने आईनों को पुस्तकों में निहारता था, लेकिन अब भविष्य के सारे महायज्ञ लाइब्रेरी में होने लगे हैं। यह दौर कुछ और आगे बढक़र डिजीटल युग के समाधानों में पुस्तकालय की जरूरत को युवा महत्त्वाकांक्षा के साथ बांध रहा है। यही कारण है कि धर्मशाला जैसे शहर में करीब दो दर्जन निजी पुस्तकालयों में सुविधाएं और माहौल मुंहमांगे दाम में बिक रहे हैं। पुस्तकालय अब परिसर और चौबीस घंटे के अवसर में व्यक्तित्व विकास के हर आयाम में साक्षी बन रहे हैं। धर्मशाला का जिला पुस्तकालय पिछले एक दशक से युवा हाजिरी का ऐसा पैमाना हासिल कर चुका है, जहां सुबह किताबों की आंखें खुलती हैं, तो शिक्षण संस्थानों की औपचारिकता से हटकर युवा अपने भविष्य की घंटियां सुनते हैं। ऐसे अन्य सार्वजनिक पुस्तकालय भी हैं जहां महत्त्व के अलग-अलग पैमाने होंगे। खुशी की बात यह कि शिक्षा निदेशक युवा पगडंडियों से गुजर कर पुस्तकालयों के रास्तों को चौड़ा करना चाहते हैं। भविष्य में जो कार्य औपचारिक शिक्षा नहीं कर सकती, उसका नया ध्रुव व शिखर पुस्तकालय में तराशा जा सकता है, बशर्ते ये अध्ययन संस्थान की परिपाटी में विकसित किए जाएं। बेशक पुस्तकालयों की रैंकिंग से विभाग अपनी दिशा व प्राथमिकता तय कर सकता है, लेकिन आदर्श पुस्तकालयों का निर्माण व प्रबंधन अब नई विधा है। अब किताब झांकती नहीं और न ही पुस्तक से तालमेल बिठाने के लिए जिज्ञासा खींच लाती है। अब ये पुस्तकालय डिजीटल अध्ययन के केंद्र, माहौल और सुविधाओं की श्रेष्ठता के नए अवतार तथा आगे चलकर काउंसलिंग के अध्याय भी साबित होंगे। अतः भविष्य के पुस्तकालय का परिसर किसी कालेज से कम नहीं होगा। कुल्लू का पुस्तकालय इस दिशा में कुछ हद तक अधोसंरचना का एक उदाहरण माना जा सकता है, लेकिन सेंट्रल लाइब्रेरी सोलन या जिला पुस्तकालय धर्मशाला को नए परिसर चाहिएं।

आगे रहने का सेल का प्रयास रहेगा जारी 'नंबर वन' बनने की आकांक्षा : अध्यक्ष

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसियां) ।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने गुरुवार को कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 1,04,545 करोड़ रुपये के सर्वश्रेष्ठ बिक्री का कारोबार हासिल किया है। उन्होंने कहा कि सेल आगे रहने का अपना प्रयास जारी रखेगा।

सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने गुरुवार को नई दिल्ली के लोदी रोड स्थित कंपनी के मुख्यालय में आयोजित 52वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जरिए संबोधित हुए यह बात कही। उन्होंने कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वित्त वर्ष के प्रदर्शन पर विचार करने और भविष्य की ओर देखते हुए यह विश्वास मजबूत होता है कि एक संगठन के रूप में हम अपने उद्योग में 'नंबर वन' यानी सर्वश्रेष्ठ बनने की आकांक्षा रख सकते हैं।

वर्ष 24 में क्रमशः 20.5 एमटी, 19.24 एमटी और 18.44 एमटी हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील का उत्पादन करके नए रिकार्ड बनाए

शेयरधारकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के विजन के साथ देश के सामाजिक, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे को बदलने के लिए भारत सरकार के निरंतर प्रयास ने देश में सभी क्षेत्रों में स्टील की मांग को बढ़ावा दिया है। सेल के अध्यक्ष ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सेल के प्रदर्शन का सारांश प्रस्तुत किया और कहा कि सेल ने वित्त वर्ष 24 के दौरान क्रमशः 20.5 मिलियन टन (एमटी), 19.24 एमटी और 18.44 एमटी हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील का उत्पादन करके नए मानक स्थापित किए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में क्रमशः 5.6 फसदी, 5.2 फीसदी और 6.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है। उन्होंने उल्लेख किया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 24 के दौरान 1,04,545 करोड़ रुपये का सर्वश्रेष्ठ बिक्री कारोबार हासिल किया।

न्यूज ब्रीफ

सर्राफा बाजार की तेजी से नए शिखर पर पहुंचा सोना, चांदी भी 95 हजार के पार

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोने के भाव में आई तेजी के कारण गुरुवार को देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77 हजार रुपये के स्तर को पार करके 77,180 रुपये से लेकर 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना गुरुवार को 70,760 रुपये से लेकर 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कई राज्यों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव आया है। क्रूड की कीमतें गुरुवार सुबह 70 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ गयीं। वहीं ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कामकाज करता दिखा। देश के चारों महानगरों में से केवल चेन्नई में पेट्रोल की कीमतें नीचे आयी हैं। वहीं दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर जबकि कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वहीं दमन और द्वीप और गोवा , छत्तीसगढ़, के अलावा अन्य कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं जबकि बिहार और आंध्र प्रदेश के अलावा कुछ राज्यों में पेट्रोल के दाम नीचे आये हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं हरियाणा में पेट्रोल की कीमते में 0.13 पैसों की कमी आई है और 95.54 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में भी कीमतें कम हुई हैं।

शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला, नए शिखर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एक दिन के कारोबार में निवेशकों को 1.73 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,24 सितंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार सातवें दिन मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही बाजार अभी तक के सर्वोच्च स्तर पर बंद होने में भी सफल रहा। गुरुवार को कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई थी। दिन के कारोबार में शेयर बाजार मामूली उतार-चढ़ाव के साथ आगे बढ़ता रहा, लेकिन दोपहर 2 बजे के बजे के बाद बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू गई। इस खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गए। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स ने 0.78 प्रतिशत और निफ्टी ने 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार का अंत किया।

गुरुवार को दिन भर के कारोबार में ऑटोमोबाइल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही आईटी, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया। गुरुवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 476.98 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 475.25 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,081 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,698 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,279 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 104 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,485 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,025 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,460 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 2.31 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 85,167.56 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद शेयर बाजार में लिवालों और बिकवालों बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा।

बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 63.13 अंक टूट कर 85,106.74 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बावजूद बाजार में ओवरऑल खरीदारी का रुख ही ज्यादा था, जिसकी वजह से ये सूचकांक भी ज्यादातर समय हरे निशान में ही बना रहा। दोपहर 2 बजे के बाद बाजार में आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में जोरदार तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 760.56 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 85,930.43 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन कारोबार के बाद सेंसेक्स 666.25 अंक की बढ़त के साथ क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 85,836.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 1.25 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 26,005.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद से ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई। बिकवाली के दबाव में निफ्टी कुछ देर के लिए मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में भी गया, लेकिन ये सूचकांक ज्यादातर समय हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। दोपहर 2 बजे के करीब खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण ये सूचकांक 246.75 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 26,250.90 अंक तक पहुंच गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 211.90 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 26,216.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मारुति सुजुकी 4.68 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 3.15 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 3.07 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.96 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

दूसरी ओर, सिप्ला 1.30 प्रतिशत, ओएनजीसी 1.17 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 0.84 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 0.61 प्रतिशत और एनटीपीसी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

कंपनी ने कस्टमर्स को दी नई सुविधा

डिजिटल धोखाधड़ी से ग्राहकों को बचाने एयरटेल कंपनी ने की नई सर्विस लॉन्च

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसियां) ।

आजकल स्पैम कॉल्स और एसएमएस काफी बढ़ते जा रहे हैं। स्पैम कॉल्स और एसएमएस से लोगों के साथ फ्रॉड हो जाता है। ऐसे में स्पैम कॉल्स और एसएमएस पर प्रतिबंध लगाने के लिए भारती एयरटेल ने अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए नई सर्विस लॉन्च की है।

कंपनी ने डिजिटल धोखाधड़ी से अपने ग्राहकों को बचाने के लिए यह पहल की है। एयरटेल ने भारत का पहला नेटवर्क-बेस्ड, एआई पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन लॉन्च किया है। इस सर्विस से यूजर्स स्पैम कॉल्स और एसएमएस से बच सकते हैं। कंपनी का कहना है कि ये सॉल्यूशन स्पैम कॉल्स और सॉल्यूशन की रियल टाइम की जानकारी यूजर्स को देगा।

सभी एयरटेल यूजर्स के लिए यह एआई-पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन एकदम फ्री है। ये सर्विस एयरटेल का कोई भी प्रीपेड और पोस्टपेड यूजर्स इस्तेमाल कर सकता है। इसके अलावा यूजर्स को अपने फोन में इस सर्विस को एक्टिव करने के लिए कुछ नहीं करना है। सर्विस अपने आप ही एयरटेल यूजर के फोन में एक्टिव हो जाएगी। एयरटेल ने इस बात को कंफर्म किया है कि यह सर्विस सिर्फ स्मार्टफोन के लिए है।

डुअल लेयर प्रोटेक्शन के तौर पर किया डिजाइन

एयरटेल के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल विट्ठल ने बताया कि स्पैम कस्टमर्स के लिए एक खतरा हैं। हमने पिछले 12 महीने इस परेशानी को दूर करने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि डुअल लेयर प्रोटेक्शन के तौर पर डिजाइन इस सॉल्यूशन में दो फिल्टर हैं। एक फिल्टर नेटवर्क लेवल पर काम करता है और दूसरा आईटी डिस्टम लेयर पर।

सभी कॉल्स और एसएमएस इस डुअल लेयर प्रोटेक्शन सिस्टम से पास होती हैं। एयरटेल का यह सिस्टम सिर्फ दो मिली सेकंड में 1.5 अरब एसएमएस और 2.5 अरब कॉल्स को डेली प्रोसेस करता है। एयरटेल ने इस टेक्नोलॉजी को 400 एयरटेल डेटा साइंटिस्ट्स की मदद से डेवलप किया है।

ईजमाईट्रिप के प्रमोटर ने बेची 920 करोड़ रुपए में 14फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली,26 सितंबर (एजेंसियां) ।

ईजी ट्रिप प्लानर्स (ईजमाईट्रिप) के प्रोमोटरों में से एक निशांत पिट्टी ने खुले बाजार के लेनदेन के जरिये कंपनी में अपनी 14 फीसदी हिस्सेदारी 920 करोड़ रुपए में बेच दी है। एनएसई पर उपलब्ध सौदों के आंकड़ों के मुताबिक निशांत ने 24,65,49,833 शेयर बेच दिए हैं जो ईजी ट्रिप प्लानर्स में 14 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों को 37.22-38.28 रुपए प्रति शेयर के प्राइस रेंज में बेचा गया है। इस तरह सौदे का कुल आकार 920.06 करोड़ रुपए रहा।

हिस्सेदारी बिक्री के बाद ईजी ट्रिप प्लानर्स में निशांत पिट्टी की हिस्सेदारी 28.13 फीसदी से घटकर 14.22 फीसदी रह गई है। कंपनी में प्रोमोटरों की कुल हिस्सेदारी 64.30 फीसदी से घटकर 50.39 फीसदी रह गई। इस बीच कोरे4 मार्कोम ने ईज़ी ट्रिप प्लानर्स और क्राफ्ट इमर्जिंग मार्केट फंड पीसीसी के पांच करोड़ शेयर, एलीट कैपिटल फंड ने कंपनी के 1.05 करोड़ शेयर खरीदे हैं। शेयर 34.25-37.95 रुपए प्रति शेयर की कीमत सीमा में खरीदे गए हैं, जिससे कुल डील वैल्यू 225.71 करोड़ रुपए हो गई है। ईजी ट्रिप प्लानर्स ऑनलाइन ट्रेवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईजमाईट्रिप की मूल कंपनी है। कंपनी की स्थापना 2008 में निशांत पिट्टी, रिकांत पिट्टी और प्रशांत पिट्टी ने की थी। बीएसई पर ईज़ी ट्रिप प्लानर्स के शेयर बुधवार को एनएसई पर 15.32 फीसदी या 6.28 रुपए प्रति शेयर की गिरावट लेकर 34.70 रुपए के अपने ऑल टाइम लो लेवल पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में गिरावट निशांत पिट्टी के अपनी हिस्सेदारी निकालने के चलते आई है। ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईज़ी ट्रिप प्लानर्स ने जून 2024 तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 31 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की, जो 25.9 करोड़ से बढ़कर 33.93 करोड़ हो गया। कंपनी की कुल आय अप्रैल-जून की अवधि में बढ़कर 156.22 करोड़ हो गई, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 126.64 करोड़ थी।

डिजिटल लेंडर्स ने पहली तिमाही में बांटा 37,676 करोड़ रुपए का लोन

मुंबई,26 सितंबर (एजेंसियां) ।

डिजिटल लेंडर्स ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 37,676 करोड़ रुपए के 2.64 करोड़ लोन बांटे हैं। लोन के वॉल्यूम में सालाना आधार पर 15 फीसदी और लोन की वैल्यू में 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (एफएसीई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक इस तिमाही में लोन का औसत टिकट साइज 12,997 रुपए रहा, जो कि 2023-24 की पहली तिमाही के मुकाबले 16 फीसदी ज्यादा है।

आंकड़ों से साफ होता है कि डिजिटल क्रेडिट की मांग मजबूत बनी हुई है, जिसमें वित्तीय समावेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। एफएसीई के सीईओ सुगंध सक्सेना ने बताया कि हमारी सदस्य कंपनियों ने कंज्यूमर गाइडलाइन और विवेकपूर्ण रिस्क मैनेजमेंट के जिरए से ग्राहकों की क्रेडिट जरूरतों को पूरा किया है, जिससे वे सभी पक्षकारों का विश्वास जीतने में सफल रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया कि अप्रैल से जून की अवधि में 11 कंपनियों ने पांच लाख से ज्यादा लोन दिए हैं, जिनकी कुल वॉल्यूम में 93 फीसदी हिस्सेदारी रही। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में करीब 55 फीसदी कंपनियों की वॉल्यूम में बढ़ोतरी हुई है, जबकि 80 फीसदी कंपनियों ने लोन की वैल्यू में इजाफा किया है। रिपोर्ट में शामिल 33 कंपनियों में से 27 कंपनियों का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट जून 2024 तक 47,362 करोड़ रुपए था, जो कुल बांटे गए लोन की वैल्यू का 80 फीसदी है। इनमें से 10 कंपनियों का एयूएम एक हजार करोड़ से ज्यादा है। एफएसीई, फिनटेक क्षेत्र में आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन है, जो डिजिटल लेंडर्स की बढ़ती भूमिका और वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित करने में सहायक है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

यूएनएससी में ...

अमेरिकी राजदूत ने अफ्रीका के दो देशों को भी स्थायी सीट देने का समर्थन किया और अन्य अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता देने की वकालत की थी। हालांकि अमेरिका ने ब्राजील को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने पर साफ कोई जवाब नहीं दिया। अमेरिका ने कैरिबियाई देश और लैटिन अमेरिकी देशों को भी सुरक्षा परिषद में जगह देने का समर्थन दिया। भारत, लंबे समय से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है और अब जैसे-जैसे भारत की वैश्विक मंच पर अहमियत बढ़ रही है तो दुनिया के कई देश भी भारत को सुरक्षा परिषद में शामिल करने का समर्थन दे रहे हैं।

आतंकवाद...

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, मैंने जम्मू-कश्मीर में चुनावों के तुरंत बाद राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने भी स्पष्ट कर दिया है कि इसे बहाल किया जायेगा। संसद के जरिए ही राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा और वहां प्रधानमंत्री मोदी का शासन है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस मिलेगा, लेकिन केवल श्री मोदी ही इसे बहाल कर सकते हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि 70-75 साल के शासन के दौरान तीन परिवार यहां ऐसी स्थिति ले आए, जिसके कारण सिनेमाघर बंद हो गए। उन्होंने कहा, मैं डॉ. फारूक अब्दुल्ला से पूछना चाहता हूं कि जब 40 हजार लोग मारे गए थे, तब वह कहां थे? यह उनके कार्यकाल के दौरान था, जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पैर फैला रहा था। आप लंदन में छुट्टियां मना रहे थे। आप कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन आतंकवाद कभी पुनर्जीवित नहीं होगा। उधमपुर में विकास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यहां दिल्ली और गुजरात जैसी सड़कें बनी हैं, जो श्री मोदी के शासन का नतीजा है। इसके अलावा, वाणिज्यिक केंद्र लाल चौक की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह स्थान अब सभी के लिए सुलभ है, यहां तिरंगा फहराया जा रहा है और मुहर्रम मनाया जा रहा है। गोलीबारी का अंत करके गणपति और जन्माष्टमी मनाई जा रही है।

भारतीय नागरिक...

ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने इजराइल में रॉकेट दागकर पलटवार किया है। इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि एयर फोर्स ने दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी में 1,600 से अधिक टारगेट्स को निशाना बनाया है। इनमें मिसाइल लांचर, कमांड पोस्ट और नागरिक घरों के अंदर स्थित अन्य आतंकवादी बुनियादी ढांचे शामिल थे। इजराइली टैंकों ने बॉर्डर के पास आयता अश शब और रामयेह के इलाकों में हिजबुल्लाह के अन्य ठिकानों पर हमला किया। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच दुश्मनी बढ़ने का कारण पिछले सप्ताह लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी को निशाना बनाकर किए गए रहस्यमय विस्फोट हैं। इनमें कई लोग मारे गए और हजारों की संख्या में लोग घायल हो गए। हिजबुल्लाह ने इन विस्फोटों के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि इजरायल ने धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली।

जो राम को...

कभी बीमारू यूपी के नाम से प्रसिद्ध देश का सबसे बड़ा राज्य योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बन गया है। माफिया को जहन्नुम तक पहुंचाकर समृद्ध यूपी की पहचान बनाने वाले योगी आदित्यनाथ की छवि का संदेश जम्मू-कश्मीर में बहुत दूर तक गया। रामगढ़ की रैली हो या आरएस पुरा की। हर जगह योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने को आमजन उमड़ पड़े। जम्मू-कश्मीर को विरासत व वीरता की धरती बताते हुए सीएम योगी जहां आमजन की भावनाओं से जुड़े। एक तरफ जहां नीतियों को लेकर कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस की योगी आदित्यनाथ ने खूब घेरा, वहीं आमजन के मुद्दों की बातकर वे लोगों से भी जुड़े। सीएम ने अमरनाथ यात्रा को लेकर कांग्रेस के रवैये को भी घेरा। बोले कि पहले धमकी सुनकर विपक्षी पार्टियों के नेता सहम जाते थे, लेकिन अब पूरा देश बेखौफ होकर बाबा बर्फानी के दर्शन करता है। आरएस पुरा की विजय संकल्प रैली को संबोधित करने के बाद योगी आदित्यनाथ जब उतरने लगे तो भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में मंच पर ही सेल्फी लेने की होड़ मच गई। योगी आदित्यनाथ ने भी कार्यकर्ताओं को निराश नहीं किया। उन्होंने मंच से ही सेल्फी खिंचवाई। यही नहीं, योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं से परिचय भी प्राप्त कर यह संदेश दिया कि कार्यकर्ता ही भाजपा की रीढ़ हैं और इसी रीढ़ की बदौलत भाजपा फिर से जम्मू-कश्मीर में भगवा लहराएगी। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को फिर जम्मू-कश्मीर में दहाड़ेंगे।

घरेलू हिंसा से...

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि पीड़ित व्यक्ति अधिनियम के प्रावधानों के तहत दिए गए आदेश में परिवर्तन, संशोधन या निरस्तीकरण की मांग कर सकता है, लेकिन यह तभी संभव है जब परिस्थितियों में परिवर्तन हुआ हो। इस मामले में मजिस्ट्रेट तभी निरस्तीकरण या संशोधन आदेश दे सकते हैं, जब वह मानते हों कि परिस्थितयों में बदलाव हुआ है और आदेश में संशोधन की आवश्यकता है।

ठोस परिणामों ...

श्री धनखड़ ने कॉरपोरेट जगत से अनुसंधान एवं विकास में और अधिक निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारतीय कंपनियां महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। देश के आकार, इसकी क्षमता, इसकी स्थिति और विकास की गति को देखते हुए कॉरपोरेट जगत को अनुसंधान और विकास में आगे आने की जरूरत है।

मेरे सपनों से परे है ...

उन्होंने कहा कि 1990 का दशक सत्ता के गलियारों में बिचौलियों का युग था, भ्रष्टाचार व्याप्त था और केवल वंशावली वाले व्यक्ति ही अवसरों तक पहुंच सकते थे। उन्होंने कहा, अब, सत्ता के गलियारे पूरी तरह से साफ हो गए हैं। बिचौलिए गायब हो गए हैं, सभी लेन-देन डिजिटल रूप से होते हैं, बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के, यह वह बदलाव है जिसकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 27 सितंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

भगवान शिव ने नहीं किया कभी भांग का नशा : डॉ. सर्वेश्वर जी

पूर्ण सद्गुरु ही करवा सकते हैं आत्मा का परमात्मा से मिलन

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा हैदराबाद के मुन्नूरु कापु भवन (म्याडम अंजय्या हॉल) काचीगुड़ा में 22-28 सितम्बर तक आयोजित की जा रही भगवान शिव कथा के पंचम दिवस कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर जी ने महापार्थिवेश्वर हिमालयराज की शक्तिस्वरूपा पुत्री पार्वती जी का भगवान शिव के संग विवाह प्रसंग प्रस्तुत किया। जो विवाह प्रसंग गूढ़ अध्यात्मिक संदेश समेटे हुए है। माता पार्वती जीवात्मा का प्रतीक हैं और भगवान शिव साक्षात परब्रह्म परमेश्वर का। हम समस्त जीवों का उस परमात्मा के साथ मिलन किस प्रकार से संभव है? जैसे नारद जी मां पार्वती के गुरु बन कर के आए। ठीक ऐसे ही हमें भी अपने जीवन में नारद जी जैसे एक ब्रह्मनिष्ठ तत्त्ववेत्ता सद्गुरु का सान्निध्य चाहिए जिनके कृपाहस्त तले हम उस ईश्वर का अर्थात शिव का साक्षात्कार कर पाएं। इसी के साथ कथा व्यास जी ने समाज में प्रचलित एक धारणा का भी खंडन करते हुए कहा कि लोग अक्सर सोचते हैं कि भगवान शिव के विवाह में नंदी-भृंगी इत्यादि समस्त शिवगण अत्यंत प्रसन्न होकर भांग की मस्ती में झूम उठे थे और उसी का अनुसरण करते हुए आज लोग भी महाशिवरात्रि पे नशों का सेवन करते हैं। यह हमारे समाज की विडंबना है कि भगवान शिव के नाम पर हम ईश्वर के उस अमृत रस को छोड़कर सांसारिक नशों का पान करते हैं। हमारे शास्त्र ग्रंथ कहते हैं कि जिसमें क्षण मात्र की भी शांति नहीं है वह नशा है। नशा करना ही है तो वो नशा करें जो हमारे देश-भक्तों ने किया जिन्होंने भरी जवानी में देश की आज़ादी के लिए फाँसी के फंदों को चूम लिया। आज उन्हीं के बलिदानों के कारण हम आज़ाद फिज़ा में साँस ले पा रहे हैं। अत: आज आवश्यकता है आत्मिक रूप से जागरूक होकर सच्चे शिवत्व को अपने भीतर प्राप्त करने की तभी हम देश, राष्ट्र व समाज के निर्माण में अपना सच्चा योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर वाद्य वृन्दों के द्वारा रंग दे बसंती चोला गीत गाकर श्रोताओं को देश भक्ति के रंग में निहाल किया गया।कथा के मुख्य यजमान स्व. सीता देवी व श्री बगदाराम जी कुमावत एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी व श्री ओंकार राम चौधरी जी हैं। पंचम दिवस की कथा के दैनिक यजमान श्रीमति तनुजा एवं श्री शिवानन्द जी स्वामी तथा श्रीमति नागेश्वरी एवं श्री रामेश्वर राव जी एवं उत्सव यजमान अलंकृत ज्वैलर्स (रमेश जी मोदानी, अशोक जी कुलकर्णी, नवनीत जी मोदानी, सनत दास जी) रहे। कथा स्थल पर श्री श्रीनिवास जी सोनी, श्री सुशील जी तोतला, श्री आनंद संगी, श्री किशन जी महेश्वरी, श्री गोविंद गोपाल जी राठी एवं श्री पंकज जी वर्मा (तेलंगाना कांवड़ यात्रा अध्यक्ष) की विशेष उपस्थिति रही।

माता रानी का विशाल जागरण 5 अक्टूबर को

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अश्विन नवरात्रि (दशहरा) के शुभ अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 16वां माता रानी का विशाल जागरण आगामी शनिवार दि. 5 अक्टूबर 2024 को रात्रि 8:01 बजे से डॉ. बी.आर. अम्बेडकर भवन, रहीमपूरा, पुराना पुल हैदराबाद में किया जाएगा।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस वर्ष जागरण में मुख्य भजन गायक के रूप में ठाकुर रवि सिंह एवं सहयोगी भजन गायक एस. राजन कुमार तथा दिल्ली से प्रसिद्ध भजन गायक साक्षी चोपड़ा अपनी मधुर वाणी में भजन प्रस्तुत करेंगे। जागरण में तारारानी कथावाचक अनुप कुमार होंगे, दिल्ली के नृत्य कलाकार मॉन्टी नटराजन अपने ग्रुप के साथ झांकियां प्रस्तुत करेंगे।

विशाल जागरण का मुख्य आकर्षण माँ भगवती का आलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग, जगमगाती रोशनी एवं लंगर प्रसाद होंगे।इसी संदर्भ में विशाल जागरण की प्रचार सामग्री का विमोचन गुरुवार, दि. 26 सितंबर, 2024 को धूलपेट नवरात्रि उत्सव समिति कार्यालय में माता रानी की पूजा-अर्चना के पश्चात किया गया। प्रचार सामग्री में निमंत्रण पत्र, पोस्टर, पॉम्पलेट इत्यादि मौजूद है।

उक्त कार्यक्रम में धूलपेट नवरात्रि उत्सव समिति के चेयरमैन एम. श्रीधर बाबू, वाइस चेयरमैन के.सत्यनारायण, अध्यक्ष टी. जितेंद्र सिंह, महासचिव पी.कृष्णा, कोषाध्यक्ष निर्मेश सिंह, परामर्शदाताओं में एम.महेश सिंह, पी.रवींद्र सिंह ठाकुर, विपिन राज सिंह, उपाध्यक्ष एम.सदानंद गुप्ता, एस.राजन कुमार, ठाकुर सचिन सिंह, रोमी अरोरा, पी.रंजीत कुमार, संयोजक सचिव संदीप सिंह, राजू खत्री, के. मनोज, नितिन, जी.संतोष, सी.सतीश कुमार, सदाशिव, कार्यकारिणी सदस्यों में अशोक बाबू, ठाकुर आशीष राज सिंह, ठाकुर अक्षय सिंह, सोनु, के.अनिल कुमार, आनंद कुमार, प्रभाकर, पी. अभिषेक सिंह व अन्य उपस्थित थे।

महाराजा अग्रसेन जी की 5148वीं जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आरंभ की गई अखंड अग्र ज्योति रथ यात्रा का रेनबो विस्टा शाखा द्वारा रेनबो विस्टा सोसाइटी में भव्य स्वागत किया गया । इस अवसर पर रेनबो विस्टा शाखा अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, सह-सचिव पवन सिंगला, केंद्रीय समिति सदस्य विनोद अग्रवाल, परामर्शदाता अरुण केडिया, तुषार गुप्ता, आकाशदीप, विनोद डालमिया , आदित्य जैन एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 135वां नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर 29 को

Manav Seva — Madhav Seva
Badrivishal Pannalal Pitti Trust — Agarwal Seva Dal

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा सर्वोदय विचार प्रचार ट्रस्ट के सहयोग से 135वां नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर रविवार दि. 29 सितंबर को सुबह 10.00 से दोपहर 2.00 बजे तक कोठी स्थित गांधी ज्ञान मंदिर में आयोजित किया जा रहा है।यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उक्त शिविर एलसीएस डूंडू आई इंस्टीट्यूट वेस्ट मारेडपल्ली, किम्स सनशाइन अस्पताल, श्री भगवान महावीर विकलांग समिति हैदराबाद के सहयोग से आयोजित किया जायेगा।शिविर में अवसर पर जनरल फिजिशियन ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की जाएगी तथा शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच के पश्चात जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मे और योग्य रोगियों के लिए नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की जाएगी। अवसर पर अस्थिरोग, हृदय जांच और स्त्री रोग की भी जांच की जाएगी। शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा नि:शुल्क कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स, हैंडस एवं डायलिसिस रोगियों के लिए नि:शुल्क डायलिसिस की सेवा प्रदान की जाएगी। सभी से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

शिविर के लिए नाम पंजीकरण सुबह 10.00 से दोपहर 12.00 बजे तक किया जायेगा और कैंप दोपहर 2.00 बजे तक जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए कैम्प के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, रविन्द्र कपाडिया, श्याम सुन्दर अग्रवाल, अजय कुमार तुलस्यान, पवन भर्रादिया से संपर्क किया जा सकता है।

आत्मिक शांन्ति के लिए की गई अरदास

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री गुरु सिंघ सभा अशोक बाजार अफजलगंज गुरुद्वारा साहिब में स्व.सरदार दिलबाग सिंह छावडा की आत्मिक शांन्ति के लिए तीन दिवसिय श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के उपरान्त भाई हरि सिंह ने अपने मनोहर कीर्तन से संगत का मन मोह लिया ।

स्व.सरदार दिलबाग सिंह छावडा की मीठी याद में छावडा परिवार बग्गा परिवार की ओर से वरीना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव सरदार जोगेन्द्रर सिंह मुजराल ने स.दिलबाग की सेवाओं का उलेख करते हुए बताया कि स्व.दिलबाग सिंह गुरु हरकिशन हाई स्कूल के अध्यक्ष पद पर रहकर गुरु हरकिशन हाई स्कूल के विकास और उसको आगे बढाने में अपना पूर्ण योगदान दिया। श्री सिंह के अथक प्रयास से आज विद्यालय में 300 से अधिक छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। गुरुद्वारा साहिब अफजलगंज में कोषाध्यक्ष पद पर रहकर काफी लम्बे समय तक अपनी सेवाएं प्रदान की। उनकी याद सिख समाज को हमेशा दिलो में जिन्दा रहेगी ।सरदार दिलबाग सिंह छावडा के वरीना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगे-संबंधी, रिश्तेदारों एवं सिखबंधुओं ने आत्मिक शांन्ति अरदास में भाग लिया और अपनी-अपनी श्रद्धांजलि दी ।

अवसर पर स.दिलबाग छावडा की धर्मपत्नी रविन्द्रर कौर छावडा, स.अमरजीत सिंह छावडा, स.मनप्रीत सिंह छावडा, स.बलजीत सिंह छावडा, स.राम सिंह बग्गा, स.बलवीर सिंह बग्गा, स.निर्मल सिंह बग्गा, स.सतवेन्द्रर सिंह बग्गा तथा समस्त बग्गा परिवार ने वरीना कार्यक्रम में आने वाले सभी साघ संगत का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के उपरान्त सैकडों सिख संगत के लिए गुरु के लंगर की व्यवस्था परिवार वालों की ओर से गई ।

श्रीमाली ब्राह्मण समाज में श्रीमहालक्ष्मी प्राकट्योत्सव के उपलक्ष्य में पूजन, हवन एवं महाप्रसादी के लाभार्थी हैदराबाद के पंडित मनोज त्रिवेदी (श्रीमाली) एवं परिवार श्रीमाली समाज के साथ भाग लिया।

गुरु दर्शन वंदन यात्रा शुरू

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नाम्पल्ली रेलवे स्टेशन से श्री अचलगच्छ जैन संघ हैदराबाद सिटी द्वारा आयोजित गुरु दर्शन वंदन यात्रा संघ गुरुवार दि. 26-9-2024 को दोपहर 3.00 बजे रवाना हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संघ के ट्रस्टी पोपटलाल छेड़ा ने बताया कि यात्रियों द्वारा संघपति भरत शाह का अभिनंदन चेयरमेन रामणिक नागडा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर संघ चेयरमेन रामणिक नागडा, अनिश छेड़ा, विपुल गाला, हरकचंद सवाला, रिद्धिश जागीरदार, प्रदीप नागडा, राजीव ममानीया, लहरचंद् लोडाया, गिरीश मोता, प्रविन कारानी, लक्ष्मीचंद छेड़ा, सुरेश गाला, जया जागीरदार, हंसा लोडाया, रश्मि लोडाया, प्रीति मामनीया, अवनि छेड़ा, शिल्पा समीर शाह, हंसा महेंद्र शाह, वैशाली रंभिया, ग्रीष्मा मोता, चंदन कारानी, मंजुला गोसार, वीणा गोसर, हिना देडीया आदि उपस्थित थे। यात्रा संघ शुक्रवार को घाटकोपर स्थित पपू साध्वी श्री लक्षलिना मसा, नवी मुंबई में पपू उदयरतन सागर मसा, पपू गुणवल्लभ सागर मसा, मुलुंड में पपू आचार्य कविंद्रसागर सूरीश्वर् मसा, चरनी रोड में वर्तमान गच्छाधिपति पपू कलाप्रभसागर सूरीशवार मसा आदि ठाणा गुरु भगवंतों के दर्शन वंदन किये जायेंगे। तत्पश्चात् शनिवार दोपहर हैदराबाद वापस लौट आयेंगे। ट्रेन में सभी ने नवकार महा मंत्र का श्रवण किया तथा धर्म आराधना की।

एसबीआई फाउंडेशन ने की आशा छात्रवृत्ति के तीसरे संस्करण की घोषणा

देश भर में वंचित पृष्ठभूमि के 10,000 मेधावी छात्रों को सहायता की देता है गारंटी

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसबीआई ने अपनी सीएसआर शाखा, एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से अपने प्रमुख कार्यक्रम आशा छात्रवृत्ति के तीसरे संस्करण की घोषणा की है, जो देश भर में वंचित पृष्ठभूमि के 10,000 मेधावी छात्रों को सहायता की गारंटी देता है।

स्टेट बैंक समूह के अध्यक्ष, चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने पहल के बारे में बोलते हुए कहा कि आशा छात्रवृत्ति एसबीआई के बैंकिंग से परे सेवा के मूल मूल्य का प्रतीक है और सभी के लिए प्रगति और समृद्धि की दिशा में हमारे देश की निरंतर प्रगति में सक्रिय रूप से योगदान देती है। एसबीआई फाउंडेशन ने इस वर्ष इस परिवर्तनकारी पहल को 10,000 छात्रों तक विस्तारित किया है। आशा स्कॉलर्स 2047 तक हमारे राष्ट्र के विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एसबीआई फाउंडेशन का एजुकेशन वर्टिकल-इंटीग्रेटेड लर्निंग मिशन (आईएलएम), युवा भारतीयों के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को सुलभ बनाने और उन्हें भविष्य के लिए नेताओं और चेंजमेकर्स के रूप में मार्गदर्शन करने के मिशन के साथ, छात्रवृत्ति के लिए सबसे वंचित पृष्ठभूमि के मेधावी छात्रों की पहचान करता है और उनका समर्थन करता है। कक्षा 6वीं से लेकर स्नातकोत्तर कार्यक्रम करने वाले छात्रों को 15,000 रुपए से 20,00,000 रुपए तक का लाभ मिल सकता है। हाई स्कूल के छात्रों, स्नातक पाठ्यक्रमों, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ वर्तमान में भारत में आईआईटी और आईआईएम में नामांकित छात्रों के लिए विशेष श्रेणियां उपलब्ध हैं। एससी और एसटी छात्रों के लिए विदेश में अध्ययन श्रेणी के तहत छात्रवृत्ति कार्यक्रम दुनिया भर के प्रतिष्ठित संस्थानों से मास्टर और उससे ऊपर की पढ़ाई करने वालों का समर्थन करेगा।स्कूल श्रेणी में, प्रत्येक राज्य के शीर्ष 300 छात्रों को सुपर 300 के रूप में चुना जाएगा, जो देश भर के सबसे मेधावी छात्र हैं। कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्र, जिन्होंने पिछले शैक्षणिक वर्ष में 75% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं और जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपए प्रतिवर्ष से कम है, इस श्रेणी में आवेदन करने के पात्र हैं। छात्रवृत्ति आवेदन https://www.sbi-fashascholarship.org पर उपलब्ध है और 1 अक्टूबर 2024 तक खुला रहेगा। छात्रवृत्ति के लिए पात्रता और समयसीमा का विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध है और छात्र ईमेल पर भी पूछताछ कर सकते हैं। sbiashascholarshipbuddy4stuवू.लो, फ़ोन: 011-430-92248 (एक्सटेंशन: 303) (सोमवार से शुक्रवार - सुबह 10:00 बजे से शाम 6 बजे तक)।एसबीआई फाउंडेशन बैंकिंग से परे सेवा की अपनी परंपरा के अनुरूप है, वर्तमान में भारत के 27 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शिक्षा, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका और कौशल विकास, युवा सशक्तिकरण, खेलों को बढ़ावा देने के लिए समर्थन प्रदान करता है। एसबीआई फाउंडेशन एसबीआई समूह के लोकाचार को प्रतिबिंबित करने, ऐसे हस्तक्षेप चलाने में विश्वास करता है जो नैतिक हों, विकास और समानता को बढ़ावा दें और समाज पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करें।

सभी मंदिरों में प्रसाद में प्रयोग किए जाने वाले घी की जांच होनी चाहिए : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायन्स क्लब ऑफ़ हैदराबाद समर्पण के तत्वावधान में गुरुवार को मलकपेट स्थित शिरडी साईं बाबा सेवा समाज द्वारा संचालित गौशाला में सूखा चारा का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज गो सेवा समिति के संयोजक महेश अग्रवाल ने कहा की तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के मंदिरों के पास उचित संपत्ति है जिससे मंदिर में वितरण किये जाने वाले प्रसाद के घी को मंदिर में ही गौशाला की स्थापना कर तैयार किया जा सकता है। जिससे लाभ ही लाभ है, एक तो गौमाता की रक्षा होगी, दूसरा बेरोगजारों को रोजगार मिलेगा और भगवन तथा भक्तों को बिना किसी मिलावट का प्रसाद मिलेगा।

श्री अग्रवाल ने तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश राज्य सरकारों से मांग की है कि सभी मंदिरों में प्रसाद में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं की जाँच की जानी चाहिए एवं मिलावट पाई जाने पर अपराधी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए।

उक्त कार्यक्रम को रंगा रेड्डी जिला एसपीसीए कार्यकारिणी सदस्य विक्रम चांडक ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में संस्था के कोषाध्यक्ष प्रेमचंद मुणोत, मंजुला मुणोत, राम कोटेश्वर और आशीष सोनी, द्वारका चौकी श्रीनू आदि उपस्थित थे।

बैक आफ बडौदा में हिन्दी दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बैंक ऑफ़ बड़ौदा अंचल कार्यालय हैदराबाद में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी व तेलुगु भाषा विद्वान, प्रो. डॉ. सर्राजु, भूतपूर्व प्रो-वाइस चांसलर, हैदराबाद विश्वविद्यालय पधारे। गृह मंत्रालय द्वारा 14 सितंबर को हिन्दी दिवस एवं चतुर्थ राजभाषा सम्मेलन, नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हमारे बैंक के एमडीसीईओ देबदत्त चांद ने राजभाषा कीर्ति पुरस्कार- प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया था। प्रो. सर्राजु भी तब उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हमारे अंचल प्रमुख रितेश कुमार, महाप्रबंधक ने की। प्रार्थना गीत एवं दीप प्रज्जवलन से समारोह का शुभारंभ किया गया। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. डॉ सर्राजू ने हिन्दी तथा भारतीय भाषाओं के बीच का गहरा संबंध बताते हुए हिन्दी के विभिन्न स्वरूपों पर व भारत के बढ़ते वर्चस्व में भाषाओं की बदलती भूमिका पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। अंचल प्रमुख रितेश कुमार, महाप्रबंधक ने दोनो तेलुगु भाषी राज्यों में फैले हैदराबाद अंचल की संक्षिप्त रूपरेखा बताते हुए बैंक की विभिन्न बहुभाषी पहलों पर जैसे कि बैंक खातों में एमएमएस एलर्ट में 13 भाषाओं का विकल्प, बैंक के ऐप्प बॉब वर्ल्ड में में 13 भाषाएं, चैटबॉट में अब तक 9 भाषाओं का विकल्प, वॉट्सऐप्प बैंकिंग में अब तक 3 भाषाओं, भारतभर में एटीएम में क्षेत्रीय भाषाओं के विकल्प आदि की जानकारी दी। बैंक द्वारा विभिन्न स्कूलों व महाविद्यालयों व विश्वविद्यालय आदि में लगभग हर माह हिन्दी प्रतियोगिताओं या संगोष्ठियों के आयोजन करने की हमारी गतिविधियों की सूचना दी। तत्पश्चात, हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। हिन्दी दिवस पर अप्रैल से हिन्दी माह 24 सितंबर, 2024 तक विभागों द्वारा द्विभाषी ईमेल प्रेषण व द्विभाषी प्रारूप प्रयोग प्रतियोगिता में अधिकतम अंक प्राप्त विभागों के पुरस्कृत किया गया। साथ ही, हिन्दी माह के दौरान हिन्दी नोटिंग व बैंकिंग शब्दावली, हिन्दी आलेख लेखन, हिन्दी मुहावरे लेखन, तेलुगु सामेतलु यानी मुहावरे लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं, जिनके विजेताओं को भी मुख्य अतिथि एवं मंचासीन उच्चाधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बैंक की मेधावी विद्यार्थी सम्मान योजना के अंतर्गत हैदराबाद विश्वविद्यालय में वर्ष 2023-24 हेतु एमए हिन्दी के अंतिम वर्ष में शीर्षस्थ महिला विद्यार्थी व शीर्षस्थ पुरुष विद्यार्थी को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। प्रो.आर.एस. सर्राजु विशेष रूप से बैंक की इस योजना से प्रभावित हुए और विद्यार्थी स्तर पर बैंक के इस पहल की बहुत प्रशंसा की। स्टाफ ने कुछ कविता, गीत आदि प्रस्तुत किए। राष्ट्र गान के साथ हिन्दी दिवस 2024 कार्यक्रम संपन्न हुआ।

देश में पर्यटन और यात्रा को बढ़ाने में दमरे का अग्रणी योगदान

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महान पर्यटन अवसरों के लिए जाना जाता है। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) देश भर में यात्रा करने के इच्छुक उत्साही पर्यटकों को सर्वोत्तम संभव सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी रहा है। दमरे भारत के सभी प्रमुख शहरों के साथ-साथ देश भर के सभी महत्वपूर्ण तीर्थ केंद्रों के लिए ट्रेनों का संचालन कर रहा है।

दमरे ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों को भारत के दक्षिणी, उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में महत्वपूर्ण आध्यात्मिक स्थलों से जोड़ने वाली 25 भारत गौरव सेवाएं संचालित की हैं। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए तीन प्रमुख सर्किटों में भारत गौरव पर्यटन सर्किट ट्रेनें चल रही हैं। ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा में तिरुवन्नामलाई अरुणाचलम, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, त्रिवेन्द्रम, त्रिची और तंजावुर शामिल हैं। अयोध्या-काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा दौरे में नवनिर्मित राम जन्मभूमि (अयोध्या), काशी विश्वनाथ मंदिर और गया के दर्शन शामिल हैं, सप्त ज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा यात्रा में उज्जैन (महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर), द्वारका, सोमनाथ, पुणे (भीमा शंकर), नासिक (त्र्यंबकेश्वर), और औरंगाबाद (ग्रिश्नेश्वर मंदिर) शामिल हैं। दक्षिण मध्य रेलवे पर भारत गौरव ट्रेनों को भारी सफलता मिली है, जो सभी यात्राओं के लिए लगातार अच्छे संरक्षण में दिखाई देता है।

दक्षिण मध्य रेलवे भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रेल बुनियादी ढांचे और बढ़ी हुई रेल कनेक्टिविटी ने तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर तक परेशानी मुक्त और आरामदायक यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया है। भगवान वेंकटेश्वर मंदिर भक्ति और परंपरा का एक विशाल प्रतीक है। आंध्र प्रदेश के तिरूपति/चित्तूर जिले में स्थित यह मंदिर दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों में से एक है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। क्षेत्र में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने में दक्षिण मध्य रेलवे की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

दमरे के गुंटकल डिवीजन में तिरूपति रेलवे स्टेशन सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है, जो पूरे भारत के प्रमुख शहरों से जुड़ता है। तिरूपति भारत भर के विभिन्न महत्वपूर्ण शहरों जैसे हैदराबाद, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, औरंगाबाद, हावड़ा, पुडुचेरी, मनमाड, श्रीकाकुलम, वाराणसी, कन्नियाकुमारी, जम्मू, पुरी और बेंगलुरु आदि से रेल मार्ग द्वारा अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

वर्तमान में, तिरूपति को 130 नियमित ट्रेन सेवाओं और 20 विशेष रेल सेवाओं द्वारा सेवा प्रदान की जा रही है, जो दिल्ली, कोलकाता, सिकंदराबाद, बेंगलुरु, विजयवाड़ा, मछलीपट्टनम, नरसापुर, विशाखापत्तनम और औरंगाबाद, नांदेड़ आदि जैसे विभिन्न स्थानों से कनेक्टिविटी प्रदान करती है। साईनगर शिरडी, उज्जैन, हिसार जैसे तीर्थ स्थान। इसके अलावा, विश्व स्तरीय मानकों वाली प्रतिष्ठित वंदे भारत ट्रेन भी सिकंदराबाद से तिरूपति तक संचालित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, कई ट्रेनें रेनिगुंटा रेलवे स्टेशन तक संचालित की जाती हैं, जो तिरुपति का निकटतम उतरने का स्थान है। यह व्यापक रेल नेटवर्क सुनिश्चित करता है कि देश भर से श्रद्धालु आसानी से तिरुमाला पहुंचें।

अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर सुविधाएं प्रदान करने के हिस्से के रूप में तिरूपति रेलवे स्टेशन का उन्नयन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्नयन कार्य मई, 2022 में शुरू हुआ और फरवरी, 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। सितंबर 2024 तक, 60% काम पूरा हो चुका है और शेष काम तेज गति से चल रहा है। उन्नत तिरूपति रेलवे स्टेशन में देश और दुनिया भर से बड़ी संख्या में आने वाले तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और रेल उपयोगकर्ताओं की सेवा के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं शामिल होंगी। पुनर्विकसित स्टेशन में एयर कॉनकोर्स, वेटिंग लाउंज, फूड कोर्ट, वीआईपी लाउंज, कियॉस्क, रेस्ट रूम, एस्केलेटर, लिफ्ट आदि जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी।

इसके अतिरिक्त, तिरूपति स्टेशन के दक्षिण की ओर एक नया स्टेशन भवन भी बनाया जा रहा है और काम तेजी से चल रहा है। बेसमेंट फर्श, साथ ही पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल के स्लैब पूरी तरह से तैयार हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, भूतल और दूसरी मंजिल दोनों के लिए चिनाई का काम पूरा हो गया है, तीसरी मंजिल पर काम चल रहा है। फर्श के मामले में, भूतल पर ग्रेनाइट का 90% काम पूरा हो चुका है, जबकि दूसरी मंजिल पर ग्रेनाइट फर्श का 60% भी पूरा हो चुका है। इसके अलावा, तिरूपति रेलवे स्टेशन पर 35 मीटर चौड़े दो एयर कॉनकोर्स का निर्माण अच्छी तरह से प्रगति पर है। नींव पूरी हो चुकी है, जिसमें स्टील के कॉलम और 40 गर्डर लगाए गए हैं। कंक्रीट का फर्श तैयार हो चुका है और ट्रस लॉन्च किए जा रहे हैं। भूमिगत जल टैंक 90% पूरे हो चुके हैं, और सीवेज उपचार संयंत्र 80% पूरा हो चुका है।

नराकास (उपक्रम) को प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाना हमारा लक्ष्य : अनुराग कुमार

ईसीआईएल में नराकास (उपक्रम) राजभाषा प्रश्नमंच आयोजित

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वाावधान में समिति के समन्वय कार्यालय, इलेक्ट्रॉनिक्स् कॉरप-रेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में राजभाषा प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा नराकास उपक्रम के अध्यक्ष अनुराग कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्योति प्रज्ज्वलन से हुआ। नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में एनएमडीसी ने अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। अध्यक्ष ने भी देवाशीष घोष का पुष्पगुच्छ, शॉल तथा ईसीआईएल के सम्मान प्रतीक से सम्मानित किया। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा जैसे महत्वसपूर्ण विषय पर नराकास के स्तर पर प्रश्नमंच का आयोजन करना अत्यंत प्रशंसनीय कार्य है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से उनके कार्यालय में राजभाषा का प्रयोग करने का निदेश दिया। रमेश प्रसाद मिश्र, प्रभारी राजभाषा, पॉवरग्रिड कॉरपोरेशन तथा नराकास (उपक्रम) की कोर समिति के वरिष्ठ सदस्य ने भी प्रतियोगिता की सार्थकता पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष ने भी पॉवर ग्रिड कॉरप-रेशन के राष्ट्र के विकास में महत्व् पर कहा कि ऐसे राष्ट्रीय महत्व के तकनीकी संस्थानों के योगदान से नराकास के प्रत्येक सदस्य कार्यालय को परिचित होना चाहिए। प्रतियोगिता के संयोजक एवं नराकास (उपक्रम) के सदस्य-सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में राजभाषा अधिनियम, नियम, राजभाषा संकल्प, संसदीय राजभाषा समिति, संसदीय राजभाषा समिति निरीक्षण प्रश्नावतवली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रतियोगिता का आयोजन बीस राउंड में हुआ। सभी प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में अपने अनुभव, कौशल, स्मरण शक्ति का पूरा परिचय दिया। प्रतियोगिता में धनंजय कुमार, एमएसटीसी लिमिटेड ने प्रथम, रमेश प्रसाद मिश्र, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने द्वितीय तथा मधु यादव, भारतीय खाद्य निगम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का तकनीकी समन्वय अजहर सुल्तान, अंक गणना डॉ. सीएच. अंबेडकर तथा सामान्य प्रबंधन वी. कनका श्री महालक्ष्मी ने किया। इस अवसर पर पृथ्वी तेजा एमएसटीसी लिमिटेड प्रतियोगिता के संचालन के लिए आब्जर्वर तथा भीमीरेड्डी अंजुषा रेड्डी, वैज्ञानिक अधिकारी-ई, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र विशेष आब्जर्वर के रूप में आमंत्रित थीं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों के लिए ईसीआईएल के विश्र् प्रसिद्ध ईवीएम-वीवीपैट इंजीनियरिंग डिवीजन का इंडस्ट्री विजिट कराया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के आर. स्वामी तथा बी. विद्यासागर ने सफल योगदान दिया।

एनआईआईएमएच की टीम ने वेंकटेश्वर आयुर्वेद निलयम चिंतलुरू का किया दौरा

दुर्लभ आयुर्वेदिक और आयुष से संबंधित अन्य पुस्तकों की खोज की

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान ने आयुष से संबंधित दुर्लभ पुस्तकों के संग्रह और संग्रहालय की कलाकृतियों के संग्रह के हिस्से के रूप में वेंकटेश्वर आयुर्वेद निलयम चिंतलुरू ईस्टू गोदावरी जिला आंध्र प्रदेश का दौरा किया। डॉ. गोली पिंचल प्रसाद, सहायक निदेशक प्रभारी, और के श्रीनिवास राव, एलआईए, उपलब्ध दुर्लभ आयुर्वेद और आयुष से संबंधित अन्य पुस्तकों और कलाकृतियों का पता लगाने के लिए चिंतलुरू के दौरे पर गए। टीम सुबह 9:00 बजे तक चिंतलुरू पहुंची और दुर्लभ आयुर्वेदिक और आयुष से संबंधित अन्य पुस्तकों की खोज की। टीम ने लगभग 250 दुर्लभ आयुष पुस्तकों और 200 से अधिक दुर्लभ आयुष पत्रिकाओं की पहचान की। दल ने संस्थान संग्रहालय के लिए संग्रहालय वस्तुओं के रूप में दो पत्थर के मोर्टार और एक स्व-किण्वन बैरल की भी पहचान की। टीम ने स्पष्ट किया कि वे कुल दुर्लभ पुस्तकों का डिजिटलीकरण करेंगे और वेंकटेश्वर आयुर्वेद निलयम अधिकारियों को एक सॉफ्ट कॉपी प्रदान करेंगे।

गरीबों की मदद करने से बड़ा कोई धर्म नहीं है : सतीश गुप्ता

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अन्नदान सबसे बड़ा दान है। इससे गरीबों को मदद तो मिलती ही है, समाज में सहयोग और समानता का भाव आता है। उक्त विचार राधे राधे ग्रूप हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता ने व्यक्त किये। सिकंदराबाद स्थित गांधी अस्पताल के मेट्रो पिल्लर नबंर 1028 के पास राधे राधे ग्रूप के सौजन्य से जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में गुरुवार को स्व. खेमचंद भरुका की पुण्यस्मृति में जरूरतमंदों को भोजन करवाया गया। अवसर पर सतीश गुप्ता ने कहा कि ईश्वर मनुष्य को शिक्षा देने के लिए कई तरह की परीक्षा लेते हैं। कोरोना संक्रमण के दौरान लोगों में सहयोग की भावना बढ़ी। लोग काफी संख्या में जरूरतमंदों की मदद के लिए सामने आए। उक्त कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सतीश गुप्ता, मनीष अग्रवाल, सुशील गुप्ता, संजय अग्रवाल, महेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल, मोनिका संघी, नरेश गुप्ता, इंदु गुप्ता, कंचन गुप्ता आदि उपस्थित थे।

मानहानि मामले में शिवसेना नेता संजय राउत दोषी करार

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
मानहानि मामले में शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत को दोषी करार दिया गया है। संजय राउत को 15 दिन की जेल और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई है। संजय राउत के खिलाफ यह मामला भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया ने दायर कराया था। संजय राउत ने किरीट सोमैया की पत्नी के एनजीओ पर 100 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था। हालांकि बाद में अदालत ने सजा को 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया और उन्हें जमानत दे दी।

साल 2022 में संजय राउत ने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया का एनजीओ, मुंबई के मीरा भयंदर इलाके में बनाए गए शौचालयों के निर्माण में हुए कथित 100 करोड़ रुपए के घोटाले में शामिल हैं। संजय राउत के आरोपों को किरीट सोमैया ने आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया और घोटाले का सबूत देने की मांग की थी। जब संजय राउत ने इसके सबूत नहीं दिए तो इसके बाद किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया ने संजय राउत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया।

15 दिन जेल और 25 हजार जुर्माने की सजा

बाद में कोर्ट ने सजा 30 दिन के लिए निलंबित की

चुनाव से पहले मुझे बनाया गया बलि का बकरा: संजय राउत

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
मानहानि केस में दोषी ठहराए जाने के बाद संजय राउत ने खुद को महाराष्ट्र चुनाव से पहले बलि का बकरा बनाए जाने की बात कही है। पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने पूछा कि भ्रष्टाचार और अन्य मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाने वाले उनके जैसे लोगों को कैसे न्याय मिलेगा जब प्रधानमंत्री भारत के मुख्य न्यायाधीश के आवास पर मोदक खाने जाते हैं। संजय राउत इस महीने की शुरुआत में गणेश उत्सव के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ के आवास पर जाने का जिक्र कर रहे थे, जिसकी विपक्षी दलों ने आलोचना की थी।

संजय राउत ने कहा, महाराष्ट्र में आसन्न विधानसभा चुनावों के कारण मुझे बलि का बकरा बनाया गया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि उन्होंने बताया था कि किरीट सोमैया से जुड़े संगठन युवक प्रतिष्ठान के माध्यम से मीरा भयंदर में कुछ काम हुआ था और इसमें अनियमितताएं थीं। संजय राउत ने दावा किया कि यहां तक कि शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक ने भी मामले की जांच की मांग की थी और राज्य विधानसभा में इस पर कुछ चर्चा भी हुई थी। अगर मैंने यह कहा तो मैंने किसी को कैसे बदनाम किया? सब कुछ रिकॉर्ड में है। मीरा भयंदर नगर निगम की रिपोर्ट भी है। मैंने केवल यह पूछा है कि क्या भ्रष्टाचार है। लेकिन देश की पूरी न्यायपालिका ऊपर से नीचे तक आरएसएस (संघीकरण) से प्रभावित है।

मेधा सोमैया ने अपनी शिकायत में बताया कि संजय राउत ने कथित घोटाले को लेकर कई आधारहीन आरोप लगाए और ये सब मीडिया में भी छपा और लोगों के बीच बड़े वर्ग में प्रसारित हुए। अब मुंबई की मेट्रोपिलटन मजिस्ट्रेट ने राउत को मानहानि का दोषी माना है और उन्हें सजा सुनाई है। वहीं अदालत द्वारा संजय राउत को दोषी ठहराए जाने के बाद भाजपा नेता किरीट सोमैया ने संतोष जाहिर किया और कहा कि शिवसेना यूबीटी नेता को जुर्माने की राशि मेधा सोमैया को देनी होगी।

कोर्ट ने 21 नाबालिगों के यौन उत्पीड़न के दोषी पूर्व वार्डन को सुनाई फांसी की सजा

15 लड़कियों और छह लड़कों को बनाया था शिकार

ईटानगर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
अरुणाचल प्रदेश की एक विशेष अदालत ने गुरुवार को एक सरकारी छात्रावास के 21 नाबालिग छात्रों के यौन उत्पीड़न के दोषी पूर्व वार्डन को मौत की सजा सुनाई।

विशेष न्यायाधीश (पोक्सो) जावेप्लू चाई ने शि-योमी जिले के मोनिगोंग के कारो गांव में सरकारी आवासीय विद्यालय के छात्रावास के पूर्व वार्डन युमकेन बागरा को मौत की सजा सुनाई। उसने 2014 से 2022 के बीच शि-योमी जिले में एक सरकारी आवासीय विद्यालय में 21 नाबालिग छात्रों का यौन उत्पीड़न किया था। न्यायालय ने पूर्व प्रधानाध्यापक सिंगतुंग योरपेन और स्कूल में हिंदी शिक्षक मार्बोम न्गोमदिर को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत अपराध के लिए उकसाने और इसकी रिपोर्ट न करने के लिए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

न्यायालय ने बागरा को भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया। मामला नवंबर 2022 में तब सामने आया जब एक व्यक्ति ने मोनिगोंग थाने में शिकायत दर्ज कराई कि बागरा ने आवासीय स्कूल में उसकी 12 वर्षीय जुड़वां बेटियों का यौन उत्पीड़न किया और उनके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। पश्चिमी सियांग जिले के आलो के पास ताडिन गांव के मूल निवासी बागरा (33) को उसी साल एक नवंबर को मोनिगोंग थाने में मामला दर्ज होने के 42 दिन बाद 13 दिसंबर 2022 को ईटानगर में गिरफ्तार किया गया था।

अपराध शाखा थाने में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बाद में मामले की जांच की और पाया कि बागरा ने स्कूल में छात्रावास वार्डन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान 2014 से 2022 के बीच 6-14 वर्ष की आयु की 15 लड़कियों और छह लड़कों सहित 21 बच्चों का यौन उत्पीड़न किया। कुछ पीड़ितों ने पूर्व प्रधानाध्यापक योरपेन को दुर्व्यवहार की सूचना दी थी लेकिन उन्होंने उन्हें चुप रहने के लिए कहा ताकि स्कूल की प्रतिष्ठा को ठेस न पहुंचे। न्यायालय ने दो अन्य आरोपियों, उसी स्कूल के एक अन्य शिक्षक ताजुंग योरपेन और छात्रावास वार्डन के परिचित डेनियल पर्टिन को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया।

एसआईटी के पुलिस अधीक्षक रोहित राजबीर सिंह ने पीड़ितों के लिए न्याय की खोज में शामिल सभी लोगों की ओर से किए गए अपार सहयोग और समर्पण को स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले का सफल निष्कर्ष जांच, अभियोजन, मीडिया और न्यायपालिका के बीच तालमेल का प्रमाण है। सभी ने मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि न्याय मिले।

केंद्र ने श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी दरें बढ़ाईं

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
केंद्र सरकार ने श्रमिकों, खासकर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए परिवर्तनीय महंगाई भत्ते (वीडीए) में संशोधन करके न्यूनतम मजदूरी दरों में वृद्धि की घोषणा की है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि नई न्यूनतम मजदूरी दर के अनुसार क्षेत्र ए में निर्माण, झाड़ू, सफाई और लदान में कार्यरत अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी दर 783 रुपए प्रतिदिन (20,358 रुपए प्रतिमाह) अर्द्धकुशल के लिए 868 रुपए प्रतिदिन (22,568 रुपए प्रतिमाह) कुशल, लिपिक एवं शस्त्र रहित चौकीदार के लिए 954 रुपए प्रतिदिन (24,804 रुपए प्रतिमाह) तथा उच्च कुशल एवं शस्त्र सहित चौकीदार के लिए 1,035 रुपए प्रतिदिन (26,910 रुपए प्रतिमाह) होगी।

मंत्रालय के अनुसार इसका उद्देश्य श्रमिकों को जीवन-यापन की बढ़ती लागत से निपटने में मदद करना है। सरकार के इस कदम से केंद्रीय क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में भवन निर्माण, लदान, वॉच एंड वार्ड, स्वीपिंग, सफाई, हाउसकीपिंग, खनन और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगे श्रमिकों को संशोधित मजदूरी दरों से लाभ मिलेगा। नयी मजदूरी दरें एक अक्टूबर, 2024 से लागू होंगी। पिछला संशोधन अप्रैल 2024 में किया गया था।

न्यूनतम मजदूरी दरों को कौशल स्तर - अकुशल, अर्ध-कुशल, कुशल और उच्च कुशल - के साथ-साथ भौगोलिक क्षेत्र - ए, बी और सी के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। केन्द्र सरकार औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में छह माह की औसत वृद्धि के आधार पर, वर्ष में दो बार, एक अप्रैल और एक अक्टूबर से, वीडीए में संशोधन करती है। श्रेणी और क्षेत्र के अनुसार न्यूनतम मजदूरी दरों के बारे में विस्तृत जानकारी केंद्रीय मुख्य श्रम आयुक्त की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद कश्मीर में 90% से अधिक आतंकवाद का खात्मा: आठवले

श्रीनगर, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री एवं रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के नेता रामदास आठवले ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद 90 प्रतिशत से अधिक आतंकवाद का खात्मा हो गया।

श्री आठवले ने आज श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद 90 प्रतिशत से अधिक आतंकवाद का खात्मा हो गया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी आरपीआई के अध्यक्ष ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर आगे बढ़ रहा है और विभिन्न विकास कार्य चल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर को बर्बाद कर दिया है और अलगाववाद फैलाने के अलावा लोगों को धोखा दिया है।

श्री आठवले ने कहा कि श्री मोदी ने आश्वासन दिया है कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। आरपीआई ने कश्मीर घाटी के राजपोरा, बारामुला, सोनावारी और गुलमर्ग क्षेत्रों से चार उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं। श्री आठवले ने कहा कि अगर पार्टी का कोई उम्मीदवार चुनाव जीतता है तो वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पर्यटन को बढ़ावा देगी, अस्पताल, सड़कें और पुल बनाएगी और बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के अलावा बिजली बिलों के मुद्दे को संबोधित करेगी और जम्मू-कश्मीर में नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ लड़ेगी।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी उन युवाओं का पुनर्वास करेगी जो आतंकवाद में शामिल नहीं होना चाहते हैं। श्री आठवले ने मतदाताओं से विधानसभा चुनाव में आरपीआई के उम्मीदवारों को चुनने की अपील की।

ऑस्ट्रेलिया के साथ कार्य और अवकाश वीजा की नई व्यवस्था पहली अक्टूबर से: गोयल

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच कार्य (नौकरी) एवं अवकाश वीजा की नई व्यवस्था पहली अक्टूबर से लागू होगी और इससे दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ेगा।

श्री गोयल हाल में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर थी जहां उन्होंने उद्योग और व्यावसायिक क्षेत्र के कई कार्यक्रमों में भाग लेने के अलावा ऑस्ट्रेलिया के नेताओं और अधिकारियों के साथ बातचीत की। श्री गोयल ने आज सोशल मीडिया पर इस यात्रा के बारे में एक पोस्ट में कहा, ऑस्ट्रेलिया की एक बहुत ही उपयोगी यात्रा संपन्न हुई जो कई प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में हमारे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करेगी और सहयोग के नए क्षेत्र खोलेगी।

वाणिज्य मंत्री ने इसी पोस्ट में आगे लिखा है, मैं यात्रा के दौरान यह जानकर खुश हूं कि भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते के अंतर्गत शामिल प्रमुख प्रतिबद्धताओं में से एक कार्य और अवकाश वीजा संबंधी प्रतिबद्धता 1 अक्टूबर 2024 से चालू हो जाएगी जो गतिशीलता की सुविधा प्रदान करेगी और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव को गहरा करेगी।

पैरासिटामोल सहित 50 दवाएं परीक्षण में फेल

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने बाजार में बिक रही पैरासिटामोल सहित 50 से अधिक दवाओं को निर्धारित गुणवत्ता के अनुरुप नहीं पाया है।

सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि सीडीएससीओ के परीक्षण में 50 से अधिक दवाएं गुणवत्ता के अनुरुप नहीं पायी गयी है। इन दवाओं का परीक्षण सीडीएससीओ की कोलकाता प्रयोगशाला ने पिछले माह किया था। सूत्रों ने बताया कि इनमें पैन डी और प्रतिरोधक, रक्तचाप, मधुमेह, विटामिन, पेट संक्रमण, कैल्सियम से संबंधित और अन्य दवाएं शामिल हैं। गुणवत्ता में विफल रहने के बाद संबंधित कंपनियों ने इन दवाओं को बाजार से हटाना होगा। ये कंपनिया मूल रुप से सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की हैं।

हेमंत तुष्टिकरण के चलते आदिवासी समाज की अस्मिता को खतरे में डाल रहे है : बाउरी

रांची, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा आरएसएस को लेकर दिए गए बयान जिसमें उन्होंने कहा है कि यह आरएसएस के लोग चूहे की तरह हमारे अंदर घुसकर तोड़ने का काम करते हैं। जब हमारे एक नेता हमारी पार्टी में थे, तो वह 1932 की मांग करते थे, स्थानीयता की बात करते थे, लेकिन भगवा होते ही उनकी भाषा भी बदल गई है।

मुख्यमंत्री के इस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने आज कहा कि 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास से ही आज भारत गुलामी की मानसिकता को तोड़कर विश्व पटल पर अपनी पहचान बढ़ा रहा है, लेकिन यह अफसोस की बात है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के कारण अपने पूर्वजों, वंशजो और आदिवासी समाज की अस्मिता को खतरे में डाल रहे है। बांग्लादेशी घुसपैठियों इन्हें राज्य के अंदर दिख नहीं रहे। जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की अस्मिता और परंपरा को स्थापित कर रहा है। उसे हेमंत सोरेन अपने राज्य में प्रतिबंधित कर रहे हैं।

श्री बाउरी ने कहा कि हेमंत सोरेन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कारण ही आज आप अपने धर्म के साथ जीवन यापन कर रहे हैं, नहीं तो आपके सहित सारे लोग अपने मूल धर्म को खो चुके होते हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन जी आप वोट बैंक की राजनीति के कारण कितना नीचे गिरेंगे। अपने अंतर मन की आवाज को जरूर सुने।

शेयर मार्केट

बीएसई : 85,836.12
+666.25 (0.78%) ↑
एनएसई :26,216.05
211.90 (0.81%)↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,080/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 93,740/- (प्रति किलोग्राम)

बिहार में स्मार्ट बिजली मीटर के खिलाफ कांग्रेस करेगी जन आंदोलन

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
बिहार में मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बाद गुरुवार को कांग्रेस ने भी प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर योजना के खिलाफ जन आंदोलन करने का ऐलान किया। बिहार कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश ने गुरुवार को यहां सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन में बिहार में स्मार्ट बिजली मीटर योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा चलाई जा रही संयुक्त महालूट योजना करार दिया और कहा कि बिहार जैसे गरीब तथा पिछड़े राज्य में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाया जाना बिहार की जनता पर बहुत बड़ा अत्याचार है, जिसे कांग्रेस कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिहार सरकार की इस योजना का विरोध करती है तथा तुरंत इसे बंद करने का अपील करती है।

श्री प्रकाश ने कहा कि अडानी के खजाने को भरने के लिए बिहार में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। इसकी क्रोन-लॉजी समझाते हुए उन्होंने कहा कि देश में बिजली कंपनियों को कोयला आपूर्ति का काम अडानी की कंपनियां करती हैं, जिस कारण बिजली बेहद महंगी हो गई है। उन्होंने कहा कि अडानी की कंपनियां कोयले का आपूर्ति बेहद महंगे दरों पर करती हैं इसलिए बिजली महंगी हो गई है। कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि जब अन्य राज्य सरकारें बिजली के दरों पर अप्रत्याशित वृद्धि के प्रस्ताव को स्वीकारने में आनाकानी करने लगीं तब अडानी के विशेषज्ञों ने स्मार्ट बिजली प्रीपेड मीटर का सुझाव दिया, जिसे आम जनता समझ भी नहीं पा रही है तथा तकनीकी बिलिंग के माध्यम से महालूट की योजना को अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो बिजली कंपनियां नुकसान के दावा करती हैं वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार द्वारा मिलने वाली सब्सिडी की राशि पर खामोश हो जाती हैं।

श्री प्रकाश ने कहा कि बतौर बिहार के ऊर्जा मंत्री 15 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी की धनराशि बिजली कंपनियों को नुकसान के मद्देनजर दी जाती है। आखिर वह धनराशि कहां पहुंचती है। यदि बिजली कंपनियां आज भी नुकसान में हैं तो निश्चित तौर पर सब्सिडी की धनराशि दलाल-ठेकेदार तथा रिश्वत में व्याप्त तंत्र के पास पहुंच जाती होगी। लेकिन, इसका खामियाजा आम जनता को उठाना पड़ रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सियाचिन में की सैनिकों से बात

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को सियाचिन बेस कैंप का दौरा किया और सियाचिन युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह स्मारक भारतीय सेना के13 अप्रैल 1984 को शुरू हुए ऑपरेशन मेघदूत के बाद से शहीद हुए सैनिकों और अधिकारियों के बलिदान का प्रतीक है।

उन्होंने वहां तैनात सैनिकों को भी संबोधित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में उन्हें उन पर बहुत गर्व है और सभी नागरिक उनकी बहादुरी को सलाम करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अप्रैल 1984 में ऑपरेशन मेघदूत शुरू होने के बाद से भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर सैनिकों और अधिकारियों ने इस क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्हें गंभीर मौसम की स्थिति का सामना करना पड़ता है। भारी बर्फबारी और माइनस 50 डिग्री तापमान जैसी कठिन परिस्थितियों में भी ये पूरी निष्ठा और सतर्कता के साथ अपने मोर्चे पर तैनात रहते हैं।

भाजपा ने सदस्यता अभियान में 1 करोड़ सदस्यता का आंकड़ा पार किया

भोपाल, 26 सितंबर (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज गुरुवार को कि प्रदेश में मात्र 24 दिनों में 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बनाकर इतिहास कायम किया है।

श्री शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा ने प्रदेश में मात्र 24 दिनों में 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बनाकर इतिहास कायम किया है। इतने कम समय में किसी राजनीतिक दल के 1 करोड़ सदस्य बनना अभूतपूर्व है। संगठन पर्व के दौरान 95 लाख ऑनलाइन फॉर्म भरे गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित प्रदेश शासन के मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ 64 हजार 871 पर बूथों पर कार्यकर्ताओं ने मेहनत कर रिकॉर्ड कायम किया है। उन्होंने कहा कि अभी भी सदस्यता का अभियान जारी है और भाजपा के परिवार में सदस्यों के जुड़ने का सिलसिला चलता रहेगा।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

PASSPORT LOST
Passport No. Z7153229 belongs to SARDAR GURMEET SINGH S/o.SARDAR SATHBACHAN SINGH, R/o. H.No. 4-9-226/RC, 9 Number, Sikh Chawani, Rajendranagar Mandal, Ranga Reddy Dist-500048 (TS). Has been lost. If anybody found please inform on Tel. Phone No. 7013933301

CHANGE OF NAME
I, RASHAMI BARGAV spouse of Service No.JC 287026M Sub ARUN KUMAR, R/o.Gram Chandawani, Post:Chandawani Teh:Orchha, Dist:Tikamgarh, Chandawani Khas, Tikamgarh, Madhya Pradesh-472246 have changed my name from RASHAMI BARGAV to RASHMI BHARGAV vide affidavit dt:25-9-2024 before IV Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, KURSHIA BIBI, Legally Wedded Spouse of 14833774A, Hav/Mt Mahabub SK, of Unit/REGT: 554 ASC BN, C/o: 56 APO, R/o. Jogdal, Bergram, Murshidabad, Sagardighi, West Bengal – 742226, have changed my name from KURSHIA BIBI to KURSIA BIBI,DOB is 09/02/1993, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL. On 25-9-2024.

कालेश्वरम परियोजना अधिकारियों के लिए जवाबदेही का सबक है : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) अधिकारियों के लिए उनके पेशेवर आचरण में ईमानदारी और गुणवत्ता के उच्च मानकों का पालन करने के महत्व का सबक है।

गुरुवार को एर्रामंजिल के जल सौधा में आयोजित सिंचाई विभाग के 700 नवनियुक्त सहायक कार्यकारी इंजीनियरों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने परियोजना निष्पादन में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों से काम की गुणवत्ता से संबंधित किसी भी मुद्दे की रिपोर्ट अपने उच्च अधिकारियों को करने और मानकों से कभी समझौता न करने का आग्रह किया, क्योंकि घटिया परियोजनाएं समय की कसौटी पर खरी नहीं उतर सकतीं।

नागार्जुन सागर और श्रीशैलम बांध जैसी पुरानी परियोजनाओं से तुलना करते हुए, जो कई दशकों के बाद भी लाखों एकड़ भूमि को सिंचाई प्रदान करती हैं और बिजली पैदा करती हैं, रेवंत रेड्डी ने कालेश्वरम परियोजना के साथ इसके विपरीत होने की ओर इशारा किया, जिसे इसके निर्माण के पाँच साल बाद ही गंभीर झटकों का सामना करना पड़ा है।

मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि पिछली सरकार ने कालेश्वरम परियोजना को विश्व आश्चर्य के रूप में सराहा था। हालाँकि, गुणवत्ता के मुद्दों के कारण, परियोजना विफल हो गई। यदि इंजीनियरों ने अपनी जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाया होता, तो इस स्थिति से बचा जा सकता था। यह घटना बुनियादी ढाँचे की परियोजनाओं में पेशेवर ईमानदारी के महत्व को उजागर करती है,

रेवंत ने आगे कहा कि कृषि और पानी तेलंगाना के लोगों की जीवन रेखाएँ हैं। सिंचाई विभाग में काम करना केवल एक नौकरी नहीं है, बल्कि लोगों की सेवा करने की एक भावनात्मक प्रतिबद्धता है। उन्होंने इंजीनियरों को सक्रिय रूप से क्षेत्र के दौरे में शामिल होने और लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों से अवगत होने के लिए प्रोत्साहित किया।

तेलंगाना सरकार 30 दिनों के भीतर डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड शुरू करेगी : सीएम

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि सरकार अगले 30 दिनों के भीतर पूरे राज्य में डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड शुरू करने की तैयारी में है।

गुरुवार को दुर्गाबाई देशमुख रेनोवा कैंसर सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं दोनों को प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने गरीबों को सस्ती चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, और कहा कि राज्य में प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल बनाई जाएगी, जिसमें लगभग 4 करोड़ निवासियों के लिए स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल को डिजिटल बनाने की योजना है। डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड में बीमारियों और चिकित्सा इतिहास का विवरण शामिल होगा।

उन्होंने वंचितों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार करने की प्रतिबद्धता के लिए

दुर्गाबाई देशमुख अस्पताल की प्रशंसा की, उन्होंने स्वीकार किया कि कई व्यक्ति कैंसर से पीड़ित हैं और उनका इलाज कम आय वाले परिवारों के लिए एक बड़ा बोझ हो सकता है। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के सभी निवासियों के लिए कैंसर के इलाज को सुलभ बनाने के महत्व पर जोर दिया।

रेड्डी ने बताया कि स्वास्थ्य रिकॉर्ड के अभाव के कारण मरीजों को अक्सर अस्पताल जाने पर बुनियादी जांच करानी पड़ती है। यह राज्य में सभी के लिए स्वास्थ्य प्रोफाइल को डिजिटल बनाने के महत्व को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा, स्वास्थ्य मंत्री अत्यधिक सक्षम हैं और शिक्षा और स्वास्थ्य हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। हम अस्पताल प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों को लागू करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

टीजीरेरा ने एक हजार परियोजनाओं पर 35 करोड़ का जुर्माना लगाया

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रियल एस्टेट एजेंसियों के प्रमोटरों को विनियमित करने और खरीदारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से तेलंगाना रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (टीजीरेरा) ने विभिन्न कंपनियों की 1,000 से अधिक रियल एस्टेट परियोजनाओं पर 35 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है और वह 2018 में अपनी स्थापना के बाद से 15 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं।

देश में रियल एस्टेट क्षेत्र को विनियमित को और बढ़ावा देने के लिए केंद्र द्वारा आरईआरए अधिनियम पेश किए जाने के बाद तेलंगाना सरकार ने वर्ष 2018 में टीजीरेरा की शुरुआत की। इसका उद्देश्य घर खरीदारों की सुरक्षा करना, समय पर परियोजना पूरी करना सुनिश्चित करना, एक नियामक ढांचा स्थापित करना और डेवलपर्स के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है। टीज-ीरेरा की स्थापना के बाद से विनियामक एजेंसी ने 1,013 से अधिक परियोजनाओं पर जुर्माना लगाया है और पिछले सात वर्षों के दौरान जुर्माना राशि 35.75 करोड़ रुपये वसूल की। रेरा ने दोषी रियल एस्टेट प्रमोटरों से जुर्माने के रूप में 15.01 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं।प्रारंभिक वर्ष 2018-19 के दौरान, एजेंसी ने 335 परियोजनाओं पर 3 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। दूसरे वर्ष के दौरान एजेंसी ने 49 परियोजनाओं पर 79 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया। कोविड के दो वर्षों 2020 और 2021 के दौरान सिर्फ सात परियोजनाएं थीं। हालांकि, इसके बाद एजेंसी ने 2022-23 में 180 परियोजनाओं पर 1.7 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया और वर्ष 2023-24 में 311 परियोजन-ाओं पर 26 करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया। यह वह समय है जब वरिष्ठ अधिकारी एन सत्यनारायण ने रेरा के अध्यक्ष का पद्भार संभाला था। चालू वर्ष 2024-25 में भी एजेंसी ने अब तक 131 परियोजनाओं पर 2.9 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में पूछे जाने पर सत्यनारायण ने कहा कि पारदर्शिता लाने, घर खरीदारों के हितों की रक्षा करने और उपभोक्ताओं और बिल्डरों व प्रमोटरों के बीच विवादों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए रेरा के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना एक ऐसा राज्य है, जहां शहरी आबादी काफी है और रियल एस्टेट सेक्टर में संतुलित विकास और विनियमन की आवश्यकता है।रेरा अधिनियम और नियमों का पालन करके राज्य भर में काम करने वाले सभी रियल एस्टेट प्रमोटरों को अपनी परियोजनाओं को टीजीरेरा के साथ पंजीकृत करना चाहिए और हितधारकों, विशेष रूप से घर खरीदारों के हितों की रक्षा करने की जिम्मेदारी को पूरा करना चाहिए। प्रमोटर खुद से आवंटन रद्द नहीं कर सकते और यह समझौते के अनुसार किया जाना चाहिए। अगर परियोजना का 10 प्रतिशत हिस्सा बिक भी जाता है, तो भी समझौता होना चाहिए। प्रमोटर को सूचना और मामले के विवरण की समरूपता अपलोड करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर प्रमोटर बिना पंजीकरण के विज्ञापन देते हैं, तो भी रेरा कार्रवाई कर सकता है।

वन विभाग की अनुमति में देरी से आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास में आ रही बाधा : सीताक्का

हैदराबाद/नई दिल्ली, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की पंचायत राज मंत्री दानसारी अनसूया सीताक्का ने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण में वन विभाग की अनुमति के कारण होने वाली देरी पर चिंता व्यक्त की।

गुरुवार को डॉ. बीआर अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आयोजित अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत विस्तार (पेसा) अधिनियम पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के बाद नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए सीताक्का ने कहा कि नियामक बाधाओं के कारण इन क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना भी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

सीताक्का ने कहा कि खदानों और मेगा-प्रोजेक्ट्स के लिए अनुमति तेजी से दी जा रही है, आदिवासी क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं के लिए मंजूरी में देरी हो रही है। यह विसंगति इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की भलाई को प्रभावित कर रही है।

उन्होंने एक उदाहरण दिया जहां एक कंटेनर स्कूल स्थापित करना पड़ा क्योंकि स्थायी भवन के निर्माण के लिए कोई मंजूरी नहीं थी।मंत्री ने बताया कि यद्यपि केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से धन आवंटित करती है, लेकिन इनमें से कई अनुमति मुद्दों के कारण अप्रयुक्त रह जाते हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सम्मेलन में उपस्थित अन्य राज्य मंत्रियों ने भी इसी तरह की चुनौतियों को साझा किया। सीताक्का ने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए अनुमति देने के लिए ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज भी, कई आदिवासी गांवों में वन और पर्यावरण परमिट प्राप्त करने में कठिनाइयों के कारण उचित सड़कें, बिजली और अन्य बुनियादी ढाँचे का अभाव है।

सीताक्का ने अनुमतियों को संभालने के तरीके में असमानता की आलोचना की और केंद्र सरकार से इन मुद्दों को हल करने के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थिति असमानता को बढ़ा रही है, आदिवासी समुदायों को आवश्यक सेवाओं से वंचित किया जा रहा है।

विकास परियोजनाओं के विषय पर, सीताक्का ने जल निकायों को बहाल करने के सरकार के प्रयासों का बचाव किया, जिन्हें पहले कांग्रेस शासन के दौरान उपेक्षित किया गया था। उन्होंने कहा, आल-ोचना के बावजूद, हम राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं, और तालाबों के पुनर्निर्माण और गरीबों के लिए डबल बेडरूम वाले घर उपलब्ध कराने के हमारे प्रयास जारी हैं। सीताक्का ने आदिवासी समुदायों के सामने आने वाले मुद्दों के समाधान और क्षेत्र में न्याय और निष्पक्ष विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

रेवंत रेड्डी ने कोर्ट की सुनवाई से छूट मांगी

हैदराबाद, 26 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सार्वजनिक भाषण में एक विवादस्पद टिप्पणी करने पर आपराधिक मामले का सामना कर रहे मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने नामपल्ली मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट की मांग करते हुए याचिका दायर की है। उन्होंने आधिकारिक बैठकों के कारण अपने व्यस्त कार्यक्रम का हवाला दिया और अपने वकील के माध्यम से याचिका दायर की। अदालत ने मुख्यमंत्री को 15,000 रुपये के दो जमानतदारों के साथ एक निजी मुचलका भरने का निर्देश दिया।ज्ञात हो कि भाजपा तेलंगाना राज्य महासचिव कसम द्वारा दायर यह मामला 2024 के आम चुनावों के दौरान रेवंत रेड्डी के भाषण से उपजा है। अगली सुनवाई 16 अक्टूबर, 2024 को निर्धारित है। मंगलवार को ईडी मामलों की विशेष अदालत ने रेवंत रेड्डी को 16 अक्टूबर को अपने समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। 2015 के कैश-फॉर-वोट मामले में 50 लाख रुपये के नकद लेनदेन के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर आरोपपत्र पर यह आदेश जारी किए गए, जिसमें वह एक आरोपी हैं। सीएम को 16 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होना है, क्योंकि मामला आरोप तय करने के चरण में है। आर-ोपों की व्याख्या की जाएगी और आरोपी से पूछा जाएगा कि क्या वे अपराध के लिए दोषी हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.